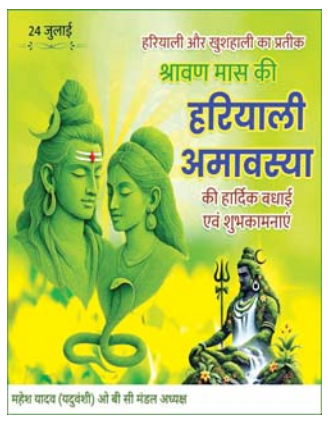

दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 55/ अंक 09/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10
संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल
■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, गुरुवार 24 जुलाई 2025 भोपाल से प्रकाशित
dainiksandhyaprakash.in

ऋषभ पंत टेस्ट सीरीज से बाहर

इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट के पहले दिन इंजर्ड हुए, पैर की अंगुली फ्रैक्चर, 6 हफ्ते का आराम

पंत को चौथे टेस्ट के पहले दिन चोट लग गई थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, उनके दाहिने पैर की अंगुली में फ्रैक्चर हुआ है। स्कैन रिपोर्ट में फ्रैक्चर दिखा है और डॉक्टर्स के अनुसार पंत को कम से कम छह हफ्ते आराम करना होगा।

सीएम ने वन विकास निगम के स्वर्ण जयंती वर्ष में राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ किया

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने राज्य वन विकास निगम के स्वर्ण जयंती वर्ष के उदघाटन और राष्ट्रीय कार्यशाला का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर लगाई गई प्रदर्शनी का उदघाटन कर अवलोकन किया। मुख्यमंत्री ने राज्य वन विकास निगम की स्थापना के 50 वें वर्ष के उपलक्ष में जारी विजन 2047 का अनावरण किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वन विकास निगम के उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों- कर्मचारियों का सम्मान भी किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री दिलीप अहिरवार ने की। मुख्य सचिव वन अशोक बर्णवाल विशेष रूप से उपस्थित है।

● प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ब्रिटेन की दो दिवसीय यात्रा पर लंदन पहुंचे

हाथों में तिरंगा, मोदी-मोदी के नारे भारतीयों ने किया भव्य स्वागत

लंदन। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ब्रिटेन की दो दिवसीय यात्रा पर लंदन पहुंचे। पीएम का लंदन में प्रवासी भारतीयों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। हाथों में तिरंगा लिए भारतीय मूल के लोग मोदी की एक झलक पाने के लिए घंटों लाइन में खड़े रहे। पीएम ने अपने एक्स हैंडल पर स्वागत की तस्वीरों को शेयर करते हुए सभी का आभार जताया है। लंदन की सड़कें मोदीमय हो गई। जैसे ही प्रधानमंत्री मोदी लंदन स्थित होटल पहुंचे प्रवासी भारतीयों ने मोदी, मोदी भारत माता की जय और वंदे मातरम के नारे लगाने लगे। पारंपरिक परिधानों में सजे कलाकारों ने पीएम मोदी के लंदन आगमन पर ढोल बजाकर और नृत्य कर उनका दिल से स्वागत किया। पीएम की एक झलक पाने के लिए भारी भीड़ उमड़ पड़ी। छोटे-छोट बच्चे भारतीय परिधान में और हाथ में तिरंगा लिए पीएम मोदी की एक झलक पाने लिए उत्सुक नजर आए। उनकी खुशी चेहरे से साफ झलक रही थी। पीएम मोदी से मिलने पहुंचे भारतीय प्रवासियों में उत्साह और उमंग था। कोई हाथ मिलाने के लिए उत्सुक था तो कोई सेल्फी लेने के लिए। महिलाओं की खुशी तो सातवें आसमान पर थीं। प्रधानमंत्री मोदी ने

भारतीयों का सम्मान रखते हुए सभी के साथ गर्भजोशी से मिले। प्रवासी भारतीय से हाथ मिलाया। बच्चों को लाड़ किया, कलाकारों का हौसला बढ़ाया। प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के निमंत्रण पर पीएम मोदी दो दिवसीय यात्रा पर लंदन पहुंचे हैं। 24 जुलाई को वो स्टार्मर के साथ भारत-ब्रिटेन द्विपक्षीय संबंधों के संपूर्ण पहलुओं पर व्यापक चर्चा करेंगे। ब्रिटेन के विदेश कार्यालय की मंत्री और हिंद-प्रशांत क्षेत्र की प्रभारी कैथरीन वेस्ट ने लंदन एयरपोर्ट पर प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत किया। ब्रिटेन में भारतीय उच्चायुक्त विक्रम दोरईस्वामी और दिल्ली में ब्रिटिश उच्चायुक्त लिंडी कैमरन भी लंदन एयरपोर्ट पर पीएम मोदी के स्वागत के लिए मौजूद रहे।

● अचारपुरा बन रहा है नया इंडस्ट्रियल हब

सीएम आज करेंगे 406 करोड़ की औद्योगिक इकाइयों का भूमिपूजन

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज भोपाल के अचारपुरा इंडस्ट्रियल एरिया में 406 करोड़ रुपए के निवेश से बनने वाली 5 बड़ी औद्योगिक इकाइयों का भूमिपूजन करेंगे जो टेक्सटाइल, फार्मा और इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्रों में 12.88 हेक्टेयर भूमि पर स्थापित होंगी। इस दौरान 8 अन्य उद्योगों को जमीन आवंटन के आशय पत्र भी सौंपे जाएंगे। सीएम अचारपुरा में गोकलदास एक्सपोर्ट्स की गारमेंट यूनिट का भ्रमण भी करेंगे, जहां 2500 महिलाएं कार्यरत हैं। मुख्यमंत्री इन महिला श्रमिकों से बातचीत करेंगे और उत्पादन प्रक्रिया का जायजा लेंगे। यह इकाई न सिर्फ औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा दे रही है, बल्कि महिला सशक्तीकरण का भी उदाहरण है। मुख्यमंत्री मोहन यादव राजधानी के अचारपुरा में 5 प्रमुख इकाइयों का भूमिपूजन करेंगे, जो टेक्सटाइल, फार्मा और इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्रों में 12.88 हेक्टेयर भूमि पर स्थापित होंगी। 406 करोड़ रुपए के निवेश से बनने वाली 5 बड़ी औद्योगिक इकाइयों से लगभग 1500 रोजगार सृजित होंगे। इन इकाइयों में शामिल हैं।

5 बड़ी औद्योगिक इकाइयां

- इंडो एकॉर्ड अप्पैरल्सः 125 करोड़ निवेश, 500 रोजगार।
- एसेड्स प्रालिः 106 करोड़ निवेश, 100 रोजगार।
- सिनाई हेल्थकेयरः 100 करोड़ निवेश, 200 रोजगार।
- समर्थ एग्रीटेकः 50 करोड़ निवेश, 200 रोजगार।
- गोकलदास एक्सपोर्ट्सः 25 करोड़ निवेश, 500 रोजगार।

इकाइयों को सौपेंगे भूमि आवंटन संबंधी पत्र

अचारपुरा क्षेत्र को विशेष रूप से टेक्सटाइल और फार्मा सेक्टर के लिए विकसित किया जा रहा है। इसी के साथ मुख्यमंत्री 8 नई इकाइयों को भूमि आवंटन के आशय-पत्र भी सौंपेंगे। इनमें शामिल हैं महालक्ष्मी दाल उद्योग, जियो फिल्टेक, प्रवाह एंटरप्राइजेज, योगी इंडस्ट्रीज, अजमेरा इंडस्ट्रीज, सामवी एंटरप्राइजेज और बैग क्रिएशन इंडिया। ये आठ उद्योग लगभग 12,495 वर्ग मीटर ज़मीन पर करीब 17.7 करोड़ रुपये का निवेश करेंगे और 186 से ज़्यादा लोगों को नौकरी देंगे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री उद्योगपतियों के साथ संवाद भी करेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंत्रालय में विधानसभा सत्र की तैयारियों की वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा की।

सांध्यप्रकाश विशेष

50 यात्रियों को लेकर जा रहा रूसी विमान क्रैश हुआ, किसी के बचने की संभावना नहीं

मॉस्को। रूसी मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, रूस-चीन सीमा पर लापता हुआ रूसी विमान क्रैश हो गया है और उसमें सवार सभी 50 लोगों की मौत हो गई है। रिपोर्ट के अनुसार, विमान में क्रैश होकर आग लग गई। हादसे में किसी के बचने की संभावना नहीं है। घटनास्थल पर रूस

के सिविल डिफेंस और अग्निशमन दल की टीमें मौजूद हैं। कुछ देर पहले रूस के एक स्थानीय अधिकारी ने विमान के लापता होने की जानकारी दी थी। मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया कि रूसी एयर ट्रैफिक कंट्रोल का विमान से संपर्क पूर्वी अमूर क्षेत्र में टूटा। यह इलाका रूस और चीन की सीमा पर स्थित है। लापता विमान साइबेरिया स्थित अंगारा एयरलाइंस का था।मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अंगारा एयरलाइंस का विमान अमूर क्षेत्र के टाइंडा जा रहा था। विमान में 43 यात्री, जिनमें पांच बच्चे शामिल हैं और क्रू के छह सदस्य सवार हैं। स्थानीय गवर्नर वेसिली ओरलोव ने टेलीग्राम पर साझा एक पोस्ट में बताया कि विमान की तलाश की जा रही है। जिस वक्त विमान का एयर ट्रैफिक कंट्रोल से संपर्क टूटा, उस वक्त विमान अपने गंतव्य स्थल से कुछ ही किलोमीटर की दूरी पर था।

● छापेमारी एसबीआई द्वारा रिलायंस कम्युनिकेशंस और प्रमोटर-निदेशक अनिल डी अंबानी को धोखाधड़ी के रूप में वर्गीकृत के बाद की

3000 करोड़ के यस बैंक ऋण धोखाधड़ी मामले में अनिल अंबानी से जुड़े 50 ठिकानों पर ईडी की छापेमारी

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार को मुंबई में उद्योगपति अनिल अंबानी की कंपनियों से जुड़े कई स्थानों पर छापेमारी की। यह छापेमारी भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) द्वारा रिलायंस कम्युनिकेशंस और इसके प्रमोटर-निदेशक अनिल डी अंबानी को धोखाधड़ी के रूप में वर्गीकृत किए जाने के कुछ ही दिनों बाद की गई है। हालांकि अनलि अंबानी के निजी आवास पर तलाशी अभियान नहीं चलाया गया, लेकिन दिल्ली और मुंबई से आई ईडी की टीमों ने उनके समूह की कुछ कंपनियों से जुड़े परिसरों का दौरा किया। यह जांच आरएएजीए (रिलायंस अनिल अंबानी समूह) कंपनियों की ओर से कथित धन शोधन से संबंधित है। ईडी ने अनिल अंबानी समूह की कंपनियों और यस बैंक के खिलाफ 3,000 करोड़ रुपये के कथित बैंक ऋण धोखाधड़ी से जुड़े मामले में गुरुवार को छापेमारी की। सूत्रों के अनुसार, धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत मुंबई और दिल्ली में 50 कंपनियों और लगभग 25 लोगों के 35 से अधिक परिसरों की तलाशी ली जा रही है।

2017 से 2019 के बीच का है ऋण धोखाधड़ी मामला

ईडी सूत्रों ने कहा कि वे 2017 और 2019 के बीच यस बैंक से लगभग 3,000 करोड़ रुपये के अवैध ऋण डायवर्जन के आरोपों की जांच कर रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, ईडी को पता चला है कि ऋण दिए जाने से ठीक पहले यस बैंक के प्रमोटरों को उनके व्यवसाय में धन प्राप्त हुआ था। इसे देखते हुए एजेंसी ÷रिश्वत÷ और ऋण के इस गठजोड़ की जांच कर रही है। सूत्रों ने बताया कि संघीय एजेंसी रिलायंस अनिल अंबानी समूह की कंपनियों को यस बैंक की ओर से ऋण स्वीकृतियों में घोर उल्लंघनों के आरोपों की पड़ताल कर रही है।

● भोपाल नगर निगम की बैठक

2 जगहों के नाम बदलेंगे

बीजेपी पार्षदों ने कहा-कमिश्नर के खिलाफ निंदा प्रस्ताव लाया जाए, कांग्रेसी बोले- निगमायुक्त ऐसे नहीं

भोपाल। भोपाल नगर निगम परिषद की बैठक शुरू हो गई है। निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने प्रश्नकाल शुरू होने की बात की। इससे पहले बीजेपी पार्षद विलास राव घाड़गे ने कमिश्नर हरेंद्र नारायण की कार्यप्रणाली को लेकर सवाल उठा दिए। उन्होंने कमिश्नर के विरुद्ध निंदा प्रस्ताव लाने की बात कहीं। इसके बाद वे अध्यक्ष की आसंदी के सामने जमीन पर बैठ गए।

पार्षद के इस कदम पर एमआईसी मेंबर जगदीश यादव ने आपत्ति ली। उन्होंने कहा कि कमिश्नर ऐसे नहीं है। उनके प्रयास से ही भोपाल देश में दूसरे नंबर पर आया है। इसी मुद्दे पर कांग्रेसी पार्षद भी मैदान में उतर गए। नेता प्रतिपक्ष शबिस्ता जकी, पार्षद मो. सरवर, योगेंद्र सिंह गुड्डू चौहान ने भी कमिश्नर का पक्ष रखा। कुछ देर तक हंगामे की स्थिति बनी रही। इसके बाद अध्यक्ष सूर्यवंशी ने

पार्षद घाड़गे को समझाकर उठने को कहा। हंगामे के बाद 1 घंटे का प्रश्न काल शुरू किया गया। बैठक में 3 बड़े प्रस्ताव रखे जाएंगे। जिनमें 2 जगह के नाम बदलने और 25 करोड़ रुपए से 6 विसर्जन कुंड बनाने के प्रस्ताव शामिल हैं। पानी और सड़क जैसे मुद्दे पर विपक्ष का %शहर सरकार% को घेरने का प्लान है। सुलभ शौचालय का शुल्क बढ़ाने को लेकर भी उनकी नाराजगी सामने आ सकती है।

नाम बदलने के दोनों प्रस्ताव एमआईसी से पास हो चुके हैं। पुराने शहर स्थित ओल्ड अशोका गार्डन का नाम बदलकर %राम बाग% और विवेकानंद पार्क के पास चौराहे का नाम %विवेकानंद चौक% किया जाएगा।

नाम बदलने को लेकर पार्षद ने दिए थे प्रस्ताव- वार्ड-69 के पार्षद सूर्यकांत गुप्ता ने ओल्ड अशोका गार्डन का नाम बदले जाने का प्रस्ताव दिया है। 26 मई-24 को पुराना अशोका गार्डन सुधार समिति ने साधारण सभा के बाद ओल्ड अशोका गार्डन का नाम राम बाग करने का प्रस्ताव दिया था।

राम बाग करने का प्रस्ताव दिया था

वार्ड-69 के पार्षद सूर्यकांत गुप्ता ने ओल्ड अशोका गार्डन का नाम बदले जाने का प्रस्ताव दिया है। 26 मई-24 को पुराना अशोका गार्डन सुधार समिति ने साधारण सभा के बाद ओल्ड अशोका गार्डन का नाम राम बाग करने का प्रस्ताव दिया था। वहीं 80 फीट रोड स्थित विवेकानंद पार्क, अशोका गार्डन के पास चौराहे का नाम विवेकानंद चौक करने का प्रस्ताव पार्षद गुप्ता ने दिया था। चौराहे की पहचान के लिए रहवासी नवीन नामकरण की मांग कर रहे थे। दोनों प्रस्ताव लंच के बाद आएंगे।

पार्षद विलासराव घाड़गे बोले-महाशिवरात्रि पर भी मांस दुकानें बंद रखी जाएं

बीजेपी पार्षद विलासराव घाड़गे ने पूछा कि कौन-कौन से तीज-त्योहारों पर मीट विक्रेताओं पर प्रतिबंध रहता है, यह बताया जाए। साथ ही महाशिवरात्रि के दिन भी मांस दुकानों को प्रतिबंधित किया जाना चाहिए। पार्षद घाड़गे ने कहा कि शहर में हर जगह पर अवैध तरीके से मांस दुकानें खुल रही हैं, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं होती है। इस पर सख्ती से प्रतिबंध किया जाए।

● महाराष्ट्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी

2006 ट्रेन धमाके के आरोपियों को बॉम्बे हाईकोर्ट ने दी थी राहत, सुप्रीम कोर्ट ने लगाई रोक

नई दिल्ली। 2006 के मुंबई ट्रेन धमाके के मामले में सुप्रीम कोर्ट आरोपियों को बड़ा झटका देते हुए बॉम्बे उच्च न्यायालय के फैसले पर रोक लगा दी है। बॉम्बे उच्च न्यायालय ने हाल ही में दिए अपने फैसले में धमाके के सभी 12 आरोपियों को बरी कर दिया था। उच्च न्यायालय के फैसले को महाराष्ट्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने आरोपियों की जेल से रिहाई को बरकरार रखा है। जस्टिस एमएम सुंदरेश और एन कोटिश्वर सिंह ने सभी आरोपियों को भी नोटिस जारी कर उनका जवाब मांगा है। सर्वोच्च अदालत ने कहा कि उच्च न्यायालय के फैसले को मिसाल नहीं माना जाएगा। इसका मतलब है कि जो लोग इसी तरह के आरोपों में जेल में बंद हैं, वे जमानत हासिल करने के लिए इस आदेश का इस्तेमाल नहीं कर पाएंगे। गौरतलब है कि सोमवार को, बॉम्बे उच्च न्यालाय के जस्टिस अनिल किलोर और जस्टिस श्याम चांडक की विशेष पीठ ने मुंबई ट्रेन धमाके के सभी 12 आरोपियों को बरी कर दिया और कहा कि अभियोजन पक्ष मामले को साबित करने में पूरी तरह विफल रहा और यह विश्वास करना मुश्किल है कि आरोपियों ने अपराध किया है।

7 लोकल के फर्स्ट क्लास डिब्बों में प्रेशर कुकर से हुए थे ब्लास्ट

मुंबई में 11 जुलाई 2006 को शाम 6 बजकर 24 मिनट से लेकर 6 बजकर 35 मिनट के बीच एक के बाद एक सात ब्लास्ट हुए थे। ये सभी ब्लास्ट मुंबई के पश्चिम रेलवे पर लोकल ट्रेनों के फर्स्ट क्लास कम्पार्टमेंट में करवाए गए थे। खार, बांद्रा, जोगेश्वरी, माहिम, बोरीवली, माटुंगा और मीरा-भायंदर रेलवे स्टेशनों के पास ये ब्लास्ट हुए थे। ट्रेनों में लगाए गए बम आरडीएक्स, अमोनियम नाइट्रेट, फ्यूल ऑयल और कीलों से बनाए गए थे, जिसे सात प्रेशर कुकर में रखकर टाइमर के जरिए उड़ाया गया था।

बम धमाके की साजिश रची थी

उच्च न्यायालय का फैसला महाराष्ट्र एटीएस के लिए बड़ा झटका है। एजेंसी का दावा है कि आरोपी प्रतिबंधित छात्र संगठन सिमी के सदस्य थे और उन्होंने ही पाकिस्तान स्थित आतंकी सगंठन लश्कर ए तैयबा के सदस्यों के साथ मिलकर बम धमाके की साजिश रची थी।

मुंबई ट्रेन धमाके में हुई थी 189 लोगों की मौत

गौरतलब है कि 19 साल पहले 2006 के मुंबई ट्रेन ब्लास्ट में 189 लोगों की मौत हुई थी, वहीं 800 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। बॉम्बे हाईकोर्ट के फैसले के बाद इन धमाकों का कोई जिम्मेदार नहीं रह गया था। पूर्व में निचली अदालत ने 12 दोषियों में से पांच को मौत की सजा और सात को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी और मामले में एक व्यक्ति को बरी कर दिया गया था।

2006 में 13 आरोपी पकड़े गए थे, 5 को फांसी की सजा, एक बरी

एंटी टेररिज्म स्क्वैड ने 20 जुलाई 2006 से 3 अक्टूबर, 2006 के बीच आरोपियों को गिरफ्तार किया। उसी साल नवंबर में आरोपियों ने कोर्ट को लिखित में जानकारी दी कि उनसे जबरन इकबालिया बयान लिए गए। चार्जशीट में 30 आरोपी बनाए गए। इनमें से 13 की पहचान पाकिस्तानी नागरिकों के तौर पर हुई। करीब 9 साल तक केस चलने के बाद स्पेशल मकोका कोर्ट ने 11 सितंबर 2015 को फैसला सुनाया था। कोर्ट ने 13 आरोपियों में से 5 दोषियों को फांसी की सजा, 7 को उम्रकैद की सजा और एक आरोपी को बरी कर दिया था। 2016 में आरोपियों ने इस फैसले को बॉम्बे हाईकोर्ट में चुनौती दी और अपील दायर की। 2019 में बॉम्बे हाईकोर्ट ने अपीलों पर सुनवाई शुरू की। अदालत ने कहा कि इस मामले में विस्तृत दलीलें और रिकॉर्ड की समीक्षा की जाएगी। 2023 से 2024 तक हाईकोर्ट में मामला लंबित रहा, सुनवाई टुकड़ों में होती रही। 2025 में हाईकोर्ट ने सभी 12 आरोपियों को बरी किया।

नव युवक सभा ने एक पेड़ मां के नाम पौधरोपण किया

संत हिरदाराम नगर। नव युवक सभा द्वारा संचालित अनंदराम टी. शाहानी, के. टी. शाहानी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय एवं सिंधू माध्यमिक शाला के विद्यार्थियों द्वारा साधु वासवानी कॉलेज के प्रांगण में एक पेड़ मां के नाम वृक्षारोपण कराया गया एवं वृक्षों के महत्व को समझाया गया। इस अवसर पर स्कूल प्रबंध कारिणी समिति के अध्यक्ष वासुदेव वाधवानी, महासचिव राजेश हिंगोरानी, सचिव सुरेश राजपाल, कोषाध्यक्ष धर्म प्रकाश मोटवानी एवं पुरुषोत्तम टिलवानी, प्राचार्या ज्योति चौहान, हरिओम शर्मा, प्रधानाध्यापिका प्रिया धर्मदासानी एवं शिक्षक शिक्षिकाएं भी उपस्थित थे।

संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज में नए एनसीसी कैडेट्स के नामांकन हेतु फिटनेस टेस्ट

संत हिरदाराम नगर। संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज, भोपाल में आज नए एनसीसी कैडेट्स के नामांकन हेतु जॉइन एनसीसी ड्राइव के अंतर्गत फिटनेस टेस्ट का आयोजन किया गया। यह गतिविधि 1 एमपी नेवल यूनिट एनसीसी, भोपाल के सक्रिय सहयोग और पर्यवेक्षण में संपन्न हुई।इस अवसर पर पीआई स्टाफ पीओसीओएम प्रीतम सरकार एवं पीओ भानु प्रताप शर्मा उपस्थित रहे। उन्होंने छात्राओं का उत्साहवर्धन किया और युवाओं में अनुशासन व देशभक्ति को बढ़ावा देने के लिए सराहना की। फिटनेस टेस्ट में दौड़, पुश-अप्स, क्रंचेस, ड्रिल, पोस्चर मूल्यांकन एवं साक्षात्कार जैसी विभिन्न शारीरिक और व्यक्तित्व मूल्यांकन गतिविधियाँ सम्मिलित थीं। कॉलेज की प्राचार्या डॉ. डालिमा पारवानी ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि केवल वही छात्राएं एनसीसी में नामांकित की जाएंगी जो इच्छुक, अनुशासित एवं शारीरिक रूप से सक्षम हैं, ताकि भविष्य में उत्कृष्ट प्रदर्शन सुनिश्चित किया जा सके।

भूतेश्वर बाबा मंदिर में श्रावण मास में प्रतिदिन रुद्राभिषेक, सैकड़ों श्रद्धालु ले रहे पुण्य लाभ

बैरसिया। नगर के ऐतिहासिक एवं प्राचीन मंदिरों में शुमार श्री भूतेश्वर महादेव मंदिर में विगत कई वर्षों से श्रावण मास के दौरान प्रतिदिन रुद्राभिषेक का आयोजन किया जा रहा है। शिव श्रावण महोत्सव के अंतर्गत आयोजित इस धार्मिक अनुष्ठान में नगर के सैकड़ों यजमान परिवार प्रतिदिन सम्मिलित होकर भगवान भूतेश्वर महादेव का अभिषेक कर पुण्य लाभ अर्जित कर रहे हैं। आयोजन की विशेष बात यह है कि रुद्राभिषेक हेतु मंदिर समिति द्वारा सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ निःशुल्क की जाती हैं तथा किसी प्रकार का शुल्क नहीं लिया जाता। प्रतिदिन अलग-अलग द्रव्यों से भगवान भोलेनाथ का अभिषेक किया जाता है। श्रीमद्भागवत कथा आचार्य पंडित सुरेंद्र दुबे शास्त्री जी एवं पंडित सुदीप शर्मा के वेद मंत्रोच्चार के साथ श्रद्धालु भक्तगण रुद्राभिषेक कर भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। आचार्य पंडित सुरेंद्र दुबे शास्त्री जी ने बताया कि श्रावण मास में रुद्राभिषेक का विशेष महत्व बताया गया है। इससे पापों का नाश होता है और परिवार में सुख, समृद्धि एवं शांति बनी रहती है। भगवान शिव को प्रिय इस मास में अभिषेक कर भक्तजन वर्षभर आरोग्य और मंगल की कामना करते हैं। मंदिर समिति ने नगरवासियों से आह्वान किया है कि अधिक से अधिक संख्या में परिवार सहित आकर इस पवित्र आयोजन का लाभ उठाएँ और शिव कृपा के भागी बनें।

2 करोड़ की विकास राशि से संवरेगा न्यू मार्केट: विधायक सबनानी

आयोजित हुआ संरक्षण समिति का शपथ ग्रहण कार्यक्रम

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

न्यू मार्केट के हृदय स्थल श्री खेड़ापति हनुमान मंदिर के सामने टॉप एंड टाउन स्क्वेयर पर न्यू मार्केट व्यापार संरक्षण समिति की नवगठित कार्यकारिणी का पदभार एवं शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम क्षेत्रीय विधायक एवं भाजपा प्रदेश महामंत्री श्री भगवान दास सबनानी जी के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ माननीय विधायक जी ने न्यू मार्केट व्यापार संरक्षण समिति की 50 पदाधिकारियों वाली भारी भरकम टीम को एक साथ पद एवं समिति के प्रति निष्ठा की शपथ दिलवाई।

विधायक ने अपने उद्बोधन में सर्वप्रथम नवनिर्वाचित पदाधिकारीयों को बधाई दी एवं प्रमुख चार पदाधिकारी अध्यक्ष सतीश कुमार गंगराड़े उपाध्यक्ष प्रदीप कुमार गुप्ता उपाध्यक्ष अजय देवनानी एवं सचिव पुरुषोत्तम वरदानी को प्रमाण पत्र प्रदान किये , तत्पश्चात उन्होंने न्यू मार्केट के लिए सौगातो की झड़ी लगा दी, उन्होंने कहा कि न्यू मार्केट उनके क्षेत्र का ही नहीं बल्कि पूरे भोपाल का सर्व प्रमुख बाजार है इसीलिए इस न्यू मार्केट पर 2 करोड रुपए विकास एवं सौंदर्यकरण में खर्च किए जाएंगे। इस अवसर पर न्यू मार्केट व्यापार संरक्षण समिति के पदाधिकारी ने विधायक को एक मांग पत्र सौंपा। मांग पत्र में व्यापारी द्वारा की गई प्रमुख चारों मांगों पर विधायक श्री सबनानी जी ने सहमति जताई और अति शीघ्र इन चारों विषयों पर कार्य प्रारंभ करने की बात कही। उन्होंने कहा कि न्यू मार्केट में सभी नगर निगम के किराएदार दुकानदारों के अनुबंध जो अभी मात्र 3 साल के किया जा रहे थे अब सभी व्यापारियों के अनुबंध एक साथ 30 साल के किए जाएंगे, इस बात पर न्यू मार्केट के व्यापारियों ने तालिया की गड़गड़ाहट के साथ प्रसन्नता जाहिर की। इसके पश्चात विधायक ने न्यू मार्केट की सराउंडिंग रंगमहल चौराहे से लेकर डॉक्टर प्रसाद क्लिनिक तक पार्किंग प्रारंभ करवाने की बात कहीं।

एक और प्रमुख विषय न्यू मार्केट 2006 से नो व्हीकल जोन घोषित है किंतु इसका परिपालन ठीक से नहीं किया जा रहा है उन्होंने कहा कि नो-हॉकर्स जोन का परिपालन बहुत सख्ती से करवाया जाएगा, एवं यहां के हॉकर्स को स्मार्ट सिटी स्थित हाट बाजार में शिफ्ट किया जाएगा।

उन्होंने यह भी कहा कि एसबीआई के सामने गणेश चौक का सौंदर्य करण करवाया जाएगा एवं वहां से आने हेतु एक रास्ता प्रारंभ करवाया जाएगा ताकि समय पढ़ने पर एंबुलेंस और फायर ब्रिगेड जैसी आपदा प्रबंधन वाली गाड़ियां भी जल्दी से मौके पर पहुंच सके। विधायक की इन सभी बातों पर न्यू मार्केट के व्यापारियों ने तालियां बजाकर प्रसन्नता जाहिर की। इस अवसर पर भोपाल की महापौर मालती राय, भाजपा जिला अध्यक्ष रविंद्र यति, क्षेत्रीय पार्षद आरती अनेजा, भोपाल चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष तेजकुलपाल सिंह पाली भोपाल सराफा के अध्यक्ष सुशील धनवानी, भोपाल के वरिष्ठ व्यापारी एवं समाजसेवी गोविंद गोयल, खेड़ापति हनुमान मंदिर के ट्रस्टी गोपाल मेहता, अजय श्रीवास्तव जी राम रामबाबू शर्मा शाहिद बड़ी संख्या में भोपाल शहर के सभी व्यापारी संगठनों के प्रमुख उपस्थित थे। संपूर्ण कार्यक्रम का उत्कृष्ट संचालन अजय देवनानी ने किया। न्यू मार्केट के सैकड़ो व्यापारी भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

श्री अमर कथा ग्रंथ पढ़ने से मनुष्य जीवन का उद्धार संभव है: साईं मनीष लाल

संत हिरदाराम नगर। भगवान झूलेलाल के 26वें वंशज 1008 सूर्यवंशी ठकुर साईं मनीष लाल साहब का भोपाल आगमन हुआ। इस अवसर पर श्रद्धालुओं एवं पूज्य सिंधी समाज के विभिन्न प्रतिनिधियों द्वारा साईं का भव्य स्वागत किया गया। इसके बाद संत नगर मेन रोड़ स्थित श्री झूलेलाल चालीहा मंदिर में पूज्य बहिराणा साहिब का विशेष आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने अखा डालकर साईं से आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर साईं ने सभी को आशीर्वाद प्रदान करते हुए कहा कि भगवान झूलेलाल का ग्रंथ श्री अमर कथा हर व्यक्ति को अवश्य पढ़ना चाहिए। यह ग्रंथ हर घर में होना चाहिए, क्योंकि इसके पठन से मनुष्य जीवन का उद्धार संभव है। श्री अमर कथा के दर्शन मात्र से व्यक्ति के कष्टों का निवारण हो जाता है तथा घर में सुख-शांति का वास होता है। कार्यक्रम में भोपाल की विभिन्न पूज्य सिंधी पंचायतों के पदाधिकारी भी उपस्थित रहे। संत हिरदाराम नगर पूज्य सिंधी पंचायत के वरिष्ठ उपाध्यक्ष भारत आसवानी ने जानकारी देते हुए बताया कि साईं मनीष लाल साहब देशभर में चल रहे भगवान झूलेलाल चालीहा व्रत महोत्सव के अंतर्गत भोपाल प्रवास पर हैं। इस क्रम में वे भोपाल के विभिन्न झूलेलाल मंदिरों में आयोजित धार्मिक कार्यक्रमों में सम्मिलित हो रहे हैं।

सीसी रोड एवं नाली निर्माण के लिए सबनानी ने किया भूमि पूजन

भोपाल। दक्षिण-पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत वार्ड 27 कि बाल्मीकि बस्ती में भाजपा प्रदेश महामंत्री व विधायक भगवानदास सबनानी ने सीसी रोड एवं नाली निर्माण के लिए भूमि पूजन किया। अपने संबोधन में सबनानी ने कहा कि समाज की सेवा करना और मेरे पास आए हुए प्रत्येक व्यक्ति की मैं मदद कर सकूं, यही मेरी ईश्वर से प्रार्थना रहती है। समाज के हर वर्ग के लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ मिल सके, और वह उन योजनाओं से जुड़कर अपने स्तर में सुधार कर सके इसके लिए भारतीय जनता पार्टी की सरकार अनेको योजनाओं के द्वारा उन्हें लाभ पहुंचा रही है,भारतीय जनता पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता उन योजनाओं की जानकारी प्रत्येक हितग्राही को मिल सके इसके लिए उनके बीच जाकर ही काम करता है। बाबा साहब भीमराव अंबेडकर जी ने संविधान के द्वारा हम सभी को अनेकों अधिकार दिए हैं, और भारतीय जनता पार्टी की सरकारें उन अधिकारों की रक्षा करती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने डॉ.अम्बेडकर जी के जन्मस्थान महू की याद में ÷पंचतीर्थ÷ शब्द गढ़ा %जन्म भूमि, लंदन का वह स्थान जहां वे ब्रिटेन में पढ़ाई के दौरान रुके थे, नागपुर में दीक्षा भूमि, जहां उन्होंने बौद्ध धर्म अपनाया, दिल्ली में महापरिनिर्वाण स्थल और मुंबई में चैत्य भूमि। का निर्माण कर उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित की है। बाबा साहब के संविधान से ही देश चलता है। आज शिक्षा के क्षेत्र में भी भारत विश्व में अपनी अलग पहचान रखता है, सभी व्यक्ति शिक्षित हो और देश की बेहतरीन के लिए काम करें यही बाबा साहब का सपना था और उनका यह सपना आज पूरा हो रहा है। इस अवसर पर करुणाधाम मंडल अध्यक्ष मुकेश देहाड़े प्रतीक्षा संतोष ब्रह्मभट्ट वरिष्ठ नेता मुकेश राय नंदकिशोर तेलकर वार्ड संयोजक रामनेता सिंह वार्ड प्रभारी लीलाधर यादव विकास शर्मा राधा सिंगर रोहित जाधव गोविंद वर्मा अनीश खान सक्कू महावर विजेंद्र सराठे प्रीति जैन सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित रहे।

नवनिध स्कूल एनसीसी कैडेट्स की 26 छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया

संत हिरदाराम नगर। नवनिध हासोमल लखानी पब्लिक स्कूल की एनसीसी कैडेट्स ने हाल ही में उल्लेखनीय उपलब्धि प्राप्त करते हुए विद्यालय को गौरवान्वित किया है। विद्यालय की 26 छात्राओं ने 10 जुलाई से 19 जुलाई तक वैष्णवी इंस्टिट्यूट भोपाल में आयोजित 1 एमपी नेवल यूनिट एनसीसी के संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में सहभागिता की। इस शिविर में मध्यप्रदेश के विभिन्न विद्यालयों और महाविद्यालयों से लगभग 600 कैडेट्स ने भाग लिया। उनकी उपलब्धि पर उन्हें बधाई दी गई। छात्राओं ने शिविर के दौरान आयोजित गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए ओवरऑल चैंपियनशिप ट्रॉफी अपने नाम की। रस्साकशी, ग्रुप सॉन्ग, ग्रुप डांस, क्रिज़, फायरिंग, तैराकी, ड्राइंग और अन्य प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय की छात्राओं ने अपनी क्षमता, अनुशासन और नेतृत्व कौशल का परिचय दिया। विद्यालय की एनसीसी ऑफिसर नीतू कुशवाहा के मार्गदर्शन में छात्राओं ने शिविर के प्रत्येक चरण में अनुशासन और दृढ़ निष्ठा का परिचय दिया। विद्यालय प्रबंधन समिति के सचिव घनश्याम बूलचंदानी ने छात्राओं को उनकी इस उपलब्धि के लिए बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता विद्यालय की प्रतिबद्धता और छात्राओं के कठोर परिश्रम का परिणाम है। एनसीसी जैसी गतिविधियाँ युवा पीढ़ी को सशक्त, आत्मनिर्भर और देशभक्त नागरिक बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

भारतीय संस्कृति में प्रकृति-प्रेम और पर्यावरण-संरक्षण की चेतना का प्रतीक भी

हरियाली अमावस्या पर मुख्यमंत्री डॉ. ने किया पौधरोपण का आव्हान, इस दिन का है धार्मिक और पर्यावरणीय महत्व

सावन की हरियाली के बीच यह पर्व धार्मिक आस्था के साथ प्रकृति संरक्षण का प्रतीक भी है। ग्रामीण भारत में इसे वन महोत्सव के रूप में मनाए जाने की परंपरा रही है। आज के दिन पीपल, बरगद, और बेल जैसे पवित्र वृक्षों की पूजा और पौधारोपण होता है। खरीफ फसलों की बुआई के दौरान आज के दिन किसान अच्छे मानसून की प्रार्थना करते हैं।

आज हरियाली अमावस्या है। श्रावण मास की अमावस्या को मनाई जाने वाली हरियाली अमावस्या न सिर्फ धार्मिक आस्था और सामाजिक उल्लास का पर्व है..बल्कि यह भारतीय संस्कृति में प्रकृति-प्रेम और पर्यावरण-संरक्षण की चेतना का प्रतीक भी है।

सीएम डॉ. मोहन यादव ने आज के दिन की शुभकामनाएं देते हुए सभी से पौधारोपण का आह्वान किया है। उन्होंने कहा है कि 'भगवान शंकरजी की अराधना एवं प्रकृति के संरक्षण के पर्व हरियाली अमावस्या की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। भगवान भोलेनाथ जी एवं माता पार्वती जी की कृपा बनी रहे, सभी की कामनाएं पूरी हों, यही प्रार्थना है। पावन पर्व पर हम एक पौधा अवश्य रोपित करें, जिससे धरा हमेशा हरी-भरी बनी रहे।'

हरियाली अमावस्या- प्रकृति से जुड़ा पर्व: हरियाली अमावस्या..जैसा की नाम से ही समझ आता है एक प्रकृति-पर्व है। सावन के महीने में मानसून के मध्य जब धरती हरियाली से आच्छादित हो जाती है..उस समय ये पर्व आता है। धार्मिक आस्था के साथ इस दिन वृक्षारोपण, जल संरक्षण और प्राकृतिक संतुलन को बनाए रखने की परंपरा सदियों पुरानी है। ग्रामीण भारत में इसे वन महोत्सव के रूप में भी मनाया जाता है। राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश और उत्तर भारत के कई हिस्सों में इस दिन विशेष रूप से पेड़ लगाए जाते हैं। हरियाली अमावस्या के समय ही किसान खरीफ की फसलें जैसे धान, ज्वार और बाजरा बोते हैं। इसलिए यह समय किसानों के लिए बहुत खास होता है। अच्छी बारिश और अच्छे मौसम की प्रार्थना के लिए इस दिन लोग पूजा-पाठ करते हैं। हरियाली अमावस्या पर पीपल, बरगद और बेलपत्र जैसे वृक्षों की पूजा कर उन्हे जल अर्पित करने की परंपरा रही है। आज के दिन वृक्षारोपण को धर्म और पर्यावरण संरक्षण दोनों दृष्टि से पुण्यदायी माना जाता है।

श्रावण मास को भगवान शिव का प्रिय महीना माना जाता है। हरियाली अमावस्या के दिन भोलेनाथ और माता पार्वती की पूजा का विशेष महत्व है। इस दिन शिवलिंग पर बेलपत्र, धतूरा, दूध, दही, शहद और गंगाजल अर्पित करके रुद्राभिषेक किया जाता है। श्रद्धालु ÷? नमः शिवाय÷ मंत्र का जाप करते हुए शिवशंकर से सुख-समृद्धि और मुक्ति की कामना करते हैं। आज माता पार्वती की पूजा का भी विशेष महत्व है। महिलाएं इस दिन सुहाग की सामग्री मां पार्वती को अर्पित करती हैं और वैवाहिक सुख की कामना करती हैं। हरियाली अमावस्या पर पितृ तर्पण और श्राद्ध कर्म करने की परंपरा भी है। मान्यता है कि इस दिन पूर्वजों को तिल, जल और पिंडदान अर्पित करने से उनकी आत्मा को शांति मिलती है और पितृ दोष से मुक्ति मिलती है।

फिर विवादों में विधायक निर्मला सप्रे, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने किया तलब, पहले सीएम से मिली

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

बीना से कांग्रेस विधायक निर्मला सप्रे एक बार फिर से विवादों में हैं। बुधवार को उन्हें स्थानीय भाजपा कार्यकर्ताओं की शिकायत के बाद प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने भोपाल तलब किया। लेकिन, जानकारी के मुताबिक, खंडेलवाल से मुलाकात से पहले, सप्रे ने सीएम हाउस पहुंचकर मुख्यमंत्री मोहन यादव से मुलाकात की और अपनी सफाई दी।

सीएम हाउस पहुंचने पर, सप्रे ने मुख्यमंत्री को अपने खिलाफ की जा रही शिकायतों और आरोपों पर अपनी स्थिति स्पष्ट की। बीना के भाजपा कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया था कि विधायक सप्रे ने उनके क्षेत्र में अतिक्रमण पर ध्यान नहीं दिया और उसके बाद एक युवक को धमकाया भी। यह सब तब हुआ जब एक युवक, हरकिशन सेन ने सप्रे के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें सप्रे ने उसे धमकाया था। सप्रे के खिलाफ शिकायत में कहा गया कि उन्होंने कई बार सागर जिले के खिमलासा और आसपास के गांवों में चरागाह भूमि को अतिक्रमण मुक्त करने के लिए ज्ञापन दिया था, लेकिन प्रशासन ने कोई कदम नहीं उठाया। इसके बाद, विधायक सप्रे ने शिकायत करने वाले युवक

को कॉल कर धमकाया था। इस कॉल की रिकॉर्डिंग सोशल मीडिया पर वायरल हो गई, जिसने मामले को और गरम कर दिया।

पूर्व विधायक महेश राय भी पहुंचे खंडेलवाल से मिलने: वहीं, पूर्व विधायक महेश राय ने भी अपने समर्थकों के साथ प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल से मुलाकात की। राय ने इस मामले में सप्रे के खिलाफ खंडेलवाल से कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने बताया कि सप्रे के कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए कार्यों से बीना में असंतोष बढ़ रहा है।

शॉर्ट में समझें कांग्रेस विधायक निर्मला सप्रे का पूरा मामला: बीना विधायक निर्मला सप्रे का विवाद- बीना विधायक निर्मला सप्रे को भाजपा कार्यकर्ताओं की शिकायत के बाद प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने भोपाल तलब किया, लेकिन सप्रे ने पहले सीएम हाउस जाकर मुख्यमंत्री से अपनी सफाई दी।

आधिकारिक शिकायत और वायरल ऑडियो- भाजपा कार्यकर्ताओं ने सप्रे पर आरोप लगाया कि उन्होंने खिमलासा और आसपास के गांवों में अतिक्रमण मुक्त भूमि पर ध्यान नहीं दिया और एक युवक को धमकाया। युवक का ऑडियो वायरल हुआ, जिसमें सप्रे ने उसे धमकाया था।

शिकायत की गंभीरता और भविष्य की कार्रवाई

यह विवाद अब सागर जिले में राजनीतिक बयानबाजी और आरोप-प्रत्यारोप का कारण बन सकता है। सप्रे के खिलाफ उठाए गए कदमों का असर पार्टी और स्थानीय चुनावों पर पड़ सकता है। भाजपा नेतृत्व के लिए यह एक बड़ी चुनौती होगी कि वह इस मुद्दे पर किस तरह का कदम उठाते हैं।

निर्मला सप्रे पर लगे थे ये गंभीर आरोप

खिमलासा गांव के निवासी हरकिशन सेन ने विधायक सप्रे के खिलाफ लिखित शिकायत दी है। उसने आरोप लगाया था कि सप्रे ने उसे फोन पर गालियां दीं और धमकाया। यह शिकायत इंदौर के परदेशीपुरा थाने में दी गई है। हरकिशन ने बताया कि वह पिछले सात-आठ साल से इंदौर में रहकर अपने जीजा के मेंस पार्लर में काम करते हैं। साथ ही गौ-सेवा से भी जुड़े हैं और पूर्व में बजरंग दल के संयोजक रह चुके हैं।

गोचर जमीन को लेकर कर रहे थे आंदोलन

हरकिशन का दावा है कि वह लगातार गोचर भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने की मांग कर रहे हैं। अब तक उन्होंने प्रशासन को 111 ज्ञापन सौंपे, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। हाल ही में उन्होंने मगरधा गांव में गोचर जमीन को लेकर सोशल मीडिया पर एक पोस्ट की थी।

फेसबुक पोस्ट के बाद विधायक का कॉल

हरकिशन का आरोप है कि फेसबुक पोस्ट के बाद 4 जुलाई को दोपहर 1:20 बजे विधायक निर्मला सप्रे ने उन्हें फोन किया। फोन पर सप्रे ने गाली-गलौज करते हुए धमकी दी। शिकायतकर्ता ने बताया कि कॉल में विधायक ने कहा, इंदौर आऊंगी और तुम्हें जूते मारूंगी। फालतू बकवास बंद करो।

सप्रे को लेकर बीजेपी और कांग्रेस में ये चल रहा

सागर की बीना सीट से विधायक सप्रे पर कांग्रेस के आरोप हैं कि बीजेपी की सदस्यता ग्रहण करने के बाद भी पार्टी से विधायक हैं। उन्होंने विधानसभा से इस्तीफा नहीं दिया है। वहीं सप्रे स्पीकर को ये पत्र दे चुकी हैं कि बीजेपी ज्वाइन नहीं की लेकिन कांग्रेस से मोहभंग हो चुका है। पूर्व बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा कह चुके हैं कि उन्होंने बीजेपी ज्वाइन नहीं की लेकिन आना चाहती है तो स्वागत है। वहीं कांग्रेस कह रही है कि उन्हें इस्तीफा देकर रावत की तरह उपचुनाव लड़ना चाहिए। वह अब कांग्रेस से विधायक नहीं रह सकती है, उन्होंने दल बदल किया है।

शिव तत्व विचार

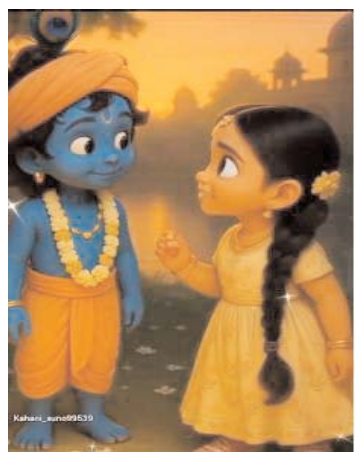

प्रेम की वास्तविक परिभाषा हमें भगवान शिव से सीखनी चाहिए।दुनिया वाले भी प्रेम करते हैं पर केवल उस वस्तु को जो उनके उपयोग की हो। अनुपयोगी अथवा बिना कारण किसी से यदि कोई प्रेम करता है तो वो भगवान शिव ही हैं इसलिए वो भूतभावन भी कहलाते हैं। भूत-प्रेतों से प्रेम करना अर्थात समाज में उन लोगों से भी प्रेम करना जो समाज द्वारा तिरस्कृत हों, समाज की नजरों में उपेक्षित हों। भोलेनाथ जी का अपनत्व उनके लिए भी है, जो समाज की दृष्टि में अनुपयोगी बन चुके हों। भूत-भावन भगवान शिव से हमें यह प्रेरणा लेनी चाहिए कि समाज का चाहे कोई भी वर्ग अथवा चाहे कोई भी व्यक्ति क्यों न हो यदि आप उन्हें ज्यादा कुछ न दे सको तो कोई बात नहीं, कम से कम थोड़ा सा अपनत्व अवश्य दे दिया करो। प्राणीमात्र के प्रति प्रेम, सम्मान अथवा अपनत्व की भावना ही शिवत्व की अवधारणा है।

रडीएसएस के तहत पश्चिम क्षेत्र का 77वां बिजली ग्रिड ऊर्जीकृत

भोपाल। शासन की महत्वपूर्ण रिवेम्प्ड डिस्ट्रिब्यूशन सेक्टर के अंतर्गत पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी क्षेत्र का 77वां बिजली ग्रिड आगर जिले के सुसनेर तहसील के सालरिया ग्राम में ऊर्जीकृत हुआ है। सालरिया में 3.10 करोड़ रूपए की लागत से बने 33/11 केवी के 5 एमवीए क्षमता के नये ग्रिड की सौगात मिलने पर ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने ग्रामीणों को बधाई दी है। मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर के प्रबंध निदेशक श्री अनूप कुमार सिंह ने बताया कि सालरिया का बिजली ग्रिड आगर जिले का तीसरा, उज्जैन संभाग के 37वां और पश्चिम क्षेत्र का 77वां बिजली ग्रिड हैं। प्रबंध निदेशक ने बताया कि आरडीएसएस अंतर्गत मालवा निमाड़ क्षेत्र में बने इन 77 ग्रिडों से पश्चिम क्षेत्र कंपनी की बिजली वितरण क्षमता में 385 एमवीए की बढ़ोत्तरी हुई हैं। आरडीएसएस के नये ग्रिडों से औद्योगिक क्षेत्र, शहरी क्षेत्र, ग्रामीण क्षेत्र, कृषि क्षेत्र के लाखों उपभोक्ताओं को पहले की तुलना में ज्यादा गुणवत्ता के साथ बिजली प्रदाय की जा रही है। इन ग्रिडों का निर्माण आगामी दस वर्षों की विद्युत आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर किया गया है।

मप्र सकल तैलिक साहू राठौर महासंगठन ने तेलघानी बोर्ड अध्यक्ष पर लगाए आरोप

भोपाल। म प्र सकल तैलिक साहू राठौर महासंगठन भोपाल द्वारा 18 जुलाई को बैठक कर सर्व सम्मति से प्रस्ताव पारित किया गया। जिसमें मध्यप्रदेश सरकार द्वारा गठित किए गए तेल घानी बोर्ड के अध्यक्ष रवि करण साहू द्वारा नियुक्ति 18 जुलाई तक तैलिक वंश के हित में कोई कार्य नहीं किए गए. किसी को कोई रोजगार नहीं मिला है उनके द्वारा स्वहित में कैबिनेट मंत्री के दर्जा को मनोरंजन भ्रमण एवं समाज की राशि से स्वागत सम्मान के रूप में दुरुपयोग किया जा रहा है समाज को कोई लाभ नहीं मिला है इनकी कार्य पद्धति से मध्य प्रदेश के महा संगठन के समस्त सामाजिक संगठन असंतुष्ट हैं तेल घानी बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में रवि करण साहू द्वारा भ्रष्टाचार अपनाते हुए मध्य प्रदेश की प्रत्येक विधानसभा में विधि विरुद्ध आज असंवैधानिक तरीके से नियुक्तियां स्वहित में लाभ प्राप्त करने के उद्देश्य से की जा रही है और भविष्य में जिला प्रभारी और लोकसभा प्रभारी की नियुक्तियां भी किए जाने की योजना का षड्यंत्र रचा जा रहा है विधि विरुद्ध उक्त कार्रवाई का महा संगठन विरोध करता है महा संगठन ने यह निर्णय लिया है की तेलघानी बोर्ड के अध्यक्ष श्री रवीकरण साहू द्वारा किए जा रहे पद के दुरुपयोग वाली नीति एवं समाजहित में कोई कार्य नहीं किए जाने के संबंध में मुख्यमंत्री मोहन यादव, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल एवं तकनीकी शिक्षा कौशल विकास एवं रोजगार विभाग वल्लभ भवन भोपाल को ज्ञापन पत्र देकर शीघ्र ही अवगत कराया जाएगा।

होम्योपैथिक चिकित्सा महाविद्यालय को दो और विषयों में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम की मिली अनुमति

भोपाल। शासकीय होम्योपैथिक चिकित्सा महाविद्यालय एवं चिकित्सालय भोपाल को केंद्रीय आयुष मंत्रालय ने दो विषयों डर्मेटोलॉजी एवं कम्युनिटी मेडिसिन में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम संचालन की अनुमति प्रदान की है। ज्ञातव्य है कि इससे पहले शासकीय होम्योपैथिक चिकित्सा महाविद्यालय एवं चिकित्सालय में 7 विषयों में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम संचालित हैं। महाविद्यालय में प्रैक्टिस ऑफ मेडिसिन, पेडियाट्रिक, सायकियाट्री, फार्मेसी, मटेरिया मेडिका, आर्गेनन ऑफ मेडिसिन एवं रिपर्टरी में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम पूर्व से संचालित हैं। शिक्षण सत्र 2025-26 से त्वचा रोग (डर्मेटोलॉजी) एवं कम्युनिटी मेडिसिन विषयों में भी स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम संचालित होंगे।

कम खर्च में ज्यादा फायदा देने वाले फलदार और छायादार पौधों का करें रोपण: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने की एक पेड़ मां के नाम अभियान की समीक्षा

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि किसान हो या आमजन, खरीदकर पौधे लगाने और उन्हें बड़ा करने में लागत अधिक आती है, इसलिए सबको नर्सरी और बगीचा लगाने के लिए प्रेरित तो करें, परंतु उन्हें पौधे उद्यानिकी विभाग उपलब्ध कराये। कम खर्च में ज्यादा फायदा देने वाले फलदार और छायादार पौधों का बहुतायत में रोपण कराया जाये। पौधरोपण के कार्य में निजी सेक्टर और किसानों को भी जोड़ा जाये। अधिक लाभ देने वाली पौध प्रजाति का चयन किया जाये, जिससे भविष्य में इनकी मांग के अनुरूप आपूर्ति (पौध उत्पादन) भी तैयार की जा सके। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में एक पेड़ मां के नाम अभियान की बैठक में समीक्षा कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के किसानों और निजी क्षेत्रों को भी एक पेड़ मां के नाम अभियान से जोड़ा जाए। सभी विभाग लक्ष्य की पूर्ति के लिए पौधरोपण में तेजी लाएं और रोपे गए पौधों की मॉनिटरिंग भी बेहतर तरीके से करें। उद्यानिकी विभाग किसानों को फलदार वृक्ष लगाने के लिए प्रेरित करे, जिससे निकट भविष्य में फलों को बेचकर उनकी आय में वृद्धि हो सके। एक बगिया मां के नाम के माध्यम से राज्य सरकार स्व-सहायता समूहों की महिलाओं की आय बढ़ाने के लिए भी संकल्पित है। फलों की बगिया विकसित करने के लिए उन्हें तीन साल तक आर्थिक मदद दी जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर प्रदेशभर में गत 5 जून से एक पेड़ मां के नाम अभियान चलाया जा रहा है, जो 30 सितंबर तक चलेगा। प्रमुख सचिव पर्यावरण ने बताया कि विश्व पर्यावरण दिवस से प्रारंभ एक पेड़ मां के नाम अभियान की मॉनीटरिंग के लिए मेरी लाइफ पोर्टल तैयार किया गया है। गत 5 जून से अब तक प्रदेश के विभिन्न विभागों और जिलों में करीब 5 करोड़ 54 लाख से अधिक पौधरोपण कर पोर्टल पर दर्ज कर दिया गया है। इस अभियान में अकेले वन विभाग ने ही वर्ष 2025-26 में 3.40 करोड़ पौधे लगाने का

लक्ष्य रखा था। इस लक्ष्य के विरूद्ध 22 जुलाई तक 5 करोड़ 38 लाख से अधिक पौधों का रोपण कर दिया गया है। कुल पौधरोपण की 95 प्रतिशत से अधिक उपलब्धि वन विभाग ने हासिल की है। वन विभाग ने व्यापक कार्ययोजना तैयार की थी, जिसमें पौधरोपण क्षेत्रों को अभियान से जोड़ने, शासन के निर्देशानुसार पौधरोपण की तैयारियां, संयुक्त वन प्रबंधन समितियों की सक्रिय भागीदारी, प्लांटेशन मॉनिटरिंग सिस्टम से पौधों की निगरानी और ÷मेरी लाइफ÷ पोर्टल पर पौधरोपण की नियमित जानकारी अपलोड करना भी शामिल है।

एक पेड़ मां के नाम अभियान में उच्च शिक्षा विभाग ने 1.60 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य रखा है। अब तक प्रदेश के सभी शासकीय विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालय परिसरों में 1 लाख से अधिक देशी फलदार पौधे लगाए जा चुके हैं। इसी प्रकार नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने 1 करोड़ पौधरोपण का लक्ष्य रखा है। लक्ष्य के विरूद्ध प्रदेश के सभी नगरीय निकायों में 4.15 लाख छायादार और औषधीय पौधे लगाए जा चुके हैं। यह अभियान नगरीय क्षेत्र में अर्बन फॉरेस्ट (ग्रीन कवर) तैयार करने में बेहद सहायक सिद्ध होगा। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने बड़े पैमाने पर स्व-सहायता समूह की महिलाओं को पौधरोपण अभियान से जोड़ा है। अब तक 7 हजार से अधिक महिलाओं को पौधरोपण स्थल का भ्रमण कराया गया है। विभाग की योजना रोपित किए गए सभी पौधों के रख-रखाव की जिम्मेदारी महिला स्व-सहायता समूहों को सौंपने की है।

करीब 50 हजार पौधे रोजाना लगा रहा स्कूल शिक्षा विभाग

अभियान के तहत स्कूल शिक्षा विभाग ने 86 लाख 27 हजार से अधिक पौधरोपण का लक्ष्य तय किया है। प्रदेश के सभी स्कूलों और खुले मैदान में अब तक 5 लाख 37 हजार 625 आम, अमरूद, नीम, पीपल, बरगद, सागौन एवं शीशम जैसे फलदार एवं छायादार पौधे लगाए जा चुके हैं। बैठक में स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव डॉ. संजय गोयल ने बताया कि विभाग ने स्कूली बच्चों को इस अभियान से सक्रियता से जोड़ा है। विभाग प्रतिदिन बच्चों से पौधरोपण कराकर बच्चों की माता के साथ फोटो खिंचवाकर इन्हें मेरी लाइफ पोर्टल पर दर्ज कर रहा है।

उद्यानिकी विभाग ने लगाए 9.34 लाख से अधिक पौधे

उद्यानिकी विभाग ने 4862 हेक्टेयर क्षेत्र में 21 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य रखा है। प्रदेशभर में खेत, नदियों से सटे क्षेत्र तथा जलाशयों व नालों के आसपास अब तक 9.34 लाख से अधिक पौधरोपण किया जा चुका है। इनमें आम, अमरूद, संतरा, नीबू जैसे विभिन्न फलदार पौधे शामिल हैं। इसी प्रकार पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने 15 अगस्त से 15 सितंबर तक प्रदेश में ÷एक बगिया मां के नाम÷ अभियान प्रारंभ कर पौधरोपण का लक्ष्य हासिल करने की योजना बनाई है।

प्रदेश की जेलों को आधुनिक बनाना राज्य सरकार की प्राथमिकता: पटेल

लोक स्वास्थ्य राज्यमंत्री ने कान्हा एम्पोरियम के जीर्णोधार कार्य का किया लोकार्पण

भोपाल। लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेन्द्र शिवाजी पटेल ने कहा है कि प्रदेश की जेलों को सुधारात्मक सेवाओं की दृष्टि से आधुनिक व मानवीय बनाना राज्य सरकार की प्राथमिकताओं में है। बंदियों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ना, उनके मानसिक, शारीरिक व आध्यात्मिक विकास के लिए कार्य करना, प्रशासन की जिम्मेदारी है। राज्य मंत्री श्री पटेल जेल मुख्यालय में बुधवार को आयोजित राज्य स्तरीय सुधार समिति की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में महानिदेशक जेल श्री गोविन्द प्रताप सिंह, विशेष महानिदेशक जेल श्री जी. अखेतो सेमा सहित वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे।

राज्य मंत्री श्री पटेल ने जेल मुख्यालय के राज्य स्तरीय कंट्रोल रूम का निरीक्षण कर इंदौर, जबलपुर, भोपाल, उज्जैन आदि जेलों की कनेक्टिविटी की सराहना की। उन्होंने जेलों में उत्पादित वस्तुओं के विक्रय केंद्र कान्हा एम्पोरियम के जीर्णोधार कार्य का लोकार्पण किया और नवाचार की सराहना की। बैठक में जेल विभाग की कार्यप्रणाली, उपलब्धियों, चुनौतियों व योजनाओं की विस्तृत जानकारी राज्य मंत्री श्री पटेल को दी गई। राज्य मंत्री श्री पटेल ने जेल विभाग की समस्याओं के शीघ्र निराकरण का आश्वासन दिया। राज्य मंत्री श्री पटेल ने सुझाव दिया कि जेलों में रामकृष्ण मिशन की पुस्तकें, विवेकानंद साहित्य उपलब्ध कराया जाए एवं ई-लायब्रेरी भी स्थापित की जाए। उन्होंने मानसिक स्वास्थ्य सुधार हेतु मनोचिकित्सक की नियुक्ति का आश्वासन भी दिया। महानिदेशक जेल सिंह ने नई रिहाई नीति, समय पूर्व रिहाई तथा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 473 के तहत बनाई गई नीति की जानकारी दी। इसके अंतर्गत अब तक वर्ष 2024-25 में चार अवसरों पर कुल 471 बंदियों को रिहा किया गया है। गरीब बंदी सहायता योजना की जानकारी देते हुए बताया गया कि आर्थिक रूप से कमजोर बंदियों को 25 हजार रुपये तक की जुर्माना राशि एवं 40 हजार रुपये तक की जमानत राशि जिला समिति की अनुशंसा पर राज्य सरकार द्वारा वहन की जाती है। अब तक 31 बंदियों को कुल 6.43 लाख रुपये की सहायता दी जा चुकी है। इस योजना के क्रियान्वयन में मध्यप्रदेश पूरे देश में प्रथम स्थान पर है। बजट वर्ष 2024-25 में इस हेतु पाँच करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

बंदियों के पुनर्वास व सामाजिक एकीकरण के लिए प्रदेश में 8 खुली जेलें संचालित हैं तथा बैतूल, दमोह, रतलाम व सागर में 20-20 बंदियों की क्षमता वाली नई खुली जेलें प्रस्तावित हैं। बंदियों को रोजगार, पारिवारिक भरण-पोषण एवं सामाजिक उत्तरदायित्व से जोड़ने का यह अभिनव प्रयास है। मध्यप्रदेश सुधारात्मक सेवाएं एवं बंदीगृह विधेयक 2024÷ ने पुराने अधिनियमों का स्थान लिया है, जो जेल सुधार की दिशा में बड़ी उपलब्धि है। बुरहानपुर में नई जेल तथा गैरतगंज जेल प्रारंभ करने की भी जानकारी दी गई। मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव के निर्देशानुसार उज्जैन केंद्रीय जेल में 81 आवासों हेतु 19.19 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं।

प्रदेश में इंग्लिश भाषा के शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया जायेगा

भोपाल। प्रदेश के सरकारी स्कूलों में इंग्लिश भाषा के शिक्षकों के प्रशिक्षण दिया जायेगा। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा इसकी विशेष व्यवस्था की जा रही है। प्रशिक्षण के लिये भोपाल में एक राज्य स्तरीय शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान इंग्लिश लर्निंग ट्रेनिंग इन्स्टीट्यूट (ईएलटीआई) कार्यरत है। यह संस्थान राज्य के समस्त शासकीय, प्राथमिक, माध्यमिक, उच्च और उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के शिक्षण संस्थानों में इंग्लिश भाषा संबंधी अकादमिक और प्रशिक्षण के क्षेत्र में मार्गदर्शन एवं सहयोग कर रहा है। ईएलटीआई संस्थान इंग्लिश भाषा अध्यापन क्षेत्र में सतत उन्नयन एवं स्तरीकरण के लिये हैदराबाद के इंग्लिश एवं विदेशी भाषा विश्वविद्यालय (ईएफएलयू) से सहयोग प्राप्त कर रहा है। स्कूल शिक्षा विभाग ने प्रदेश के सरकारी सकूलों में इंग्लिश भाषा पढ़ाने वाले शिक्षकों के प्रशिक्षण पर विशेष जोर दिया है। प्रशिक्षण के लिये ईएलटीआई ने शिक्षण सत्र के लिये कैलेंडर तैयार किया है। संस्थान इंग्लिश भाषा के मूल्यांकन के लिये विभिन्न स्तरों के प्रश्न-पत्रों के निर्माण और अन्य विषय के प्रश्न-पत्रों के अनुवाद कार्य में भी सहयोग कर रहा है। इंग्लिश भाषा के शिक्षकों को प्रदेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों से जुड़े डिप्लोमा कोर्स कराने के लिये उनकी चयन प्रक्रिया में भी सहयोग कर रहा है। प्रदेश के ग्रामीण एवं आदिवासी अंचलों में कार्यरत शिक्षकों के लिये प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजन में संस्थान विशेष ध्यान दे रहा है। संस्थान समय-समय पर विभिन्न शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों की प्रभावशीलता के आकलन एवं मूल्यांकन के कार्यों को भी सतत रूप से कर रहा है।

एफएनएचडब्ल्यू रीजनल वर्कशॉप रांची में मध्यप्रदेश आजीविका मिशन के नवाचारों की सराहना

मध्यप्रदेश की विभिन्न पुस्तिकाओं का विमोचन

भोपाल। केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा रांची में एफएनएचडब्ल्यू के अंतर्गत 14 राज्यों की क्षेत्रीय कार्यशाला आयोजित की गयी। कार्यशाला में मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती हर्षिता सिंह ने मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत स्व-सहायता समूहों के माध्यम से एफएनएचडब्ल्यू अंतर्गत खाद्य, पोषण, स्वास्थ्य और स्वच्छता से संबंधित योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करने के लिये किये जा रहे नवाचार और विशेष प्रयासों का प्रस्तुतिकरण दिया। केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय में संयुक्त सचिव श्रीमती स्मृति शरण ने मध्यप्रदेश में किये जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए अन्य राज्यों को भी इन्हें अपनाने का सुझाव दिया। उन्होंने मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा किये गये नवाचार जिनमें स्वास्थ्य चार्ट, साप्ताहिक पोषण मैन्यू चार्ट, स्वास्थ्य पोषण पुस्तिका एवं पोषण टूल किट, तीनों प्रकार के कैन्सर ओरल, ब्रैस्ट एवं सर्वाइकल पर जागरूकता के लिये बुकलेट का विमोचन किया। मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत प्रशिक्षणों में आने वाले हितग्राहियों तथा समूहों के माध्यम से ग्रामीण वंचित वर्ग के परिवारों के स्वास्थ्य, पोषण एवं स्वच्छता को ध्यान में रख कर विशेष प्रयास किये जा रहे हैं। इसी क्रम में मध्यप्रदेश में राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत दीनदयाल उपध्याय ग्रामीण कौशल योजना (डीडीयूजीकेवाय) एवं ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थानों अंतर्गत प्रशिक्षणों को जेण्डर एवं एफएनएचडब्ल्यू उन्मुखी बनाने के लिये समस्त प्रशिक्षणों में स्वास्थ्य जांच, मासिक धर्म स्वच्छता पर जागरूकता, पौष्टिक आहार का महत्व एवं साप्ताहिक पोषण मैन्यू चार्ट एवं स्वास्थ्य पोषण पुस्तिका भी तैयार की गई है। मध्यप्रदेश में समुदाय-मातृ एवं शिशु कल्याण के लिये एक समुदाय आधारित पहल की गई है जिसके अंतर्गत संस्थागत प्रसव, एनीमिया, सिकलसेल एनीमिया, कुपोषण एवं मासिक धर्म स्वच्छता पर इमर्शन साईट विकास खण्ड के मॉडल सीएलएफ में जागरूकता कार्य के प्रभावों के आंकलन के लिये पोषण टूल किट तैयार की गई है।

मुख्य सचिव के निर्देश, सड़क दुर्घटना से होने वाली मृत्यु से लोगों को बचाने मिशन मोड में करें

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

सड़क दुर्घटना पीड़ितों का नकदी रहित उपचार स्कीम, 2025 एवं राह-वीर योजना के प्रदेश में क्रियान्वयन के लिए विभिन्न विभागों द्वारा की जाने वाली कार्यवाही की मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन ने मंत्रालय में एक बैठक में बुधवार को समीक्षा की।

मुख्य सचिव श्री जैन ने कहा कि सड़क दुर्घटना में घायल लोगों को गोल्डन ऑवर मे इलाज मिल सके, इसके लिए संबंधित-विभाग मिलकर मिशन मोड में कार्य करें। दुर्घटना से होने वाली मृत्यु से लोगों को बचाने के सभी संभव प्रयास किये जाने चाहिये। संभावित दुर्घटना स्थलों को चिन्हांकित कर दुर्घटना के कारणों को दूर किया जाना चाहिये। सड़क सुरक्षा को मजबूत करने तथा नागरिकों को जागरूक करने का कार्य किया जाये।

उन्होंने कहा कि सभी जिलों में एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाये और परिवहन, स्वास्थ्य एवं लोक निर्माण विभाग मिलकर संयुक्त रूप से कार्य करें। ऐसा सिस्टम विकसित किया जाए कि नियत समय में कार्य हो सके। उन्होंने विभागों में बेहतर समन्वय तथा योजनाओं से संबंधित सभी-विभागों के अधिकारियों-कर्मचारियों को प्रशिक्षित किए जाने के भी निर्देश दिए हैं।बैठक में योजना के क्रियान्यन के लिए विभागों के दायित्वों का निर्धारण करने के साथ सुझाव भी लिये गये। अपर मुख्य सचिव श्री जे.एन.कंसोटिया, श्री संजय कुमार शुक्ल, सचिव परिवहन श्री मनीष सिंह, परिवहन आयुक्त तथा लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, आयुष्मान भारत एवं पुलिस मुख्यालय के अधिकारी भी बैठक में उपस्थित थे।

संपादकीय

एयरलाइंस अपनी प्राथमिकताएं तय करें

हाल के दिनों में हवाई उड़ान को लेकर तमाम ऐसी खबरें अखबारों की सुर्खियां बनती रही हैं कि जिससे आम लोगों के मन में हवाई यात्रा को लेकर असुरक्षा बोध पनपा है। यह स्वाभाविक है क्योंकि हवाई यात्रा के साथ तमाम तरह के जोखिम जुड़े हैं। गत बारह जून को अहमदाबाद में हुए एयर इंडिया के भयावह विमान हादसे के बाद, जिसमें 260 लोग मारे गए थे, भारत का नागरिक उड्डयन क्षेत्र गहन जांच के घेरे में है। यद्यपि प्रारंभिक जांच रिपोर्ट में कई तरह की व्याख्याएं और निष्कर्ष सामने आ रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद आम धारणा यही है कि भारत की हवाई यात्रा व्यवस्था में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। हाल ही में हुए एक राष्ट्रव्यापी ऑनलाइन सर्वेक्षण में लगभग 76 प्रतिशत उत्तरदाताओं का मानना है कि भारत में कई एयरलाइनें यात्रियों की सुरक्षा की तुलना में प्रचार पर ज्यादा धन खर्च कर रही हैं। निस्संदेह यह गलत प्राथमिकताओं का एक ज्वलंत प्रसंग है, जो यही दर्शाता है कि हवाई यातायात व्यवस्था को पारदर्शी व जवाबदेह बनाने की सख्त जरूरत है। यह भी कि यात्रियों की सुरक्षा और कुशल हवाई संचालन में किसी चूक के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति सख्ती से अपनाई जानी चाहिए। निस्संदेह इस बाबत सख्त कार्रवाई कुशल व सुरक्षित हवाई यातायात का मार्ग सुनिश्चित करेगी। विडंबना यह है कि हमने विगत के हवाई हादसों से कोई गंभीर सबक नहीं सीखे। 'सब चलता है' की नीतियां ही क्रियान्वित होती रही हैं। एक के बाद एक हादसों के लिए जांच आयोग तो कई बैठे, लेकिन सुधार के प्रयास तार्किक परिणति तक नहीं पहुंचे। हमारी राजनीतिक अक्षमताएं और निगरानी करने वाले संस्थानों में राजनीतिक हस्तक्षेप से अनुभवहीन लोगों को बैठाना भी हवाई परिचालन में अव्यवस्था का सबब बना। जिसके चलते हमारी हवाई व्यवस्था असुरक्षा के भय से मुक्त न हो पा रही है। साथ ही हमारी हवाई सेवाएं वैश्विक मानकों की कसौटी पर खरी न उतर पायीं। जिसका खमियाजा देश के हवाई यात्री भी भुगत रहे हैं।

निस्संदेह विश्व की चौथी आर्थिक शक्ति बने भारत में नागरिक सेवाओं में यह गुणवत्तापूर्ण झलक नजर आनी चाहिए। यह गुणवत्ता विदेशी निवेशकों के लिए भी जरूरी है लेकिन फिलहाल हमारा नागरिक सेवाओं के प्रति अपेक्षित भरोसा नहीं बन पा रहा है। उल्लेखनीय है कि नागरिक सहभागिता मंच, लोकल सर्किल्स द्वारा किए गए सर्वेक्षण में यह भी पाया गया कि सर्वे में शामिल 64 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने माना कि पिछले तीन वर्षों में कम से कम एक बार उन्होंने कठिन उड़ान का अनुभव किया था, जिसमें टेकऑफ़, लैंडिंग या उड़ान के दौरान कठिन परिस्थितियां शामिल थीं। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने सोमवार को इस चिंताजनक स्थिति का सारांश प्रस्तुत किया, जिसमें राज्यसभा को बताया गया कि पिछले छह महीनों में पांच 'पहचाने गए' सुरक्षा उल्लंघनों के संबंध में एयर इंडिया को नौ कारण बताओ नोटिस जारी किए गए थे। यह वास्तव में एक उल्लेखनीय दिन था जिस दिन संसद में विमानन सुरक्षा का ज्वलंत मुद्दा गूंजा - उसी दौरान एक विमान लैंडिंग के दौरान रनवे से भटक गया, दूसरे ने आपातकालीन लैंडिंग की, एक विमान की बाहरी खिड़की का फ्रेम हवा में ही टूट गया, और एक उड़ान का टेकऑफ़ तकनीकी खराबी के कारण अंतिम समय में रद्द कर दिया गया। सौभाग्य से, इन घटनाओं में किसी की जान या अंग की हानि नहीं हुई, लेकिन यात्रियों के आत्मविश्वास को निश्चित रूप से ठेस पहुंची। अब समय आ गया है कि विभिन्न एयरलाइंस कंपनियां यह समझें कि सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जा सकता। लेकिन यदि प्रचार अभियानों के ज़रिए ज़्यादा से ज़्यादा यात्रियों को हवाई यात्रा के लिए आकर्षित करने की कवायद के बीच हवाई सुरक्षा से जुड़ी बुनियादी बातों को नज़रअंदाज़ कर दिया गया, तो ये तमाम लुभावनी कोशिशें नाकाम हो सकती हैं। निस्संदेह यात्रियों को हर योजना में प्राथमिकता का स्थान मिलना चाहिए; उनकी सुरक्षा को हल्के में नहीं लिया जाना चाहिए। और जब भी कोई एयरलाइंस सुरक्षा प्रोटोकॉल में किसी तरह की कोताही बरते, विमानन नियामक को तुरंत सख्त कार्रवाई करनी ही चाहिए।

सांध्यप्रकाश विशेष | **स्मृति शेषः अजित राय**

वैश्विक सिनेमा की सैर कराने वाला गाइड चला गया

विनोद नागर
(वरिष्ठ फ़िल्म समीक्षक एवं सिने अध्येता)

कल रात जब अचानक इंग्लैंड में भारत के यशस्वी फ़िल्म समीक्षक मित्र अजित राय के आकस्मिक निधन की सूचना मिली तो मन हक्का-बक्का रह गया। पता चला कि वे लंदन स्थित अपने घर में नींद के आगोश में सोते हुए ही अनंत यात्रा पर चले गये। आख़िर यायावरी उनके मिज़ाज का हिस्सा जो बन चुकी थी।

चिकित्सकीय सलाह पर विगत कुछ वर्षों से मेरी कंप्यूटर, टीवी और मोबाईल स्क्रीन से दूरी बढ़ गई है। इसलिये सोशल मीडिया पर ताक-झाँक भी कम हो चली है। कल रात अनायास ही जब एक व्हॉट्स एप्प ग्रुप में मित्रवर श्रीराम तिवारी (जो इन दिनों मुख्यमंत्री के सांस्कृतिक सलाहकार भी हैं) द्वारा साझा की गई दुःखद खबर 'अजित राय नहीं रहे' पढ़कर मन खिन्न हो गया। बाद में जब एमसीयू के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी से अपनी कॉमन फ्रेंडशिप के चलते अजित राय को लेकर लंबी बातचीत हुई, तो उनका गला भी भर आया।

दरअसल, जिस वक्त यह मनहूस खबर मिली तब मैं अगले दिन अपने सिने अध्येता साहित्यकार मित्र सुरेश पटवा की 'हिन्दी सिनेमा के कालजयी निर्माता-निर्देशक' पुस्तक के विमोचन समारोह में प्रस्तुत की जानेवाली पुस्तक समीक्षा को अंतिम रूप देने जा रहा था। किसे पता था कि अपने लिखित वक्तव्य की शुरुआत अब मुझे अजित राय जैसे सुधि फ़िल्म समीक्षक मित्र को श्रद्धांजलि देकर करनी पड़ेगी।

उम्र में मुझसे ग्यारह साल छोटे अजित राय से पहली मुलाक़ात दो-तीन साल पहले ही हुई थी। वे एमसीयू के तत्कालीन कुलपति के जी सुरेश के बुलावे पर भोपाल आये हुए थे। मैंने उन्हें अपने छह खण्डों वाले रचना समग्र की सिनेमा पर केंद्रित पुस्तकें- 'सिने झरोखा' और 'सिने सरोकार' भेंट करने के प्रयोजन से मिलने का सुविधाजनक समय और स्थान सूचित करने का अनुरोध किया। मैं उनके संदेश की प्रतीक्षा करता रहा, पर कोई जवाब न आया। अगले दिन उन्होंने मुझसे घर का पता माँगा।

मैंने पता और गूगल लोकेशन भेजा ही था कि थोड़ी ही देर में घर की कॉल बेल बजी। दरवाज़ा खोला तो सामने अजीत राय मुस्कुराते हुए हाज़िर थे। वे करीब एक घंटा रुके और हमने सिनेमा पर ढेर सारी बातें कर अपनी पुस्तकों का आदान प्रदान किया।

हमारी अगली मुलाक़ात पिछले साल दो सितंबर को भारत भवन में हुई। वे वहाँ बीवी कारंथ की स्मृति में आयोजित आदरांजलि समारोह में वक्तव्य देने आये थे। कार्यक्रम शुरू होने के पहले हम लोग भारत भवन के न्यासी सदस्य विजय मनोहर तिवारी आदि के साथ प्रेमशंकर शुक्ला के कक्ष में बैठकर बतियाते रहे। उस दिन कारंथजी की फ़िल्मों पर उनका वक्तव्य बेहद असरदार और रोचक था।

अभी दो तीन महीने पहले हमारी मुलाक़ात फिर एक

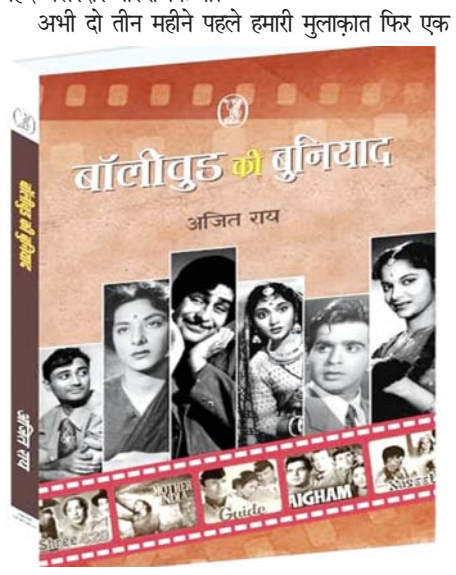

चौंकाने वाले अंदाज़ में हुई। 21 अप्रैल को मैंने अपने दिवंगत पिताश्री की पंद्रहवीं पुण्य तिथि के अवसर पर उनकी आत्म कथा 'सबकी अपनी राम कहानी' का विमोचन कार्यक्रम भोपाल के विश्व संवाद केंद्र में रखा था। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्य सचिव अशोक विजयवर्गीय, राज्य निर्वाचन आयुक्त मनोज श्रीवास्तव और मुख्यमंत्री के सांस्कृतिक सलाहकार श्रीराम तिवारी के मुख्य आतिथ्य में कार्यक्रम प्रारंभ हुआ ही था कि अतिथियों के स्वागत के दौरान अचानक हॉल में अजित राय प्रकट हुए। मेरी खुशी का पारावार न था। अग्रिम पंक्ति में विराजमान पद्मश्री विजयदत्त श्रीधर, जानेमाने अभिनेता दंपति राजीव वर्मा और रीता वर्मा के अभिनंदन के साथ ही हमने डॉ. निरंजन श्रोत्रिय के हाथों से अजित राय का स्वागत बुके भेंट कर कराया।

इधर कोरोना काल में सहमें बॉलीवुड की कसक बयाँ करती मेरी अगली पुस्तक 'प्रजातंत्र में बातें फ़िल्मों की' की प्रस्तावना लिखने का अनुरोध मैंने उनसे किया था और पुस्तक की पांडुलिपि भी उन्हें भेज दी थी। मगर अंतर्राष्ट्रीय फिल्मोत्सवों में सम्मिलित होने की लगातार भागदौड़ के चलते यह अरमान अधूरा ही रह गया।

लंदन में रहते हुए भी उनका एक पैर भारत में टिका रहता था। 58 वर्षीय अजित राय से दिल्लगी करते हुए मैं उन्हें मज़ाक़ में एनआरआईएफ (नॉन रेसिडेंट इंडियन फ़िल्म क्रिटिक) कहता था। उन्हें फ़ोन करो तो ही पता लग पाता था कि जनाब फ़िलवक़्त देस-परदेस में कहाँ हैं? आँखों में दृष्टि दोष के बावजूद सिनेमा को लेकर उनका दृष्टिकोण बिल्कुल साफ़ था। वाणी प्रकाशन से दो वर्ष पूर्व 2023 में छपकर आई 'बॉलीवुड की बुनियाद' उनकी सर्वाधिक चर्चित पुस्तक रही है।

बहरहाल, अब जबकि अजित राय जैसा सुधि फ़िल्म समीक्षक नींद में चुपके से सबको अलविदा कह कर चला गया है, हम और हमारे सरीखे उनके असंख्य चाहने वाले बस ठगे से देखते रह गये हैं। उफ़्फ़..यादों में हमेशा बने रहेंगे अजित राय क्योंकि वैश्विक सिनेमा की सैर कराने वाला गाईड अब हमारे बीच नहीं रहा..!

पति-पत्नी के दरकते रिश्ते

राकेश दुबे

भारतीय समाज में पति-पत्नी के दरकते रिश्ते समाजविज्ञानियों के लिए चिंता का विषय हैं। आये दिन विभिन्न अदालतों में ऐसे मामलों से जुड़े विवाद मीडिया की सुर्खियां बनते रहते हैं। निस्संदेह, भारतीय समाज में पहले ऐसे मामले कम ही नजर आते थे और विवाह को सात जन्मों का बंधन कहा जाता रहा है। यहां तक कि हिंदू विमर्श में तलाक शब्द का कोई सटीक पर्यायवाची भी नहीं मिलता, लेकिन इधर रिश्तों में लगातार बढ़ता अविश्वास, अलगाव व विवाद वर्तमान समय की हकीकत है।

पिछले दिनों एक न्यायाधीश को यहां तक कहना पड़ा कि वैवाहिक विवादों के बोझ से न्यायिक प्रणाली पर अतिरिक्त दबाव बढ़ा है। इसी क्रम में पिछले दिनों पति-पत्नी के विवाद में गुप्त रूप से रिकॉर्ड की गई फोन कॉल को साक्ष्य मानने की बात सामने आई है। सुप्रीम कोर्ट ने वैवाहिक विवादों से जुड़े एक अहम फैसले में कहा है कि पति या पत्नी द्वारा गुप्त रूप से रिकॉर्ड की गई टेलीफोन बातचीत अब एक सबूत के तौर पर स्वीकार होगी। शीर्ष अदालत का कहना था कि इस तरह की रिकॉर्डिंग फैमिली कोर्ट में एक अहम सबूत के तौर पर स्वीकार की जा सकती है। दरअसल, इस बाबत पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट द्वारा दिए गए एक फैसले के विरुद्ध सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने उच्च न्यायालय के उस फैसले को ही रद्द कर दिया। दरअसल, पंजाब व हरियाणा हाईकोर्ट का इस बाबत मानना था कि किसी पक्ष की जानकारी के बिना उसकी बातचीत को रिकॉर्ड करना उसकी निजता का उल्लंघन होगा। उच्च न्यायालय का तर्क था कि इस रिकॉर्डिंग को फैमिली कोर्ट में साक्ष्य के तौर पर स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए। उच्च न्यायालय का कहना था कि आमतौर पर पति-पत्नी सामान्य तौर पर या आवेश में खुलकर बात करते हैं। उन्हें इस बात का भान नहीं होता कि कहीं उनकी बात रिकॉर्ड हो रही है या उनकी बातचीत भविष्य में अदालत में साक्ष्य की तौर पर पेश की जा सकती है।

अपने तर्क के समर्थन में पंजाब व हरियाणा हाईकोर्ट ने कुछ न्यायिक फैसलों का भी जिक्र किया था। खासकर आंध्रप्रदेश उच्च न्यायालय के एक फैसले का उल्लेख किया गया था, जिसमें कहा गया था कि पति-पत्नी की सहमति के बिना बातचीत को रिकॉर्ड करना निजता का उल्लंघन है। साथ ही गैर-कानूनी भी है। इस तरह के साक्ष्य को स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए। वहीं दूसरी ओर सुप्रीम कोर्ट में न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने उन दलीलों को अस्वीकार्य किया कि जिसमें कहा गया था कि इस तरह के साक्ष्य की अनुमति देने से घरेलू सौहार्द व वैवाहिक रिश्तों पर आंच आएगी। यह भी कि इससे समाज में पति-पत्नी की जासूसी की प्रवृत्ति को भी बढ़ावा मिलेगा। साथ ही साक्ष्य अधिनियम का भी अतिक्रमण होगा। शीर्ष अदालत की पीठ का इस बाबत कहना था कि अदालत में पहुंचे रिश्ते इस बात का पर्याय हैं कि दोनों के रिश्ते सहज व सामान्य नहीं हैं।

रिश्तों में अविश्वास के चलते ही वैवाहिक मामले कोर्ट तक पहुंचते हैं। बठिंडा की एक परिवार अदालत ने पत्नी की क्रूरता साबित करने वाली फोन रिकॉर्डिंग को साक्ष्य के तौर पर प्रयोग करने की अनुमति दी थी। जिसे पत्नी ने पंजाब व हरियाणा हाईकोर्ट में चुनौती दी। उसकी दलील थी कि यह रिकॉर्डिंग उसके संज्ञान में लाए बिना की गई थी। जिससे उसके निजता के मूल अधिकार का हनन होता है। जिस पर उच्च न्यायालय ने याचिका को स्वीकार किया, साथ ही फैमिली कोर्ट के आदेश को निरस्त कर दिया था। हाईकोर्ट का कहना था कि बातचीत एक पक्ष ने गोपनीय ढंग से रिकॉर्ड की है, अत- इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। यह भी कहा कि तय करना कठिन है कि ये बातचीत किन परिस्थितियों व भावनात्मक आवेश के चलते हुई थी। ऐसे में आरोपों की तार्किकता सिद्ध करना कठिन है। साथ ही बहुत संभव है कि रिकॉर्ड करने वाले पक्ष ने सतर्क होकर प्रतिक्रिया दी हो। ऐसे में उसकी प्रतिक्रिया स्वाभाविक नहीं हो सकती।

चंद्रशेखर आजाद विशेष

बलिदान पर गर्व है, पर क्या सचमुच समझ पाए हैं हम आजादी की कीमत..?

राजेश जयंत

अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की जयंती पर पूरा देश उन्हें श्रद्धांजलि दे रहा है, वो नायक जिन्होंने अपना नाम, अपनी पहचान और अपनी ज़िंदगी सब कुछ देश को स्वतंत्र कराने के लिए समर्पित कर दी। मैं आजाद था, आजाद हूं और आजाद ही रहूंगा÷ यह सिर्फ उनका वचन नहीं, उनके पूरे जीवन की तपिश थी। मगर आज जब हम उनके बलिदान और उनकी आजादी से मिली स्वतंत्रता का जश्न मनाते हैंज्क्या हमें सच में कभी सोचा कि हम उनके सपनों के उस भारत को जी भी पा रहे हैं या सिर्फ नारे और औपचारिकताएं निभा रहे हैं..?

चंद्रशेखर आजाद ने न सिर्फ अंग्रेजी हुकूमत से लड़ाई की, बल्कि उस मानसिक गुलामी, डर, जड़ता और बेजोड़ी बेड़ियों से भी मुकाबला किया जिसने सालों तक हिंदुस्तान को थामे रखा। काकोरी, सांडर्स, और असेंबली बम कांड की अगुवाई करके, उन्होंने पूरे हिंदुस्तान के युवाओं में आग जला दी।

उनकी वीरता ने सिखाया- मरना मंजूर है, लेकिन आजादी के मायनों और उसूलों से समझौता मंजूर नहीं

अल्फ्रेड पार्क में जब पुलिस ने घेरा, तो जिंदा पकड़े जाने की बजाय खुद को गोली मारना, आज तक दुनिया के लिए अभूतपूर्व उदाहरण है।

आज हम आजाद भारत में खुले आसमान के नीचे सांस ले रहे हैं। पासपोर्ट पर भारत स्वतंत्र है, पर आईना

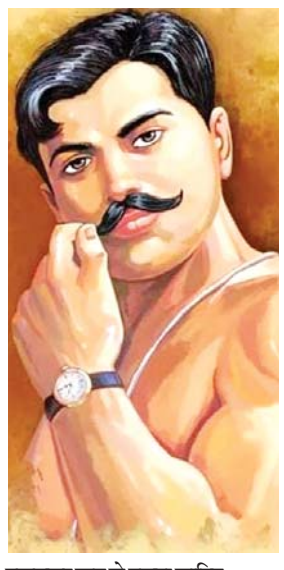

पकड़कर खुद से पूछना चाहिए

- क्या आज हमारा विवेक, हमारा विचार, और हमारे फैसले सच में आजाद हैं?
- क्या हमारी नई पीढ़ी अपनी आजादी को सिर्फ इंस्टाग्राम रील, नेटफ्लिक्स, दिखावटी विद्याध्ययन और जयंती फॉरवर्ड करने तक सीमित कर चुकी है?
- क्या जातिवाद, भ्रष्टाचार, हिंसा, धार्मिक कट्टरता, लालच, दिखावा और निकम्मापन- असल में देश और समाज को मानसिक गुलाम नहीं बना रहे?
- क्या आज के युवा को अधिकार तो याद हैं, मगर जिम्मेदारियां निभाने और देश के लिए कुछ करने की प्यास कम हो गई है?

आजादी चंद्रशेखर आजाद के लिए

- एक अलख थी, जो विचारों को जमींदोज कर कुछ नया रचने की आग थी।
- समाज के अन्याय, झूठ, अन्याय, मुसीबत के खिलाफ सिर उठाकर बोलने का हौसला थी।
- सिस्टम से सवाल पूछने और खुद मिसाल बनने की राह थी।

आज आजादी बचाने के लिए हमें प्राणों का उत्सर्ग नहीं चाहिए, मगर सही मायनों में आज़ाद बनने के लिए यह संकल्प जरूर चाहिए–

- हर नागरिक संविधान, संसद और लोकतंत्र का सम्मान करे।
- महिलाओं, गरीबों, दलितों, बच्चों के हक़ की रक्षा करना अपने धर्म जितना बड़ा मानें।
- भ्रष्टाचार/झूठ/ धार्मिक उन्माद/ हिंसा और सामाजिक बुराइयों को पहचानकर उनके खिलाफ बोलने का हौसला दिखाएं।
- सेवा, शिक्षा, विज्ञान, नवाचार, परिश्रम और सत्यनिष्ठा को अपना अस्त्र बनाएं।
- जिम्मेदार, साहसी, यथार्थवादी और सोच में आजाद नागरिक बनें- यही असली श्रद्धांजलि होगी।

शुभ चिंतनः जैसे ट्यूमर , साइनोसाइटिस , उच्च रक्तचाप, आँखों की तकलीफ, पाचन की गड़बड़ी और मुख्यतः तनाव

नियमित योग अभ्यास, अच्छी नींद एवं प्राकृतिक चिकित्सा से जीवन में कभी सिर दर्द नहीं होगा

महेश अग्रवाल
योग गुरु

आदर्श योग आध्यात्मिक केंद्र स्वर्ण जयंती पार्क कोलार रोड़ भोपाल के योग गुरु महेश अग्रवाल नें बताया कि स्त्रियों की आम तकलीफों में से एक है उनका सिर दर्द, और यही है उनकी क्षमा-याचना का आम बहाना ओह, नहीं, मुझे सिर दर्द है या शोर नहीं मचाओ, माँ को सिर दर्द है। सिर दर्द के विभिन्न कारण हो सकते हैं, जैसे ट्यूमर (बहुत कम), साइनोसाइटिस (प्रायः), उच्च रक्तचाप, आँखों की तकलीफ, पाचन की गड़बड़ी और मुख्यतः तनाव।

हॉर्मोनों का असन्तुलन – चिकित्सकों ने यह पाया है कि सिर दर्द से पीड़ित व्यक्तियों में अधिकतर स्त्रियाँ होती हैं और माइग्रेन (अर्धकपारी) के पीड़ितों में दो तिहाई स्त्रियाँ ही होती हैं। इससे यह संकेत मिलता है कि स्त्री की शारीरिक संरचना में कुछ ऐसा तत्त्व है जिसमें सिर दर्द की पूर्ववृत्ति होती है। कुछ स्त्रियों को ऋतुस्त्राव के पूर्व संकुलित कष्टार्त्तव या रजोनिवृत्ति के लक्षण के रूप में सिर दर्द झेलना पड़ता है। बारम्बार होने वाले सिर दर्द का सम्बन्ध मासिक चक्र से होता है- दर्द अधिकतर चक्र के बीच में होता है (लगभग डिम्ब क्षरण काल में) और या इस चक्र की समाप्ति पर (ऋतुस्त्राव के ठीक पहले)। यह सन्देह का विषय है कि सिर दर्द का सीधा सम्बन्ध शरीर में हो रहे रासायनिक सन्तुलन में परिवर्तन से है। फिर भी ऐसा प्रतीत होता है कि हॉर्मोन स्तरों की अस्थिरता के कारण कुछ स्त्रियों में शारीरिक और मानसिक तनाव उत्पन्न हो जाता है और यह तो सर्वविदित है कि भावनात्मक उद्वेलन सिर दर्द को उत्प्रेरित करता है।

तनाव-जनित सिरदर्द – व्यग्रता या तनाव अनेक रूपों में प्रकट हो सकता है और यह सिरदर्द का एक प्रमुख कारण होता है। एक विशेष शारीरिक अवस्था में सिर दर्द प्रायः किसी भावनात्मक उद्वेलन के कारण ही आरम्भ होता है। विषाद, अत्यधिक चिन्ता, कार्य के प्रति व्यग्रतापूर्ण अभिवृत्ति, चिरकालिक नैराश्य और असन्तोष तनावपूर्ण सिरदर्द के प्रधान कारक हैं।

कुछ स्त्रियाँ देखेंगी कि उन्हें सिर दर्द की पूर्व चेतावनी मिल जाती है, जब वे चिड़चिड़ी और तुनकमिजाजी हो जाती हैं। कुछ स्त्रियों ने पाया है कि सिर दर्द के पहले और बाद वे बहुत रोती हैं। इस प्रकार का सिर दर्द जो सुस्ती और असहिष्णुता से होता है, प्रायः स्त्रियों के अपने और अपने जीवन के प्रति असन्तोष की स्थूल अभिव्यक्ति है। लाड़-प्यार या दवा से इस प्रकार के सिरदर्द को दूर नहीं किया जा सकता, बल्कि इस प्रकार की स्त्रियों को योग में पूर्णतः संलग्न होकर अपने जीवन को अधिक सन्तोषदायक आधार और नया अर्थ देने की आवश्यकता है।

माइग्रेन (अर्धकपारी) – माइग्रेन तीव्रतम प्रकार का सिर दर्द है जो सिर के अन्दर की रक्त वाहिनियों में प्रसरण-संकुचन प्रणाली के अस्तव्यस्त होने के कारण होता है। यह स्वचालित स्नायु तन्त्र के द्वारा नियन्त्रित होता है। रक्त वाहिनियों में उत्पन्न होने वाली यह अस्थिरता अत्यधिक भावनात्मक तनाव के परिणामस्वरूप होती है।

माइग्रेन का यह विशेष लक्षण है कि वह सिर के आधे हिस्से में होता है और तीन दिनों तक रहता है। यह प्रायः एक अस्वस्थता की मनोभावना के साथ होता है जो घण्टों तक चलता रहता है जब तक उल्टी नहीं हो जाती। माइग्रेन से पीड़ित स्त्रियों को आँखों के आगे बिजली की चमक, धब्बे और रेखायें दिखाई देती हैं। उनके लिए तीव्र प्रकाश और कोलाहल असहनीय होता है।

संरचनात्मक कारक – माइग्रेन के वंशागत होने के प्रमाण भी मिले हैं। यह स्पष्ट रूप से पाया गया है कि माइग्रेन से पीड़ित व्यक्तियों को बचपन में यात्रा के क्रम मे मिचली आती थी और पेट में बारम्बार विचित्र-सा दर्द होता था। माइग्रेन प्रायः यौवनारम्भ के समय और कभी-कभी जीवन के उत्तरार्द्ध में प्रारम्भहोता है। चूँकि माइग्रेन पुरुषों की अपेक्षा स्त्रियों में अधिक होता है, इससे ऐसा लगता है कि स्त्री के हॉर्मोन चक्र की अस्थिरता इस समस्या का कारण हो सकती है। संतुलित आसनों के नियमित अभ्यास इस प्रकार की समस्याओं को दूर कर सकते हैं। सूर्य नमस्कार, भुजंग आसन, धनुरासन, प्रणामासन एवं

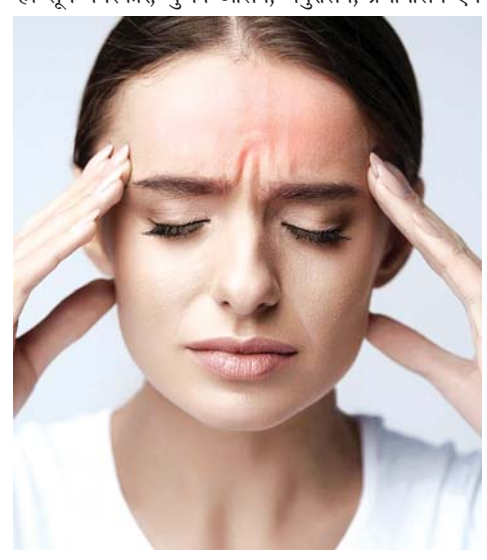

सर्वांगासन इसके लिए उपयुक्त हैं।

आहार – कुछ लोग स्वाभाविक रूप से कुछ विशेष रसायनों एवं भोजनों के प्रति संवेदनशील (एलर्जिक) होते हैं, जिन्हें ग्रहण करने पर वे एलर्जिक सिर दर्द से पीड़ित हो जाते हैं। इस तथ्य पर ध्यान नहीं दिया जाता, क्योंकि जब सामान्य रूप से वही भोजन दूसरे लोग ग्रहण करते हैं तो उसका कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं होता। फिर भी यह तथ्य स्पष्टतः सत्यापित हो चुका है कि जिन लोगों में माइग्रेन की प्रवृत्ति हो उन्हें वे विशेष भोजन नहीं ग्रहण करने चाहिए। इनके अन्तर्गत चॉकलेट, कोकोकोला, सूअर का मांस, अण्डे, कुछ विशेष समुद्री मछलियाँ और मदिरा आदि हैं। कुछ लोगों को तला हुआ भोजन, मक्खन, दूध और कॉफी को भी इस सूची में मिला लेना चाहिए, और कुछ लोगों को तो नींबू, नारंगी तथा टमाटर (सभी अति अम्लीय है) का भी निषेध करना चाहिए। यौगिक उपचार के क्रम में अनेक लोगों को शंख प्रक्षालन के साथ सादे भोजन से लाभ हुआ है। प्रचुर अनाज (गेहूँ, चावल, रागी, जौ), दाल, विभिन्न प्रकार के फल और सब्जियों से परिपूर्ण शाकाहारी भोजन सबसे अधिक लाभप्रद होता है।

भावनात्मक कारण – प्रेक्षणों से पता चला है कि माइग्रेन से पीड़ित होने वाले व्यक्ति प्रायः विद्वान् होते हैं, किन्तु उनमें जीवन के प्रति अत्यधिक सम्मोहपूर्ण झुकाव की प्रवृत्ति होती है। ये लोग प्रायः मीनमेख करने वाले और सदैव अपेक्षा रखने वाले होते हैं। उनके लिए अपनी और दूसरों की त्रुटियों को सहन करना कठिन होता है। अत्यधिक भय और चिन्ता या नैराश्य की सतत् अनुभूति उनकी इस प्रवृत्ति को प्रायः बढ़ा देती है। सिर दर्द होने के पूर्व योगनिद्रा के द्वारा क्रमिक शिथिलीकरण संचित तनाव को दूर करता है। कर्मयोग के भाव के साथ किसी भी कार्य को करने पर तनावमुक्त और अधिक सहनशील दृष्टिकोण का विकास होता है।

योगोपचार – माइग्रेन के लिए योगोपचार के अन्तर्गत जल नेति, कुंजल क्रिया और योगनिद्रा के साथ आसनों का क्रमबद्ध कार्यक्रम आता है। एक सुयोग्य योग उपचारक के सुझाव के अनुसार ये अभ्यास तब किये जाने चाहिए जब शिरोवेदना के लक्षण परिलक्षित होने लगें। सिर दर्द अपने आगमन के पूर्व प्रायः चेतावनी देता है। ऐसे समय पर जल नेति एवं योगनिद्रा उसे रोकने के लिए पर्याप्त होंगी। नेति न केवल नाक को साफ करती है, बल्कि चेहरे और सिर के स्नायुओं पर इसका उपशामक प्रभाव भी होता है। जब सिर दर्द प्रारम्भ हो जाता है तो उल्टी करने से कुछ आराम होता है, इसलिए प्रथम अवसर पर ही कुंजल क्रिया कर लेनी चाहिए। भोजन के पश्चात् भी यह (व्याघ्र क्रिया) किया जा सकता है। घण्टों मिचली के कष्ट में पड़े रहने से अच्छा है कि कुंजल क्रिया कर ली जाये। लम्बे समय तक मिचली के कारण तनावयुक्त शिरोवेदना के बाद दुर्बलता का अनुभव होता है।

अन्य प्रकार के सिर दर्द – अब तक माइग्रेन के जिन भावनात्मक कारणों के वर्णन किये जा चुके हैं वे आँखों के कष्ट, साइनोसाइटिस और उच्च रक्तचाप से होने वाली तथा अन्य प्रकार की शिरोवेदनाओं पर भी लागू होते हैं। कोई भी शारीरिक समस्या तनाव को बढ़ा देती है। उपचार के किसी भी कार्यक्रम में योगनिद्रा या ध्यान को किसी भी रूप में अनिवार्यतः सम्मिलित किया जाना चाहिए, किन्तु उपचार की समाप्ति पर इसे छोड़ना नहीं चाहिए, बल्कि इसे किसी भी रचनात्मक योगदर्शन का एक अंग बनाया जाना चाहिए।

साइनस के कारण सिर दर्द – नाक के बन्द या बहते रहने के साथ प्रायः सिर में भारीपन का अनुभव होता है जो आँखों के ऊपर और नीचे साइनस भागों में सूजन के कारण होता है और छींकने, खाँसने या आगे झुकने पर अधिक तीव्र हो जाता है। इस वेदना से मुक्ति के लिए नाक में जमे कफ का साफ होना अनिवार्य है, क्योंकि तभी साइनस की जकड़न दूर होगी और नाक की झिल्लियों एवं साइनस मार्गों को आराम मिलेगा।

नेति – इस सन्दर्भ में नाक के प्रक्षालन की विभिन्न विधियाँ, जिन्हें नेति कहते हैं, सुसंगत हैं। नाक को नमक मिले हुए गुनगुने पानी से धोने की प्रक्रिया जल नेति कहलाती है; इसके अन्तर्गत एक नासिका छिद्र से पानी डाल कर दूसरे से निकाला जाता है। इसके बाद एक विशेष श्वसन प्रक्रिया से नाक को पूर्णतः सुखा लिया जाता है। साइनोसाइटिस के लिए व्यक्तिगत दशा के आधार पर एक से तीन मिनट तक जल नेति करते समय पानी निकालने की मुद्रा पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। जल नेति का अभ्यास प्रतिदिन करना चाहिए, यदि जकड़न अधिक है तो दिन में दो या तीन बार भी इसे किया जा सकता है। कुछ दिनों के बाद नाक खुली रखने के लिए दिन में एक बार नेति करना पर्याप्त होगा। नाक के निकले हुए कफ के रंग और गन्ध से संक्रमण की सम्भावना का अनुमान लगाया जा सकता है। यदि संक्रमण हो तो स्वमूत्र नेति का अभ्यास करना चाहिए। इसके लिए भी प्रक्रिया समान है, किन्तु इसमें नमकीन जल के स्थान पर सुबह के पहले स्वमूत्र का उपयोग किया जाता है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —हाकम सिंह गुर्जर
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म. प्र. ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

1 किलो 200 ग्राम गांजा के साथ आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

सिरोंज। पुलिस अधीक्षक, सहायक पुलिस अधीक्षक के निर्देशों एसडीओपी के मार्गदर्शन में पुलिस ने नशा मुक्ति अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए 1 किलो 200 ग्राम अवैध रूप से गंजा बेचते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया इसके अलावा अवैध रूप से कर में 8 पेटी शराब ले जाते हुए एक आरोपी को भी पड़ा है।

थाना प्रभारी पंकज गीते ने बताया कि अवैध रूप से गांजा बेचते हुए राजा नामदेव निवासी पथरिया को बासौदा नाक के पास में गिरफ्तार किया है इसके पास से 1 किलो 200 ग्राम गांजा मिला है एनडीपीएस एक्ट में प्रकरण दर्ज करके कार्रवाई की है। इसी तरह कर में अवैध रूप

शराब ले जाते हुए राजेंद्र रघुवंशी निवासी बागरोदा से आठ पेटी शराब जप्त की है अवैध रूप शराब ले जाने पर मामला दर्ज किया है।

कटरा ग्राम पंचायत ने की अनोखी एवं नई पहल

अतिक्रमण हटाकर बनाए गार्डन ग्रामीणों को मिलेगी शहर जैसी सुविधा

मंडला। जिले के जनपद पंचायत मण्डला अंतर्गत ग्राम पंचायत कटरा जिले की पहली ऐसी पंचायत बन गई है,जिसने सरकारी भूमि से अतिक्रमण हटाकर गांव के बीचों-बीच एक भव्य गार्डन का निर्माण कार्य शुरू कर दिया है।पंचायत द्वारा विकसित किया जा रहा यह गार्डन न केवल ग्रामीणों के स्वास्थ्य और मनोरंजन के लिए उपयोगी सिद्ध होगा,बल्कि इससे पंचायत की आय भी बढ़ेगी।

पंचायत के वार्ड क्रमांक 03 में स्थित लगभग आधा एकड़ से अधिक भूमि पर यह गार्डन तैयार किया जा रहा है।इस जमीन पर पूर्व में तीन से चार अतिक्रमण मकान थे,जिन्हें पंचायत ने शांतिपूर्ण ढंग से हटवाया। ग्राम पंचायत ने संबंधित लोगों को विकास की योजना से अवगत कराया,जिसके बाद अतिक्रमणकारियों ने स्वेच्छा से जमीन खाली कर दी।

मौजूदा समय में विकास कार्यों की क्या है स्थिति

गार्डन के निर्माण में विभिन्न योजनाओं और मदों का उपयोग किया जा रहा है,मनरेगा के तहत मैदान का समतलीकरण और बाउंड्री वॉल का निर्माण किया गया है।अधोसंरचना मद से एक भवन तैयार किया गया है।जहां महिला ग्राम संगठन की नियमित बैठकें आयोजित होंगी।एक शेड निर्माण किया जा रहा है, गार्डन में पेवर ब्लॉक बिछाए जा चुके हैं और महात्मा गांधी की प्रतिमा स्थापित की जा चुकी है।आने वाले दिनों में यहां पौधारोपण,सड़क निर्माण,झूले और खेल सामग्री तथा आधुनिक लाइटिंग की व्यवस्था की जाएगी। पंचायत द्वारा दी गई जानकारी अनुसार इस गार्डन के निर्माण पर लगभग 25 लाख रुपये का खर्च अनुमानित है।निर्माण कार्य चरणबद्ध रूप से चल रहा है।ग्राम पंचायत द्वारा पूर्व एक पुरानी गौड़ कालीन बावली जो जर्जर और कचरा घर बन चुकी थी साथ ही उस बावली में अतिक्रमण हो रहा था,उसका भी पंचायत द्वारा जीर्णोद्धार कराया गया,जो क्षेत्र में नहीं अपितु जिले में प्रशंसात्मक हुई है।पंचायत द्वारा प्राचीन धरोहर को सुरक्षित कर उसका नाम देकर उसे सुरक्षित किया गया।

गार्डन के निर्माण से ग्रामीणों को मिलेंगी ये सुविधाएं- मॉर्निंग-इवनिंग वॉक के लिए सुंदर-सुरक्षित स्थान,बच्चों के लिए खेलकूद की सामग्री और स्थान, महिला समूहों के लिए बैठक की व्यवस्था।

छोटे आयोजनों के लिए सुलभ स्थान,जिससे पंचायत को आय भी होगी।ग्रामवासियों को कम खर्च में बेहतर सुविधाएं मिलेंगी।

इस अनोखे पहल से अन्य पंचायतों के लिए बनेगी मिसाल- कटरा पंचायत की यह पहल जिले में ग्रामीण क्षेत्रों के सतत और समावेशी विकास की मिसाल बन रही है। पंचायत प्रतिनिधियों का कहना है कि यह गार्डन न केवल ग्रामीणों के स्वास्थ्य और मनोरंजन में सहायक होगा,बल्कि इससे पंचायत की आर्थिक स्थिति भी सुदृढ़ होगी।

इनका कहना है

ग्राम में विकास कार्य तो होते हैं लेकिन इस बार नया कार्य करने का विचार किया,जिससे पंचायत में शहरी सुविधाएं की ओर अग्रसर और पंचायत की आय का साधन भी बन जाए।पंचायत के गार्डन में सभी सुविधाएं ग्रामीणों को मिलेगी।

- हरिशंकर मरावी
सरपंच, ग्राम पंचायत कटरा

प्रसिद्ध नृत्य नाटिका मंडला जिले के सांस्कृतिक इतिहास में दर्ज-प्रफुल्ल मिश्रा

मंडला। श्रावण मास की पुण्य संध्या में रज़ा स्मृति 2025 के तहत आयोजित सांस्कृतिक संध्या में जब रानी दुर्गावती महाविद्यालय के सभागार में 'राम की शक्ति पूजा' नृत्य नाटिका का मंचन हुआ तो कला और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला।इस अनुपम आयोजन में उपस्थित भाजपा जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा ने सभी कलाकारों को शॉल-श्रीफल से विशेष रूप से सम्मानित किया।उनके साथ सांसद प्रतिनिधि भी विशेष रूप से उपस्थित रहे,जिन्होंने पूरे आयोजन को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाई। 'राम की शक्ति पूजा' महाकवि निराला की प्रसिद्ध कविता पर आधारित नृत्य नाटिका है,जिसे कवि व्योमेश शुक्ल के निर्देशन में प्रस्तुत किया गया।इसकी प्रमुख पंक्तियाँ उनकी माता श्रीमती शकुन्तला शुक्ल द्वारा चयनित की गई थीं।मंचन में राम के भीतर शक्ति की उपासना के भाव को अत्यंत प्रभावशाली रूप में दर्शाया गया,जिसने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। इस अवसर पर अपने उद्बोधन में भाजपा जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा ने कहा ऐसे कार्यक्रम मंडला जिले में बार-बार आयोजित होने चाहिए,ताकि यहां की छोटी-छोटी प्रतिभाशाली कलाएँ उभरकर सामने आ सकें।मंडला की माटी में रचनात्मकता और सांस्कृतिक चेतना गहराई बसी है,जरूरत है उन्हें मंच देने की। उन्होंने आगे कहा कि ऐसे आयोजन समाज को जोड़ते हैं और नई पीढ़ी को अपनी परंपराओं से जोड़े रखने का माध्यम बनते हैं।उन्होंने व्योमेश शुक्ल और उनकी पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि ÷आज की शाम मंडला जिले के सांस्कृतिक इतिहास में दर्ज हो गई है।

स्मार्ट नहीं-ओवर स्मार्ट मीटर है यह जनता की जेब पर डकैती: कापरे

बिजली रीडिंग के स्मार्ट मीटर बने उपभोक्ताओं के लिए मुसीबत

इटारसी। विधुत वितरण कंपनी द्वारा घर घर लगाएं जा रहें, स्मार्ट मीटरों को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। इस योजना को लेकर ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में विरोध देखने को मिल रहा है। इस योजना के तहत राज्य सरकार ने प्रीपेड स्मार्ट मीटर लगाने की प्रक्रिया शुरू की है। कंपनी का मकसद है कि बिजली वितरण में पारदर्शिता, बिजली चोरी पर रोक और उपभोक्ताओं को अपनी खपत पर नियंत्रण जैसी स्थिति को कंट्रोल करना है। परन्तु हालांकि में इस योजना को लेकर ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में विरोध बढ़तें जा रहा है, इसके पीछे कारण भी स्पष्ट है कि पुराने और नए मीटर में रीडिंग का फर्क देखने को मिल रहा है।

मौक़ा पाकर कांग्रेस भी इसे भुनाने में जुट गई,विशेष रूप से किसान संगठन, कांग्रेस जैसे विपक्षी दल इसे आम जनता पर आर्थिक बोझ और निजी कंपनियों को लाभ पहुंचाने की साजिश बता रहे हैं। वहीं, कुछ किसानों के बढ़ते बिजली बिल, तकनीकी खामियां के चलते भी यह योजना विवादों में आ रही है।

जनता क्यों कर रही है स्मार्ट मीटर्स का विरोध?- अभी तक जो सामने आया है उसके मुताबिक, विरोध का कारण स्मार्ट मीटर का रेग्युलर मीटर की तुलना में तेज चलना बताया जा रहा है। कहा जा रहा है कि इसकी वजह से बिल दोगुना आ रहा है।

उपभोक्ताओं का कहना है कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद उनके बिजली बिल 10 से 30 प्रतिशत तक बढ़ गए हैं जो परिवार के बजट पर एक्स्ट्रा बोझ है। कुछ घर -दुकानों में तो यह बिल लाखों रुपये तक पहुंच गए, जो सामान्य घर दुकान की खपत के हिसाब से असंभव है।

विपक्ष के विद्युत वितरण कंपनी के खिलाफ तर्क- कांग्रेस नेता अमित कापरे ने स्मार्ट मीटर योजना को स्मार्ट भ्रष्टाचार करार दिया है। उन्होंने कहा कि यह स्मार्ट मीटर नहीं ओवर स्मार्ट मीटर है जो जनता की जेब पर सीधे डकैती डालने का काम करेगा। उन्होंने दावा किया कि मौजूदा इलेक्ट्रॉनिक मीटर पूरी तरह सही हैं, फिर भी उन्हें बदलकर स्मार्ट मीटर लगाने की प्रक्रिया निजी कंपनियों को लाभ पहुंचाने के लिए शुरू की गई है।

कापरे ने प्रेस नोट के माध्यम से कहा कि हमने इसका विरोध इसलिए किया क्योंकि यह पूरी प्रक्रिया

पारदर्शी नहीं है। लोगों से पूछे बिना मीटर बदलना गलत है। स्मार्ट मीटर लगने के बाद बिजली के बिल में बढ़ोतरी होगी। लोगों ने आशंका जताई कि नए मीटर से बिल अधिक आने का डर है। उन्होंने आरोप लगाया कि बिजली कंपनियां बेलगाम तरीके से काम कर रही हैं और इससे जनता को करोड़ों रुपये का नुकसान हो चुका है ओर आगे भी होगा। यह योजना बिजली क्षेत्र के निजीकरण की दिशा में एक कदम है, जिससे निजी कंपनियां लाभान्वित होंगी। यही कारण है कि स्मार्ट मीटर का अन्य राज्यों में भी विरोध हो रहा है।

अहित पूरे देश का है केवल मध्य प्रदेश का नहीं।- उन्होंने आगे कहा कि यह मुद्दा केवल मध्य प्रदेश तक सीमित नहीं है। बिहार, राजस्थान, छत्तीसगढ़, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में भी स्मार्ट मीटरों के खिलाफ व्यापक विरोध हो रहा है। बंगाल में इस योजना का विरोध बढ़ने के बाद इसे फिलहाल बंद कर दिया गया है।

मध्यप्रदेश में कई जिलों में इन मीटरों के विरोध में ज्ञापन दिए गए हैं। लोगों को यह भी कहा गया कि उपभोक्ताओं के पास स्मार्ट मीटर लगवाने या न लगवाने का विकल्प है, फिर भी बिजली कंपनी जबरन इन्हें थोप रही है। जबकि सच्चाई यह है कि इलेक्ट्रिसिटी एक्ट 2003 और एमपी इलेक्ट्रिसिटी सप्लाई कोड 2021 में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है, जो उपभोक्ता को मीटर लगाने का चयन करने का अधिकार देता हो। हालांकि उपभोक्ता को यह अधिकार जरूर है कि वह जांच सके कि उसके यहां लगा मीटर टेस्टेड है या नहीं। यदि मीटर की रीडिंग 00 है, तो संभव है कि वह बिना लैब टेस्ट के लगाया गया हो। वहीं यदि रीडिंग 1 या 2 है तो यह संकेत है कि मीटर की लैब में जांच हुई है।

ऐसी स्थिति में उपभोक्ता मीटर की टेस्ट रिपोर्ट मांग सकता है, क्योंकि एमपी इलेक्ट्रिसिटी सप्लाई कोड 2021 की धारा 8.17 के अनुसार, उपभोक्ता को मीटर की सटीकता पर संदेह होने पर परीक्षण की मांग करने का पूरा अधिकार है, और वितरण कंपनी को 15 दिन के भीतर जांच कर परिणाम उपलब्ध कराना होता है।

पोस्ट नहीं प्री पेड है बिजली बिल- दरअसल, स्मार्ट मीटर एक डिजिटल तकनीक है, जो वास्तविक समय में बिजली खपत का डेटा एकत्र करती है और उपभोक्ताओं को मोबाइल ऐप या पोर्टल के माध्यम से उनकी खपत, बैलेंस और बिलिंग की जानकारी प्रदान करती है। यह प्रीपेड सिस्टम पर आधारित है, यानी उपभोक्ता को मोबाइल रिचार्ज की तरह बिजली के लिए पहले भुगतान करना होगा।

इस प्रीपेड सिस्टम पर कांग्रेस पार्षद अमित कापरे ने कहा कि जिस देश की सवा अरब जनसंख्या का 64 प्रतिशत यानी अस्सी करोड़ लोग अभी भी 5 किलो राशन पर आश्रित है उनके लिए स्मार्ट मीटर अभिशाप से कम नहीं।

तीन दिन से लाइन में लगे किसान को पानी मांगने पर मिले लात घूंसा तमाशबीन बनाते रहे वीडियो

नरसिंहपुर. (गीत गोविंद पटेल)। जिले भर मे किसान ठगा जा रहा है कहीं मारपीट एवं बेइज्जती की जा रही है तो कहीं उसके अनाज को ज्यादा तौलकर व्यापारी चूना लगा रहे और जिला प्रशासन एवं मंडी प्रशासन आँख मूंदकर सब कुछ चुपचाप देख रहा है तो वही मंडी गार्ड किसानों से औनेपौने दाम खरीद कर

मंडी प्रशासन के साथ मिलकर ऊँचे दाम मे बोली लगवा कर बेंचकर मुनाफा कमा रहे हैं इस प्रकार की ड्यूटी मंडी प्रशासन द्वारा मंडी में तैनात कुछ प्राइवेट गार्ड के माध्यम से दलाली करा कर गार्ड से फर्जी ड्यूटी करा रहे हैं और गार्ड का वेतन फ्री दे रहे हैं। सूत्रों की माने तो इसमे पूरे मंडी प्रशासन का कमिशन फिक्स रहता है। बुधवार को किसानो के साथ जिले की दो तहसीलों मे बडे घटनाक्रम सामने आए एक करेली कृषि उपज मंडी मे किसी उमेश ट्रेडर व्यापारी द्वारा किसान के माल को 55 किलो की जगह 65-70 किलो अनाज तोला जा रहा था लेकिन किसान की सजगता के कारण पकड़ा गया जिस पर किसान ने हंगामा कर दिया। और पुलिस थाने मे भी शिकायत दर्ज कराई है मंडी सचिव एके मुद्गल ने बताया कि किसान की शिकायत सही पाई गई व्यापारी उमेश पटेल का लाइसेंस निलंबित कर सोदा कार्य हेतु प्रतिबंधित कर दिया गया है। वहीं दूसरी घटना तहसील गाड़रवाडा के नूर वेयरहाउस की जहां पर तीन दिनों से मूंग बेचने लाइन मे लगे किसान ने पानी की माँग की तो लात घूंसा बरसा दिए।

जिले की सबसे बड़ी तहसील गाड़रवाडा के नूर वेयरहाउस मे बुधवार को किसान के साथ भारी मारपीट की गई। घटना के संबंध मे मिली जानकारी के अनुसार नजदीकी ग्राम कमती का एक किसान सुशील कौरव समर्थन मूल्य पर अपनी मूंग बेचने के लिए नूर वेयरहाउस ले गया था जिसे मूंग बेचने के लिए अपनी बारी का इंतजार करते हुए तीन दिन बीत गए लेकिन बुधवार को वह पानी की तलाश मे वेयरहाउस जा पहुँचा जहां उसकी मूंग तुलना थी। बताया जाता है कि वहाँ पानी माँगने पर विवाद हो गया और नूर वेयरहाउस के संचालक एवं उसके पुत्र द्वारा किसान पर जमकर लात घूंसा बरसाए जाने लगे। पहले तो किसान को वेयरहाउस के अन्दर और फिर बाहर निकाल कर बुरी तरह से पीटा गया। पुलिस थाने में दोनों पक्षों ने शिकायत दर्ज करायी। लेकिन दुर्भाग्य की बात ये है कि वहाँ मौजूद सेंकड़ों लोगों ने कोई बीच बचाव तक करने को कोशिश तक नहीं की बल्कि अपने अपने मोबाइल से वीडियो बनाते नजर आए। किसानों के साथ इस प्रकार के वर्ताव से किसानो मे रोष व्याप्त है शासन से जाँच कर कार्यवाही करने की माँग की गई है।

हाईवे, ओवर ब्रिज, गांव से लेकर शहर तक गौवंश ही गौवंश, कलेक्टर के आदेश की जिम्मेदार उड़ा रहे धज्जियां

स्थानीय समस्या की जानकारी देने के लिए सीएमओ मैडम को फोन लगाया जाता है तो सीएमओ मैडम फोन नहीं उठाती जिसके चलते मीडिया कर्मी में नाराजगी हैं

औबेदुल्लागंज। बारिश के दिनों में गांव से लेकर शहरों तक आवारा मवेशियों का जगह जगह जमावड़ा लगा रहता है। जिसके कारण आये दिन सड़क हादसों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है, जिसके कारण वाहन चालकों के साथ मवेशी अपनी जान गवा रहे है।

लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं को लेकर रायसेन कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा ने सभी विभागों के प्रमुखों को सड़क और हाइवे से मवेशियों को हटाने के निर्देश दिए थे। लेकिन स्थिति जस की तस है। प्रशासनिक अधिकारी कितने जिम्मेदार है इसकी बानगी इस बात से मालूम पड़ती है कि मवेशियों के झुंड के बीच से नर्मदपुराम के कमिश्नर और आईजी की गाड़ियां निकल रही है। हाइवे से सटे गाँवो के ग्रामीण बताते है कि रोड़ पर बैठे गौवंश के कारण रोजाना सड़क हादसे होते जिसमे गौमाता की मौत भी होती है और वाहन चालको की भी मौत हो जाती है। हाइवे पर बैठे मवेशी कई बार डिवाइडर कूदकर रोड़ के उस तरफ हो जाते है जिससे सामने से रहे वाहन हादसों का शिकार हो जाते हैं। औबेदुल्लागंज में नगर परिषद कार्यलय से लेकर पीडब्ल्युडी दफ़्तर तक पूरे रोड़ पर आवारा मवेशियों का झुंड रोड़ पर कब्जा करा हुआ बैठा रहता है, जबकि इसी रोड़ पर पुलिस थाना, एसडीओपी ऑफिस,जनपद पंचायत,नगर परिषद समेत क्क्षुष्ठ का कार्यलय है। किसी भी नगर की सबसे जिम्मेदार संस्था नगर परिषद और पुलिस होती है, और अगर जब इन्ही के कार्यालयों के सामने मवेशियों का झुंड लगा हो तो पूरे शहर की क्या स्थिति होगी इसका अंदाजा लगाना मुश्किल नही है। रायसेन कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा ने मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत,परियोजना अधिकारी, जिला शहरी विकास अभिकरण, सभी जनपद पंचायत, मुख्य नगर पालिका एवं नगर परिषद अधिकारियों को पत्र जारी कर सड़क से मवेशी हटाने के आदेश दिये है। उसके बाद भी जिम्मेदार अधिकारी कलेक्टर के आदेश का मख़ौल उड़ा रहे है।

किसान बचेगा, तभी देश बचेगा, खाद की कमी दूर होगी, तभी खेत खिलेगा- खुराना

जिले की विभिन्न समस्याओं को अवगत कराते हुए कांग्रेस ने राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा

सिवनी। प्रदेश एवं जिले की अनेक समस्याओं को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा जिला कांग्रेस कार्यालय से स्मार्ट मीटर की अर्थी निकालकर धरना स्थल अम्बेडकर प्रतिमा पंहुचे, धरना को सम्बोधित करते हुए जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजकुमार खुराना ने कहा कि बडी किसानों को कांग्रेस की सरकार ने मुश्किलों से उबारकर अच्छे हालत में लाई थी, भाजपा सरकार किसानों के साथ धोखाकर फिर किसानों को मुश्बित में डाल रही है समय पर खाद प्राप्त नही हो रही है, बिजली प्राप्त नही हो रही है। किसानों की लागत लगातार बढ़ते जा रही है फसलो का सही दाम नही मिल पा रहा है ''किसान बचेगा, तभी देश बचेगा। खाद की कमी दूर होगी, तभी खेत खिलेगा' जगह जगह शराब तो आपको मिल जाऐगी, खाद के लिए भटकना पड़ रहा है, युवाओं को रोजगार नही मिल रहा है। बरघाट के पूर्व विधायक अर्जुनसिंह काकोडिया ने धरना को सम्बोधित करते हुए कहा कि किसान परेशान है ही साथ में पुलिस छोटे लोगो को हेलमेट, सीटबेल्ट, लाइसेंस के नाम पर पुलिस वसूली का काम कर रही है जैसे कि उनके उपर बैठे आका आदेश करते है वही बडे बडे अपराध सिवनी में घटित हो रहें है उसे रोकने की चिन्ता इन्हें नही है कांग्रेस पार्टी बाबा साहेब अम्बेडकर की नीतियों पर चलती है ज्ञान का अगर प्रतीक है तो वह है बाबा साहेब।

जिला कांग्रेस सहप्रभारी विवेक अवस्थी, जेपीएस तिवारी, विष्णु करोसिया, राजिक अकील, जयकेश पटेल, आदित्यनारायण सिंह विकास बघेल, मनोज राहंगडाले, देवेन्द्र ठाकुर, डॉ. रमेन्द्रसिंह ठाकुर, हुकुमचंद सनोडिया, धनंजय सिंह, अशोक सिरसाम, सुनील पंचेश्वर खारी, मेहरापिपरिया से गणेश भगत ने भी सम्बोधित किया। राज्यपाल के नाम नायब तहसीदार को ज्ञापन सौंपा गया और स्मार्ट मीटर का पुतला दहन किया गया। ज्ञापन में कहा गया कि मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार में किसानों को यूरिया एवं डीएपी खाद पर्याप्त मात्रा में एवं समय पर उपलब्ध नही हो पा रही है, स्मार्ट मीटर के नाम पर बिजली बिल की मनमानी वसूली की जा रही है, ग्रामीण क्षेत्रों में बेतहासा बिजली कटौती की जा रही है, किसानों सिंचाई हेतु पर्याप्त बिजली उपलब्ध नही हो रही जिससे कृषि उत्पादन प्रभावित हो रहा है। सिवनी बालाघाट एवं सिवनी-छिन्दवाड़ा रोड़ जो कि बहुत ज्यादा जर्जर हो गई है उस पर टोल वसूली की जा रही है, उन्हे सुधारकर ही टोल वसूला जाए। प्रदेश में भ्रष्टाचार चरम पर है जिले में कानून व्यवस्था की स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है, हत्या, मारपीट, सूखा नशा, अवैध शराब और जुआं खिलाने का काम जोरों पर है नलो से लगातार गन्दा पेयजल आ रहा है जिससे जलजनित गंभीर बीमारियॉ लगातार फैल रही है। जनता पर लगने वाले टैक्सो को मनमाने ढंग से बढ़ाया जा रहा है, जिससे जनता पर अतिरिक्त वित्तीय भार पड़ रहा है।

गिफ्ट अ डेस्क पहल को मिल रहा दानदाताओं का पुरजोर समर्थन

जैएएसएस, जैस क्रिकेट क्लब एवं यादव महासभा द्वारा उपलब?ध कराई गई 100 डेस्क बेंच

सिवनी। कलेक्टर संस्कृति जैन के निर्देशन में संचालित गिफ्ट अ डेस्क पहल में दानदाताओं का पुरजोर समर्थन मिल रहा है। बडी संख्या में दानदाता शासकीय विद्यालयों के लिए डेस्क गिफ्ट कर रहे हैं। जिससे संपूर्ण जिले में गिफ्ट अ डेस्क पहल को लेकर सकारात्मक वातावरण निर्मित हुआ है। इसी कडी में इस अभियान में सहभागिता कर जय अम्बे सिक्योरिटी, जैस क्रिकेट क?लब एवं यादव महासभा द्वारा संयुक्त रूप से 100 डेस्क बेंच उपलब्ध कराई गई है। जिससे उडेपानी में 28, भोमाटोला में 18, इंदावाडी में 16 जटलापुर में 14, झीलपिपरिया में 14 तथा पिंडरई में 10 डेस?क बेंच प्राप्त हुई है।

बुधवार 23 जुलाई का प्राथमिक शाला भोमाटोला में कलेक्टर संस्कृति जैन एवं दानदाताओं की विशेष उपस्थिति में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें कलेक्टर जैन ने सभी दानदाताओं को धन्यवाद पत्र देकर

प्रोत्साहित किया। कलेक्टर संस्कृति जैन ने कहा कि गिफ्ट अ डेस्क पहल के उद्देश्यों को रेखांकित करते हुए कहा कि पहल का मुख्य उद्देश्य सुगम कक्षा और सकारात्मक वातावरण का निर्माण कर बच्चों को स्कूलों तक लाना और नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करना है। कलेक्टर जैन ने उपस्थित ग्रामीणों से भी बच्चों की बेहतर शिक्षा में भागीदारी निभाने की बात कही। उन्होंने कहा कि हम सभी को अपने ग्राम के बच्चों की जिम्मेदारी लेने की जरूर है कि बच्चें अनिवार्य रूप से स्कूल जाये। इसी तरह शिक्षकों की जिम्मेदारी है कि बच्चों को रोचक रूप से पढ़ाया जाये।

मप्र के पचमढ़ी में भी है अमरनाथ जैसा मंदिर

सतपुड़ा की पहाड़ियों में नागद्वार मंदिर में पूजे जाते हैं नागदेवता

भोपाल। हम सभी जम्मू कश्मीर के अमरनाथ मंदिर के बारे में जानते हैं, लेकिन क्या आप मध्य प्रदेश के इस अमरनाथ मंदिर में गए हैं? यह मंदिर सतपुड़ा की पहाड़ियों में स्थित है जो नागद्वार मंदिर के नाम से जाना जाता है। इसे मध्य प्रदेश का अमरनाथ भी कहते हैं। यहां भगवान नाग विराजमान हैं। दर्शन के लिए भक्तों को कई किलोमीटर पैदल चलना पड़ता है। यह मंदिर साल में केवल एक बार 10 दिन के लिए खुलता है। कहा जाता है कि जो भक्त सावन में यहां आकर दर्शन करते हैं, वे कभी खाली हाथ नहीं लौटते।

पचमढ़ी हिल स्टेशन के घने जंगलों में मंदिर

नागद्वार मंदिर एमपी के पचमढ़ी हिल स्टेशन के घने जंगलों में स्थित है। पचमढ़ी हिल स्टेशन अपनी खूबसूरती और हसीन वादियों के लिए प्रसिद्ध है। यह सतपुड़ा पहाड़ियों के बीच स्थित है। नागद्वार को कुछ लोग नागद्वारी मंदिर के नाम से भी जानते हैं। यह भोपाल से करीब 217 किमी और नर्मदापुरम जिले से 125 किमी दूर है।

साल में 10 दिन के लिए खुलता है मंदिर- नागद्वार मंदिर सतपुड़ा की पहाड़ियों के बीच केवल 10 दिन के लिए खुलता है। इस साल यह 19 जुलाई से शुरू होकर 29 जुलाई यानी नागपंचमी तक खुला रहेगा। मंदिर तक पहुंचने के लिए करीब 14 किमी पैदल यात्रा करनी पड़ती है। भक्त सात दुर्गम पहाड़ियों को पार कर मंदिर तक पहुंचते हैं। इस

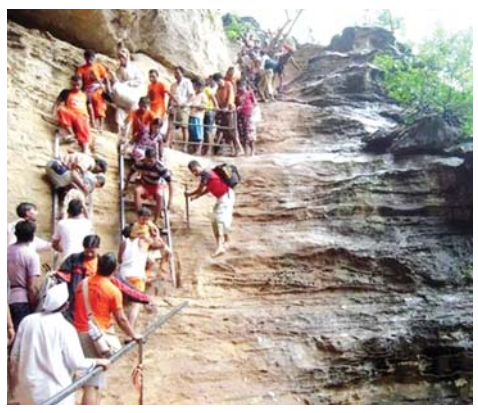

यात्रा में घने जंगल और कठिन ट्रेकिंग का सामना करना पड़ता है। नागद्वार या नागद्वारी मंदिर मध्य प्रदेश के प्रसिद्ध धार्मिक स्थलों में शामिल है। पौराणिक मान्यता के अनुसार, यहां जो भी सच्चे दिल से आता है, वह कालसर्प दोष से मुक्त हो जाता है। कहा जाता है कि नागपंचमी के दिन यहां आने वाले भक्तों के सभी दुख दूर हो जाते हैं। नागद्वार मंदिर की गुफा में नागदेवता की कई मूर्तियां स्थापित हैं। यहां लाखों भक्त दर्शन के लिए आते हैं।

सतपुड़ा की पहाड़ियों में स्थित एक गुफा मंदिर है

नागद्वार मंदिर सतपुड़ा की पहाड़ियों में स्थित एक गुफा मंदिर है। ठीक वैसे ही जैसे जम्मू कश्मीर का अमरनाथ मंदिर गुफा के अंदर है, नागद्वार मंदिर भी गुफा में स्थित है। मंदिर के अंदर चिंतामणि की गुफा है, जिसकी ऊंचाई लगभग 100 फीट है। गुफा से कुछ दूर स्वर्ग द्वार है, जहां नागदेवता की कई मूर्तियां स्थित हैं। यहां मौजूद शिवलिंग के दर्शन करने से भक्तों की हर मुराद पूरी होती है।

नागपंचमी पर लगता है मेला - नागद्वार मंदिर में हर साल नागपंचमी के अवसर पर भव्य मेला आयोजित होता है, जिसमें भक्त दूर-दूर से शामिल होते हैं। मंदिर के दर्शन और मेला में शामिल होने के लिए केवल मध्य प्रदेश के लोग ही नहीं, बल्कि महाराष्ट्र से भी लाखों भक्त यहां आते हैं। दर्शन के दौरान भक्त सतपुड़ा की खूबसूरती का भी आनंद लेते हैं।

श्रद्धालुओं को अकेले यात्रा नहीं करना चाहिए

भक्तों को अपील की जाती है कि वे अकेले यात्रा न करें और भारी सामान लेकर न चलें। यह मंदिर घने जंगलों में है, जंगली जानवरों का खतरा बना रहता है। जरूरी सामान जैसे रेनकोट, पानी की बोतल और कपूर साथ रखना अच्छा रहेगा। कपूर से रास्ते में बदबू और कम ऑक्सीजन की समस्याओं से राहत मिल सकती है, क्योंकि रास्ते पर खुले में शौच एक बड़ी समस्या है। लगातार बारिश से बदबू कम रहती है, लेकिन बारिश रुकने पर हैजा जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। इसलिए, तीर्थयात्रा केवल तब करें जब अच्छी बारिश हो रही हो।

अनुशासन और चरित्र निर्माण जरूरी, पुलिस भर्ती में होगा रामचरितमानस का पाठः एडीजी

भोपाल। मध्य प्रदेश पुलिस विभाग ने नव नियुक्त आरक्षकों के चरित्र निर्माण और नैतिक विकास के लिए एक नई पहल शुरू की है। अब प्रशिक्षण के दौरान नए आरक्षकों को हर रात सोने से पहले रामचरितमानस का पाठ करना अनिवार्य होगा। इस पहल का उद्देश्य युवाओं में नैतिक मूल्यों, आत्मानुशासन और सेवा भावना को बढ़ावा देना है। पुलिस प्रशिक्षण के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजी) राजा बाबू सिंह ने बताया कि प्रदेश के आठ प्रशिक्षण केंद्रों में करीब 4,000 नए आरक्षकों की नौ माह की प्रशिक्षण प्रक्रिया शुरू की गई है। इसके साथ ही, पुलिस बल को नई तकनीकों के अनुरूप प्रशिक्षित करने के लिए ई कॉप नामक विशेष कोर्स भी तैयार किया गया है, जो नए

आपराधिक कानूनों के अनुरूप डिज़ाइन किया गया है।

रामचरितमानस के पाठ के लिए प्रेरित करें- एडीजी सिंह ने बताया कि उन्होंने सभी जिला पुलिस अधीक्षकों (एसपी) से आग्रह किया है कि वे नए प्रशिक्षणार्थियों को रामचरितमानस के पाठ के लिए प्रेरित करें और भगवान श्रीराम के जीवन आदर्शों से सीखने को कहें। उन्होंने कहा, भगवान राम का वनवास, उनका संघर्ष और मर्यादा पुरुषोत्तम जीवन हमारे जवानों के लिए अनुकरणीय है। यह उन्हें न केवल एक बेहतर पुलिसकर्मी बनाएगा, बल्कि बेहतर नागरिक भी। सिंह ने यह भी स्पष्ट किया कि प्रशिक्षण केंद्रों में बदलाव की बजाय, फोकस प्रेरणा, आध्यात्मिकता और कर्तव्यपरायणता पर होना चाहिए। उन्होंने इस पहल को पुलिस बल में सांस्कृतिक और नैतिक मूल्यों के समावेश की दिशा में एक सकारात्मक कदम बताया। इस निर्णय को लेकर पुलिस विभाग में इसे आधुनिक प्रशिक्षण और पारंपरिक मूल्यों के संतुलन की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास माना जा रहा है।

उत्तर-पूर्व और बंगाल की खाड़ी से कई राज्यों में भारी बारिश, मप्र में 25 से 28 तक रहेगा जोर

भोपाल। अब चक्रवातों की उथल-पुथल से भारत में भी होगी मानसून की परिवर्तित चाल। भारत के पूर्वी दिशा में चक्रवात विभा के खत्म होने के बाद बादलों का सैलाब पश्चिम बंगाल की खाड़ी से होकर भारत के दक्षिण ङ्क पूर्वी राज्यों में बारिश करेगा। उत्तर पूर्व के बादलों का असर भारत के नागालैंड, सिक्किम, अरुणाचल, असम सहित बंगाल, झारखंड

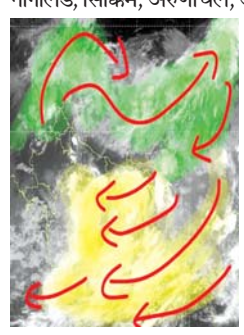

और बिहार तक बारिश करेगा। भारत की पूर्वी दिशा में इस समय तीन चक्रवात बने हुए हैं उनकी हवा का आपस में टकराव हो रहा है। ये चक्रवात चीन से लेकर फिलिपींस के समुद्र तक कायम है जिसमें से दो की दिशा भारत की ओर है। अगले तीन से चार दिनों में इन चक्रवातों की उथल-पुथल का असर भारत के दक्षिण पूर्व राज्यों में पड़ेगा। मध्य प्रदेश में आज से पूर्वी दिशा से बादलों का सैलाब उमड़ेगा। बहरहाल आज दक्षिण पूर्व दिशा में कई स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है। इन बादलों का असर मध्य और पश्चिम दिशा तक भी फैलेगा। इसलिए आज से लेकर 28 जुलाई तक मध्य प्रदेश के कई स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है। इधर उत्तर भारत में पाकिस्तान में आज भी बादलों की उथल-पुथल होने का असर कश्मीर से लद्दाख और पंजाब से हिमाचल प्रदेश की ओर पड़ सकता है। दक्षिण राज्यों में तेलंगाना, आंध्रा, कर्नाटक में भी आज कई जगह तेज वर्षा हो सकती है।

ओबीसी कल्याण आयोग में कुसमारिया को अध्यक्ष और मौसम को बनाया सदस्य

भोपाल। हेमंत खंडेलवाल के भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बनने के 21 दिन के भीतर ही मध्य प्रदेश में राजनीतिक नियुक्तियों को लेकर बड़ा निर्णय हुआ है। डॉ. रामकृष्ण कुसमारिया को ओबीसी कल्याण आयोग का अध्यक्ष और मौसम बिसेन को सदस्य बनाने का आदेश जारी हुआ है। इसके साथ ही पार्टी ने राजनीतिक नियुक्तियों की शुरुआत के संकेत दे दिए हैं। मौसम बिसेन पूर्व मंत्री गौरी शंकर बिसेन की बेटी हैं, जो वर्ष 2021 में आयोग के गठन के साथ अगस्त 2023 तक इसके अध्यक्ष रहे। अब उनकी जगह ओबीसी आयोग के अध्यक्ष कुसमारिया को कल्याण बोर्ड का भी अध्यक्ष नियुक्त करने के साथ ही संतुलन की दृष्टि से मौसम को सदस्य बनाया गया है। बता दें कि पार्टी ने मौसम बिसेन को विधानसभा चुनाव में भी बालाघाट से टिकट दिया था। बाद में इसे बदलकर गौरी शंकर बिसेन को लड़ाया था, जिसमें वह हार गए थे। मौसम की नियुक्ति के साथ उन नेताओं में भी निगम, मंडल और आयोग में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सदस्य बनने की आस जगी है, जो लंबे समय से प्रतीक्षा में हैं। इसमें विधानसभा चुनाव हार चुके तो कुछ कांग्रेस से आए नेता भी शामिल हैं। राजनीतिक नियुक्तियों के बाद अगली कड़ी में सरकार मंत्रिमंडल में रिक्त तीन पदों को भरने के लिए कैबिनेट का विस्तार भी कर सकती है। कई महीने से विस्तार की अटकलें चल रही हैं।

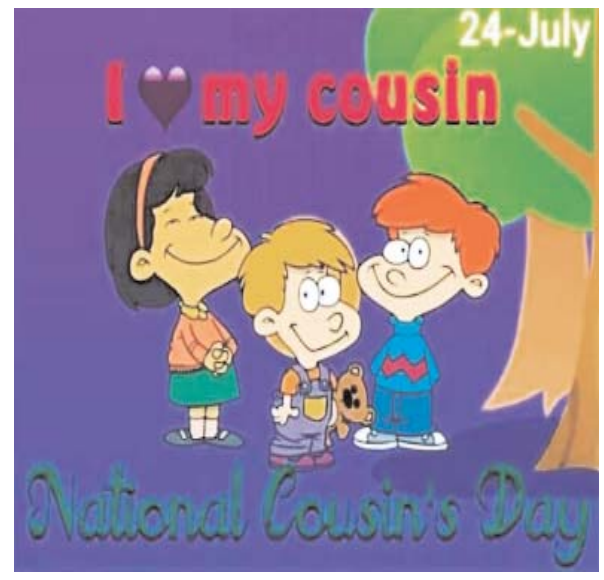

मध्य प्रदेश में प्रीमियम बीयर की बिक्री में 56 प्रतिशत की बढ़ोतरी

भोपाल। शहरी युवा, पर्यटन और बढ़ता हॉस्पिटैलिटी सेक्टर बना रहे हैं राज्य को प्रीमियम बीयर के लिए उभरता हुआ डेस्टिनेशन, मध्य प्रदेश को अक्सर भारत का हृदय प्रदेश कहा जाता है और यह आज एक शांत लेकिन महत्वपूर्ण परिवर्तन का केंद्र बना हुआ है। यह एक ऐसे बदलाव से गुजर रहा है जो राज्य की सामाजिक संरचना, सत्कार परिदृश्य और पेय पदार्थों की खपत के तरीके को नए सिरे से परिभाषित कर रहा है। पारंपरिक रूप से अपने मंदिरों, बाघों और शांत पर्यटन स्थलों के लिए पहचाने जाने वाला यह राज्य अब एक उभरती हुई बीयर संस्कृति का साक्षी बन रहा है, जिसका नेतृत्व कर रहे हैं शहरी युवा, पेशेवर और तेजी से बढ़ता पर्यटन क्षेत्र। हाल ही में सामने आए उद्योग के आंकड़ों के अनुसार, जनवरी से मई 2025 के बीच मध्य प्रदेश के बीयर बाज़ार में कुल 14 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि प्रीमियम और सुपर-प्रीमियम श्रेणी में यह वृद्धि 56 प्रतिशत तक पहुंच गई। यह बदलाव उपभोक्ताओं के हाई-वैल्यू और जीवनशैली-आधारित विकल्पों की ओर झुकाव को दर्शाता है – यह संकेत है कि बीयर अब सिर्फ मेट्रो शहरों या रिज़ॉर्ट टाउन तक सीमित नहीं रह गई है।

इस बदलाव की मुख्य वजह है इंदौर और भोपाल जैसे शहरों में आधुनिक पब, बार और होटलों का तेजी से आगे बढ़ना, साथ ही उन पर्यटन स्थलों का विकास जो अब बीयर को अपनी हॉस्पिटैलिटी पेशकशों का अहम हिस्सा मानते हैं। राज्य में जैसे-जैसे घरेलू और अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों की आमद बढ़ रही है, प्रीमियम और विविध प्रकार के पेय विकल्पों की मांग भी लगातार बढ़ रही है, जिससे रिटेल और ऑन-प्रिमाइसेज़ (होटल, बार आदि में परोसी जाने वाली बीयर) दोनों की बिक्री को बढ़ावा मिल रहा है।

इस परिवर्तन के केंद्र में है युवा और आकांक्षी जनसंख्या। बढ़ती आय और वैश्विक रुझानों के प्रति जागरूकता के चलते ये उपभोक्ता अब शराब की तुलना में हल्के और सामाजिक पेय जैसे बीयर को प्राथमिकता देने लगे हैं – विशेष रूप से प्रीमियम और क्राफ्ट-स्टाइल बीयर वैरिएंट्स को।

सक्षम क्लासेस का उदघाटन किया

सतना। बिरला कॉरपोरेशन लिमिटेड यूनिट सतना सीमेन्ट वर्क्स, सतना अपने सामाजिक उत्तरदायित्वों के प्रति सदैव कटिबद्ध है। इसी के परिपालन में संस्थान द्वारा समय-समय पर अनेकों सामाजिक एवं विकास कार्यो का निष्पादन किया जाता रहा है। दिनांक 23/07/2025 को सामाजिक उत्तरदायित्व के अन्तर्गत सरकारी एंव निजी नौकरियो की तैयारी हेतु छात्रों को तैयार करने के लिए सक्षम क्लासेस का उदघाटन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कौशल मिश्रा (यूनिट हेड), आर.के. गिरी (एच.आर. हेड), रणजीत प्रसाई (सीएसआर. क्लस्टर हेड) एवं विजय चौबे (सी.एस.आर. मैनेजर), अनामिका सिहं (सीएसआर) एवं प्रजायत्न एवं गुरुकुलम संस्था के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। सबसे पहले मुख्य अतिथि ने फीता काट कर सक्षम क्लासेस का उद्घाटन किया तथा मां सरस्वती की वन्दना की। समिति द्वारा सक्षम क्लासेस के बारे में बिस्तार से बताया गया।इस कोचिंग कार्यक्रम में 35-40 छात्रों को शामिल किया जायेगा जिन्हें सरकारी एवं निजी श्रेणी के विषयात्मक परीक्षाओं जैसे गणित, रेलवे, आर्मी, पुलिस आदि के लिए आवश्यक कक्षाएं एवं निर्देश दिये जायेंगे। सामान्यतः यह छात्र बिरला फैक्ट्री एवं माइंस के आस-पास के एवं सतना क्षेत्र के ग्रामीण एवं शहरी भागों से चुने जायेंगे, जिससे स्थानीय वर्ग के युवाओं को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। कौशल मिश्रा ने कार्यक्रम के बारे में कहा कि बच्चों को बहुत सी कलाओं सीखने पर ध्यान देना चाहिए। बच्चों को हर एक प्रकार की एक गतिविधि सीखने पर ध्यान देना चाहिए। बच्चों को हर एक फील्ड पर प्रयास करना चाहिए किसी एक फील्ड पर निर्भर नहीं रहने चाहिए, यदि आपको सफलता नहीं मिलती तो आपको किसी दूसरी क्षेत्र पर भी प्रयास करना चाहिए।

एक्सिस ट्रस्टी सर्विसेज ने ग्राहक अनुभव को और बेहतर बनाने के लिए उद्योग का पहला एआई-आधारित चैटबॉट एवीए लॉन्च किया

मुंबई, एजेंसी। एक्सिस बैंक की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी और भारत में कॉर्पोरेट व फिड्यूशियरी सेवाओं में अग्रणी नाम, एक्सिस ट्रस्टी सर्विसेज लिमिटेड ने आज एवीए के लॉन्च की घोषणा की। यह भारतीय ट्रस्टी सेवा क्षेत्र में लॉन्च किया गया पहला एआई-संचालित चैटबॉट है। एवीए की शुरुआत के साथ, एक्सिस ट्रस्टी ने अपनी डिजिटल परिवर्तन यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है, जो फिनटेक आधारित ट्रस्टी समाधानों में इसकी अग्रणी स्थिति को और मजबूत करता है। एवीए को इस उद्देश्य से डिज़ाइन किया गया है कि वह ग्राहकों को रीयल-टाइम, इंटेलिजेंट और निर्बाध समर्थन प्रदान कर सके। सेवा वितरण मॉडल में एआई के एकीकरण के माध्यम से, एक्सिस ट्रस्टी ग्राहक अनुभव को और बेहतर बनाना चाहता है – जिसमें त्वरित सहायता, अधिक पारदर्शिता और बेहतर परिचालन दक्षता शामिल है।

अमारा पार्टनर्स को 600 करोड़ के बेस फंड पर ओवरसब्सक्रिप्शन मिला

मुंबई, एजेंसी। मिड-मार्केट प्राइवेट इक्विटी फर्म अमारा पार्टनर्स, जिसे प्रमुख निवेशक आनंद महिंद्रा का समर्थन प्राप्त है, ने घोषणा की है कि उसे 600 करोड़ के बेस फंड के लिए अपेक्षा से अधिक निवेश प्रतिबद्धताएँ प्राप्त हुई हैं। यह निवेशकों के भरोसे को दर्शाता है कि फर्म भारत के अगली पीढ़ी के मिड-मार्केट चैंपियनों का समर्थन करने की रणनीति पर कायम है। इस फंड में भारत भर के प्रतिष्ठित संस्थागत परिवारों की भागीदारी रही है। अब अमारा 200 करोड़ तक के ग्रीन शू ऑप्शन का उपयोग कर रही है। ग्रीन शू ऑप्शन के हिस्से के रूप में, अमारा लीडरशिप सर्कल की शुरुआत की गई है – यह एक विशेष निवेशक समूह है, जिसमें भारत और वैश्विक कंपनियों के सीईओ और सीनियर लीडर्स शामिल हैं।यह फंड मैन्युफैक्चरिंग, हेल्थकेयर, फाइनेंशियल सर्विसेज और कंज्यूमर सेक्टर जैसी भारत की आर्थिक वृद्धि की धुरी माने जाने वाले क्षेत्रों में मिड-साइज़, प्रोमोटर-नेतृत्व वाले व्यवसायों में निवेश करेगा। प्रति निवेश 10-15 मिलियन के टिकट साइज़ के साथ अमारा 10-12 निवेश करने की योजना बना रही है, जिसमें 20 मिलियन तक के सह-निवेश की संभावना भी है। अमारा पहले ही लुमैक्स ऑटो टेक्नोलॉजीज़ और एनबीएफसी फाइब में निवेश कर चुकी है, जो इसके उच्च-सम्भावनाशील प्रोमोटर-नेतृत्व वाले प्लेटफॉर्म्स को स्केल करने की सोच को दर्शाता है।

सिंजेंटा ने मध्य प्रदेश में चावल किसानों के लिए नवीनतम तकनीक दिखाई और 'वी केयर' नामक अनूठे स्टीवर्डशिप अभियान की शुरुआत की

भोपाल। खेती को लाभकारी और सुरक्षित बनाने की दिशा में एक समग्र प्रयास के तहत, सिंजेंटा ने मध्य प्रदेश के चावल किसानों को अपनी नई तकनीकों का प्रदर्शन किया। इसके साथ ही कंपनी ने अपने खास स्टीवर्डशिपअभियान 'वी केयर' की शुरुआत की, जिसका उद्देश्य स्कूल के बच्चों, कृषि विक्रेताओं और स्थानीय प्रशासन के बीच फसल सुरक्षा उत्पादों के सुरक्षित और जिम्मेदार उपयोग के प्रति जागरूकता फैलाना है।

सिंजेंटा के वैश्विक टीम और भारतकीटीम ने भोपाल के पास स्थापितकिए गए राइस हबका दौरा किया, जहां सिंजेंटा की नई फसल सुरक्षा तकनीकों का प्रदर्शन किया गया।ड्रोन के ज़रिए फसल छिड़काव का डेमोभी किया गया, जिससे किसानों को यह दिखाया गया कि कैसे सटीक खेती से लागत घटती है, मेहनत कम होती है और पर्यावरण भी सुरक्षित रहता है। वाइब्रेंसइंटेग्रल, आल्टेसिया, रिफ्लेक्टटॉप और सेग्यूरिसईवोजैसी सिंजेंटा की अगली पीढ़ी की बेहतरीन तकनीकों को किसानों के लिए दिखाया गया। सिंजेंटा इंडिया के एमडी और कंट्री हेड सुशील कुमार ने कहा,हमारा राइस हब मॉडल किसानों को पारंपरिक खेती और नई तकनीक की तुलना करके खुद निर्णय लेने में मदद करता है। इसकी सफलता को देखते हुए, हम इसे देश के 22 प्रमुख धान उत्पादक क्षेत्रों में फैलाने जा रहे हैं। राइस हबएक अनूठा प्रयोगहै, जहां तकनीक को सीधे खेतों तक पहुंचाया जाता है। यहां किसानों को नई तकनीक, उत्पादों और तरीकों की ट्रेनिंग दी जाती है, जिससे वे अधिक उपज और टिकाऊ खेती के लिए तैयार हो सकें। स्टीवनहॉकिन्स ने कहा-सिंजेंटा का मिशन सिर्फ उपज बढ़ाना नहीं, बल्कि सुरक्षित और टिकाऊ ढंग से उपज बढ़ाना है।

स्टैंडअप इंडिया योजना से उद्यमियों को मिल रहा बढ़ावा, एससी-एसटी व महिलाओं को 29000 करोड़ के ऋण मंजूर

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार की स्टैंड-अप इंडिया योजना के तहत अप्रैल 2022 से मार्च 2025 तक अनुसूचित जाति , अनुसूचित जनजाति और महिला उद्यमियों को लगभग 29,000 करोड़ रुपये के ऋण मंजूर किए गए हैं। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलावर को संसद में यह जानकारी दी। सरकार की ओर से चलाई जा रही स्टैंड-अप इंडिया योजना का उद्देश्य अनुसूचित जातियों (एससी), अनुसूचित जनजातियों (एसटी) और महिलाओं को नए व्यवसाय स्थापित करने के लिए बैंक ऋण प्रदान करके, विशेष रूप से विनिर्माण, सेवा या व्यापार क्षेत्रों में, उद्यमिता को बढ़ावा देना है। यह योजना इन विशिष्ट जनसांख्यिकी पर केंद्रित होने के साथ-साथ एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम) क्षेत्र में आर्थिक सशक्तिकरण और रोजगार सृजन के व्यापक लक्ष्य को पूरा करने में मदद पहुंचाती है।

सीतारमण ने कहा कि वित्तीय सहायता के अलावा, यह योजना हाशिए पर पड़े वर्गों को मार्गदर्शन, प्रशिक्षण औरर विशिष्ट विशेषज्ञता प्रदान करती है। इसमें कौशल केंद्र, मेंटरशिप सहायता, उद्यमिता विकास कार्यक्रम केंद्र, जिला उद्योग केंद्र शामिल है। वित्त मंत्री ने बताया कि इस अवधि में कुल 1,26,508 ऋण खातों को स्वीकृति दी गई।

इनमें से 86,738 खाते महिला उद्यमियों के थे, जिन्हें ?20,521.41 करोड़ के ऋण मिले। एससी वर्ग के 30,145 खातों को ?6,437.59 करोड़ और एसटी वर्ग के 9,625 खातों को ?2,037.15 करोड़ के ऋण स्वीकृत किए गए।

स्टैंड-अप इंडिया योजना का उद्देश्य

स्टैंड-अप इंडिया योजना 5 अप्रैल, 2016 को शुरू की गई थी। स्टैंड-अप इंडिया योजना का उद्देश्य अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एससीबी) से 10 लाख रुपये से 1 करोड़ रुपये के बीच मूल्य के ऋण प्रदान करना है। यह विनिर्माण, सेवा या व्यापार क्षेत्र में ग्रीनफील्ड उद्यम स्थापित करने और कृषि से संबद्ध गतिविधियों के लिए प्रत्येक बैंक शाखा में कम से कम एक अनुसूचित जाति (एससी) या अनुसूचित जनजाति (एसटी) उधारकर्ता और एक महिला उधारकर्ता को प्रदान किया जाएगा। मंत्री ने कहा कि संभावित उधारकर्ताओं को ऋण के लिए बैंकों से जोड़ने के अलावा, ऑनलाइन पोर्टल ने संभावित एससी, एसटी और महिला उद्यमियों को व्यवसाय उद्यम स्थापित करने के उनके प्रयास में मार्गदर्शन प्रदान किया। इसमें प्रशिक्षण से लेकर बैंक की आवश्यकताओं के अनुसार ऋण आवेदन भरने तक की सुविधा शामिल है।

कैंब्रिज ने दक्षिण एशिया के 1000 स्कूलों में अपना विस्तार किया

मुंबई, एजेंसी। कैंब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस एंड एसेसमेंट (कैंब्रिज) में इंटरनेशनल एजुकेशन ग्रुप ने आज दक्षिण एशिया में 1,000 से अधिक कैंब्रिज इंटरनेशनल स्कूल का आँकड़ा पार करने की घोषणा की। इनमें से 800 स्कूल भारत में कैंब्रिज प्रोग्राम पेश कर रहे हैं। क्षेत्र में कैंब्रिज स्कूलों की संख्या पिछले एक साल में 16 प्रतिशत बढ़ी है। 2023-24 में जहाँ इस क्षेत्र में 894 कैंब्रिज स्कूल थे, वहीं 2024-25 में कैंब्रिज स्कूल बढ़कर 1034 हो गए हैं। नए स्कूलों में भारत का योगदान 81 प्रतिशत से अधिक है। दक्षिण एशिया में 75 प्रतिशत से अधिक कैंब्रिज इंटरनेशनल स्कूल भारत में स्थित हैं, तथा इसके बाद 12 प्रतिशत बांग्लादेश में स्थित हैं।

दक्षिण एशिया में इंटरनेशनल एजुकेशन के लिए सीनियर वाईस प्रेसिडेंट, विनय शर्मा ने कहा, ''दक्षिण एशिया में 1,000 स्कूलों का आँकड़ा पार करना विश्वस्तरीय शिक्षा प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। यह शिक्षा लर्नर्स और एजुकेटर्स, दोनों को सशक्त बनाती है। भारत में 800 से अधिक कैंब्रिज इंटरनेशनल स्कूलों के साथ हमें इस क्षेत्र में इनोवेशन, समावेशन और उत्कृष्टता लाने में अग्रणी भूमिका निभाने पर गर्व है। हमारे प्रोग्राम केवल शैक्षणिक उपलब्धि तक सीमित नहीं, वो लर्नर्स को वैश्विक चुनौतियों का सामना करने का कौशल, मानसिकता और आत्मविश्वास प्रदान करते हैं, ताकि वो जलवायु परिवर्तन से लेकर एआई तक, हर क्षेत्र में नेतृत्व कर सकें। हम अपने स्कूलों के साथ शिक्षा के भविष्य को आकार दे रहे हैं।''

पुणे का ब्रह्मप्रिया वर्ल्ड स्कूल 1000 वाँ कैंब्रिज स्कूल बना। 53 प्रतिशत कैंब्रिज इंटरनेशनल स्कूल टियर 1 शहरों में हैं, जो दर्शाता है कि अधिकांश स्कूल शहरों में स्थित हैं। दक्षिण भारत में छोटे शहरों में कैंब्रिज स्कूलों की संख्या सबसे अधिक बढ़ी है। 47 प्रतिशत कैंब्रिज स्कूल टियर 2 और टियर 3 शहरों में हैं। इससे प्रदर्शित होता है कि नॉन-मेट्रो शहरों में अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा का विस्तार हुआ है।

शहरी सहकारी बैंकों में सुधार लाने के लिए आईआईए इंडिया करेगा सहयोग, एनयूसीएफडीसी से समझौता

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय शहरी सहकारी वित्त एवं विकास निगम लिमिटेड (एनयूसीएफडीसी) और भारतीय आंतरिक लेखा परीक्षक संस्थान (आईआईए इंडिया) के साथ समझौता हुआ। इससे सहकारी बैंकों के भीतर शासन ढांचे में सुधार लाने के एनयूसीएफडीसी के कार्यों में सहयोग मिलेगा। भारतीय रिजर्व बैंक के दिशानिर्देश अनुसार देश के सभी शहरी सहकारी बैंकों (यूसीबी) को आंतारिक लेखापरीक्षा के लिए अंतरराष्ट्रीय मानकों को अपनाने के लिए कहा गया है। इसमें आईआईए और बीसीबीएस द्वारा जारी मानक अपनाने को कहा गया है। इसी दिशानिर्देश के तहत राष्ट्रीय शहरी सहकारी वित्त एवं विकास निगम लिमिटेड (एनयूसीएफडीसी), जो कि भारत के शहरी सहकारी बैंकिंग का अम्ब्रेला संगठन है और भारतीय आंतरिक लेखा परीक्षक संस्थान के साथ समझौता किया है। इससे देश के शहरी सहकारी बैंकों में जमाकर्ता का विश्वास बढ़ेगा। इस समझौते के तहत आईआईए इंडिया शहरी सहकारी बैंकों के भीतर शासन ढांचे में सुधार लाने के एनयूसीएफडीसी के कार्यों में सहयोग करेगा। सहयोग के दायरे में अंतरराष्ट्रीय लेखापरीक्षा मानकों को अपनाना, आंतरिक नियंत्रण प्रणालियों को मजबूत बनाना और आंतरिक लेखा परक्षिकों और वरिष्ठ प्रबंधन कर्मचारियों की व्यवसायिक क्षमताओं का बढ़ाना शामिल है। एनयूसीएफडीसी के सीईओ प्रभात चतुर्वेदी ने कहा इस सहयोग का मुख्य उद्देश्य यूसीबी में वैश्विक स्तर पर मानकीकृत लेखा परीक्षा और जोखिम प्रबंधन ढांचे को लागू करना है। यह संस्थागत लचीलेपन को मजबूत करने और जमाकर्ता का विश्वास बहाल करने में नियामक उद्देश्यों के अनुरूप होगा। पिछले कुछ महीनों में देश के सहकारी बैंकों में काफी गड़बड़ियों की शिकायतें सामने आई। इसमें मुंबई का न्यू इंडिया कोऑपरेटिव बैंक सबसे बड़ा उदाहरण है। न्यू इंडिया कोऑपरेटिव बैंक में 122 करोड़ रुपये का घोटाला किया गया। इसमें जमाकर्ताओं के पैसों का बैंक के उच्च अधिकारियों द्वारा दुरुपयोग किया गया है। फिलहाल इसकी जांच मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाख की टीम कर रही है और बैंक के जमाकर्ता उनके अपने पैसों के लिए बैंक और कोर्ट के चक्कर काट रहे हैं।

भारत के 5 रहस्यमय शिव मंदिर, जहां महिलाओं को शिवलिंग का जलाभिषेक करने की नहीं है अनुमति

भारत में भगवान शिव को 'नारी वंद्य' देवता माना जाता है, जिनकी पूजा में महिलाओं की भक्ति का विशेष महत्व है। सावन के पवित्र महीने में लाखों महिलाएं व्रत और पूजा-अर्चना कर भोलेनाथ को प्रसन्न करने का प्रयास करती हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि देश में कुछ ऐसे शिव मंदिर हैं, जहां प्राचीन परंपराओं और तांत्रिक मान्यताओं के कारण महिलाओं को शिवलिंग का जलाभिषेक करने की अनुमति नहीं है? ये परंपराएं नारी विरोधी नहीं, बल्कि आध्यात्मिक और ऊर्जा संतुलन पर आधारित हैं। तो आइए, जानते हैं भारत के उन पांच रहस्यमय शिव मंदिरों के बारे में, जहां महिलाओं को अभिषेक की अनुमति नहीं है।

कालभैरव मंदिर, उज्जैन (मध्य प्रदेश)

उज्जैन का कालभैरव मंदिर भगवान शिव के रौद्र रूप भैरवनाथ को समर्पित है। यहां शिवलिंग की पूजा विशेष तांत्रिक पद्धति से होती है, और भैरवनाथ को मदिरा चढ़ाई जाती है। मान्यता है कि इस मंदिर में शिव की उग्र ऊर्जा इतनी प्रबल है कि स्त्री-ऊर्जा के समीप आने से संतुलन बिगड़ सकता है। इसलिए, महिलाएं यहां केवल दर्शन कर सकती हैं, लेकिन शिवलिंग का जलाभिषेक नहीं कर सकतीं।

कामाख्या मंदिर, गुवाहाटी (असम)

हालांकि कामाख्या मंदिर मुख्य रूप से शक्ति की अधिष्ठात्री देवी को समर्पित है, लेकिन यहां शिव की पौराणिक ऊर्जा की उपस्थिति भी मानी जाती है। तांत्रिक परंपराओं के अनुसार, इस मंदिर में स्त्री और पुरुष ऊर्जा का संतुलन साधना के लिए महत्वपूर्ण है। यही कारण है कि महिलाओं को यहां शिवलिंग का अभिषेक करने की अनुमति नहीं है, ताकि आध्यात्मिक संतुलन बना रहे।

मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग, श्रीशैलम (आंध्र प्रदेश)

श्रीशैलम का मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग देश का एकमात्र ऐसा ज्योतिर्लिंग है, जहां शिव और शक्ति की संयुक्त पूजा होती है। लेकिन मंदिर के आंतरिक गर्भगृह में, जहां शिवलिंग स्थापित है, महिलाओं का प्रवेश वर्जित है। मान्यता है कि यह स्थान तीव्र साधना का केंद्र है, जहां केवल पुरुष साधक ही ऊर्जाओं को संभाल सकते हैं। इस कारण महिलाएं यहां जलाभिषेक नहीं कर सकतीं।

भूतनाथ मंदिर, मंडी (हिमाचल प्रदेश)

हिमाचल प्रदेश के मंडी में स्थित भूतनाथ मंदिर अत्यंत प्राचीन और रहस्यमय है। यहां भगवान शिव को भूतों के नाथ के रूप में पूजा जाता है। मंदिर में रात्रिकालीन पूजा और रौद्र साधनाएं होती हैं, जो स्त्रियों के लिए उपयुक्त नहीं मानी जातीं। इस मान्यता के चलते महिलाओं को शिवलिंग का अभिषेक करने से रोका जाता है, हालांकि दर्शन की अनुमति है।

केदारनाथ मंदिर, उत्तराखंड

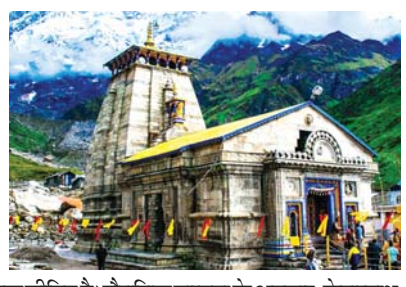

उत्तराखंड का केदारनाथ मंदिर बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक है। यहां महिलाएं दर्शन तो कर सकती हैं, लेकिन मुख्य शिवलिंग का पारंपरिक जलाभिषेक केवल मंदिर के पुजारी ही करते हैं, और यह परंपरा पुरुषों तक सीमित है। पौराणिक मान्यता के अनुसार, केदारनाथ में शिव कठोर तपस्या की मुद्रा में हैं, और इस तीव्र ऊर्जावान वातावरण में महिलाओं को अभिषेक की अनुमति नहीं दी जाती।

पॉलीथिन में दी जा रही चाय

छिंदवाड़ा। नगर की होटलों में पॉलीथिन (पन्नी) में खुले आम चाय दी जा रही है जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। कहां जाता है कि पन्नी के कण चाय में मिलते है तो इससे कैंसर होता है। नगरीय निकायों को कलेक्टर ने इसे रोकने के निर्देश दिये थे किन्तु नगरीय निकाय के अधिकारी सुस्त दिखाई देते है।

तीन गांव में तीन दिन से बंद है बिजली की आपूर्तिः मर्सकोले

छिन्दवाड़ा। शासन-प्रशासन से अंधियारा फैल रहा है। विद्युत वितरण कम्पनी तानाशाह बन चुकी है। लोग चिमनी के सहारे रात गुजार रहे हैं। उक्त उदगार सौंसर जनपद सदस्य विनायक मर्सकोले ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में व्यक्त किए। श्री मर्सकोले ने जारी प्रेस विज्ञप्ति के अंत में कहा कि सौंसर ब्लॉक के ग्राम खांडसिवनी, मेढीपठार व कारली में 90 प्रतिशत लोगों के द्वारा समय पर बिजली का बिल जमा किया गया केवल पांच से दस प्रतिशत लोगों ने अपनी आर्थिक मजबूरियों के चलते बिल जमा नहीं किया तो विद्युत वितरण कम्पनी के अधिकारियों ने ट्रांसफार्म से ग्रीप निकाल ले गए जिसके चलते तीनों गांव अंधेरे में डूबे हुए हैं। इसके लिए सिर्फ भाजपा की सरकार जिम्मेदार है। विभागीय तानाशाही इस कदर हावी है कि उन्होंने चंद मजबूर लोगों की वजह से समूचे गांव को अंधेर में धकेल दिया है।

कांग्रेस ने पवित्र कांवड़ यात्रा का पुष्पवर्षा से किया स्वागत

छिन्दवाड़ा। मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ एवं नकुलनाथ ने श्रावण मास व कांवडियों को यात्रा निकालने पर बधाई दी। पवित्र श्रावण मास में कांवड यात्रा के दर्शन मात्र से ही पुण्य लाभ अर्जित हो जाते हैं, किन्तु कांवड़ियों के स्वागत का सौभाग्य प्राप्त हो जाए तो जीवन धन्य हो जाता है। यह अवसर जिला कांग्रेस को प्राप्त हुआ। नेर से पवित्र श्रावण माह में बोलबम सरकार मित्र मंडल और जय मां चंडी रुप के तत्वावधान में विशाल कांवड़ यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा ग्राम नेर मां चंडी देवी मंदिर से प्रारंभ होकर ग्राम सिवनीमंदिर के पंचमुखी शिव मंदिर में पूर्ण होगी।

लोकमान्य तिलक व चंद्रशेखर आजाद की मनाई जयंती

छिन्दवाड़ा। कांग्रेस सेवादल ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी चन्द्रशेखर आजाद एवं लोकमान्य तिलक की जयंती मनाई। कांग्रेस सेवादल के पदाधिकारियों ने शहीद स्मारक पहुंचकर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके योगदान को याद किया। इस अवसर पर कांग्रेस सेवादल जिलाध्यक्ष सुरेश कपाले सहित अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्तागण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

शिव महाहपुराण कथा 25 जुलाई से

छिंदवाड़ा। सिद्वी विनायक ज्योतिष के सामने पूजा लॉज के पास राजपूत भवन में 25 जुलाई से 31 जुलाई तक श्री शिव महापुराण कथा का आयोजन किया जा रहा है। शिवपुराण कथा श्रीधाम वृंदावन के राष्ट्रीय प्रवक्ता पं. कृष्णाश्रय शास्त्री जी महाराज द्वारा की जाएगी। म.प्र. संत पुजारी संघ के अध्यक्ष पंडित सुनील तिवारी ने बताया कि 25 जुलाई को कलश यात्रा, शिव महापुराण कथा प्रारंभ होगी। 31 जुलाई को हवन पूजन, पूर्णाहुति, भंडारा महाप्रसाद का वितरण किया जाएगा। कथा का आयोजन भगवान श्री परशुराम फाउंडेशन द्वारा किया जा रहा है।

कलेक्टर के आदेश की अवहेलना भारी पड़ी, अतिक्रमण प्रभारी सहायक आयुक्त पर गिरी गाज

छिंदवाड़ा। नगर पालिका निगम छिंदवाड़ा में सहायक आयुक्त के पद पर पदस्थ एक महिला अधिकारी को कलेक्टर के आदेशों की अवहेलना करना महंगा पड़ गया। शहर में बढ़ते अतिक्रमण को लेकर कलेक्टर द्वारा सख्त निर्देश जारी किए गए थे, लेकिन संबंधित अधिकारी ने निर्देशों का पालन नहीं किया। इस पर नाराज होकर कलेक्टर ने न सिर्फ उनका अतिक्रमण प्रभारी का प्रभार वापस लेने के निर्देश दिए, बल्कि उन्हें प्रभाव क्षेत्र से भी हटाने का आदेश दिया। सूत्रों के अनुसार, उक्त महिला अधिकारी कुछ माह पूर्व तबादले पर छिंदवाड़ा आई थीं और उन्हें अतिक्रमण प्रभारी बनाया गया था। प्रभार संभालने के बाद से ही वे चर्चा में रहीं। हाल ही में जब कलेक्टर ने शहर में अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाने के निर्देश दिए, तब भी अधिकारी द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। इस लापरवाही से नाराज कलेक्टर ने नगर निगम आयुक्त को निर्देशित किया कि सहायक आयुक्त से अतिक्रमण प्रभार तत्काल वापस लिया जाए। आदेश का पालन करते हुए निगम आयुक्त ने उन्हें 'कुकड़ा जगत' क्षेत्र का जोन प्रभारी नियुक्त किया, लेकिन वहां से भी कुछ ही समय बाद उन्हें हटा दिया गया। लगातार कार्य में बरती जा रही लापरवाही से नाराज होकर निगम आयुक्त ने सहायक आयुक्त का वाहन तक छीन लिया।

हर्षोउल्लास ने मानेगा भुजालिया उत्सव

छिंदवाड़ा। मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक परंपरा में विशेष स्थान रखने वाला भुजालिया उत्सव पर्व रक्षाबंधन के द्वितीय दिवस बड़े ही धूमधाम एवं श्रद्धा-भाव से मनाया जाता है। इस पर्व की भव्यता और धार्मिक महत्व को ध्यान में रखते हुए छिंदवाड़ा की पारंपरिक मुख्य भुजालिया आयोजन स्थली-धर्म नगरी छोटी बाज़ार स्थित श्री बड़ी माता मंदिर में भुजालिया रोपण एवं शोभायात्रा का आयोजन होता है। इसी क्रम में आगामी आयोजन को सफल एवं सुव्यवस्थित बनाने हेतु एक विशेष बैठक का आयोजन गुरुवार, 25 जुलाई संध्या 6 बजे स्थानीय श्री रामलीला रंगमंच छोटी बाजार में रखा गया है। बैठक में भुजालिया उत्सव समिति के अध्यक्ष श्री ट्विंकल चरणागर एवं सचिव श्री कुशल शुक्ला ने समस्त हिंदू सनातनी प्रेमीजनों से आग्रह किया है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर आयोजन की योजना में सहभागी बनें एवं अपने अमूल्य सुझाव प्रदान कर इस परंपरागत पर्व की भव्यता में योगदान दें।

जिले को शीघ्र प्राप्त होगी 2 रैक यूरिया

वर्तमान में जिले में लगभग 3000 मीट्रिक टन यूरिया उपलब्ध

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर छिंदवाडा शीलेन्द्र सिंह के निर्देशानुसार राजस्व एवं कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा यूरिया वितरण केन्द्रों की लगातार निगरानी की जा रही हैं एवं वितरण केन्द्रों मे यूरिया वितरण व्यवस्था को सुदृढ किया जाकर किसानों को व्यवस्थित रूप से वितरण का कार्य कराया जा रहा हैं। गत सप्ताह जिले को 04 रैक यूरिया उर्वरक की प्राप्त हुई हैं एवं इसी अनुरूप लगातार जिले को आगामी सप्ताहें में 05 रैक यूरिया प्राप्त होनी है, जिससे जिले को लगभग 10000 मीट्रिक टन यूरिया उर्वरक प्राप्त होगा। कलेक्टर सिंह के निर्देशानुसार जिला विपणन अधिकारी शिखा सरयाम द्वारा मार्कफेड के भंडारण केन्द्रों की लगातार समीक्षा की जा रही है एवं कृषकों की सुविधा हेतु नगद वितरण केन्द्रों में 04 नगद काउंटर बढ़वाये गये हैं। साथ ही पानी और शेड की भी व्यवस्था की गई है। महाप्रबंधक जिला सहकारी बैंक द्वारा किसानों से अपील की गई है कि समितियों में यूरिया उर्वरक का भंडारण है। अपने क्षेत्र की सहकारी समितियों में जाकर यूरिया प्राप्त कर सकते हैं। वर्तमान में भी जिले में लगभग 3000 मीट्रिक टन यूरिया उपलब्ध है। किसानों से अपील की जाती है कि शासन द्वारा लगातार यूरिया प्राप्त हो रही हैं, किसान यूरिया की कमी को लेकर भ्रमित न हो एवं अफवाहों पर ध्यान न दें। आवश्यकता अनुसार ही उर्वरक वितरण केन्द्रों से यूरिया प्राप्त करे, जिससे अन्य किसानों के लिए किसी प्रकार की अव्यवस्था निर्मित न हो। प्रशासन द्वारा लगातार यूरिया रैक की मांग शासन से की जा रही हैं। जिले की आवश्यकता को देखते हुए शासन स्तर से निरंतर यूरिया की रैक उपलब्ध कराई जा रही हैं।

यूरिया वितरण केंद्र का निरीक्षण

बिछुआ। कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह के निर्देशन एवं चौरई एसडीएम प्रभात मिश्रा के मार्गदर्शन में बिछुआ वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी अरविन्द जावरे सहित पुलिस प्रशासन के सहयोग से बिछुआ में किसानों को खाद वितरण में हो रही व्यवस्था को सुचारू व आसान बनाने के लिए टोकन की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। अब किसानों को समय पर युरिया मिल पा रहीं हैं?। चौरई एसडीएम प्रभात मिश्रा ने बुधवार को सुबह-सुबह किसान डबल लॉक गोदाम बिछुआ का औचक निरीक्षण किया। इस औचक निरीक्षण में चौरई एसडीएम प्रभात मिश्रा ने यहां की व्यवस्थाएं देखी और किसानों बात की।

निरीक्षण के दौरान एसडीएम मिश्रा ने यूरिया भंडारण, वितरण की व्यवस्था, किसानों की उपस्थिति और केंद्र की कार्यप्रणाली की बारीकी से समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वितरण व्यवस्था पारदर्शी होनी चाहिए और किसी भी प्रकार की अव्यवस्था की शिकायत नहीं मिलनी चाहिए। एसडीएम श्री मिश्रा ने उपस्थित किसानों से संवाद कर उनकी समस्याएं जानीं और सभी से अपील की कि वे संयम बनाए रखे। शासन और प्रशासन किसानों को समय पर पर्याप्त यूरिया उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह से सजग और तत्पर है। उन्होंने कहा कि जिले में लगातार यूरिया की आपूर्ति हो रही है और सभी केंद्रों पर वितरण को सुचारु रूप से संचालित किया जा रहा है।किसानों को कृषि विभाग की अपीलविकासखंड बिछुआ में पर्याप्त मात्रा में युरिया डबल लॉक गोदाम उपलब्ध है। आगामी 2-3 दिनों में युरिया और उपलब्ध हो जाएंगी।वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी अरविंद जावरे ने किसानों से अपील की है कि वे प्रति एकड़ अधिकतम 2 बोरी युरिया का उपयोग करें।

छिंदवाड़ा में मिलिट्री स्कूल खोलने की मांग

रक्षामंत्री से मिले सांसद बंटी साहू

छिंदवाड़ा। सांसद बंटी विवेक साहू ने केन्द्रीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह से सौजन्य भेंट की। छिंदवाड़ा संसदीय क्षेत्र में रक्षा उत्पादक से संबंधित कारखाने लगाए जा सकते हैं। पूर्व में कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह ने कहा था कि यहां रक्षा उत्पाद के उत्पादन हेतु पर्याप्त मात्रा में जमीन उपलब्ध है। जरूरत है कि इस संबंध में सांसद पहल करें। सांसद बंटी विवेक साहू ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को छिन्दवाड़ा अथवा पांढुर्णा में मिलिट्री स्कूल की स्थापना के संबंध में एक पत्र भी दिया है। जिसमें उन्होंने जिक्र किया है कि छिन्दवाड़ा जिला अपनी जनजातीय संस्कृति धरोहर और शिक्षा के प्रति जनमानस की प्रतिबद्धता के लिए जाना जाता है। इन दोनों जिलों में शिक्षा के क्षेत्र में अब तक बहुत अधिक प्रगति नहीं हो पायी है। जिसके चलते यहां के बच्चों को शिक्षा प्राप्त करने के लिए बाहर जाना पड़ता है। छिन्दवाड़ा एवं पांढुर्णा जिले में मिलिट्री स्कूल की स्थापना के लिए उपयुक्त स्थान उपलब्ध है। जिले के युवाओं के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सैन्य अनुशासन को बढ़ावा देने के लिए एक मिलिट्री स्कूल स्थापित करना क्षेत्र के विकास में सहायक सिद्ध होगा। साथ ही राष्ट्र की सेवा के लिए योग्य और प्रेरित युवाओं को तैयार करने में महत्वपूर्ण योगदान देगा। छिन्दवाड़ा और पांढुर्णा जिला मध्यप्रदेश के प्रमुख जिलों में से एक है, यहा भी भौतिक और सामाजिक संरचना मिलिट्री स्कूल के लिए अनुकूल है। इस स्कूल की स्थापना से स्थानीय युवाओं को उत्कृष्ट शैक्षिक और सैन्य प्रशीक्षण प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। इन दोनों जिलों के आस-पास कही भी मिलिट्री स्कूल नहीं है। सांसद श्री साहू ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से अनुरोध किया है कि छिन्दवाड़ा या पांढुर्णा जिले में मिलिट्री स्कूल प्रारंभ करने की कृपा करें।

सांड को खिलाया सूअर मार बम जबड़ा फटने से हुई मौत

पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

आरोपी मुकेश पिता सुतू लाल गोदरे

छिंदवाड़ा। शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत एक दिल दहला देने वाली अमानवीय घटना सामने आई है। रविदास मंदिर के पीछे एक सांड को जानबूझकर विस्फोटक पदार्थ (सूअर बम) खिलाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है, जिससे सांड का जबड़ा फट गया और देर रात उसकी मौत हो गई।

स्थानीय लोगों ने जब सांड को घायल अवस्था में देखा तो तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने तत्काल निगम की गौशाला की मदद से सांड को वहां भिजवाया, जहां प्राथमिक उपचार दिया गया, लेकिन स्थिति गंभीर बनी रही।

कोतवाली पुलिस द्वारा घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की गई, जिसमें एक युवक सांड को सूअर बम खिलाता हुआ दिखाई दिया। आरोपी की पहचान मुकेश गोदरे, निवासी छिंदवाड़ा, के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है और पूछताछ की जा रही है।

पशु चिकित्सक डॉक्टर बेलवंशी ने बताया कि सांड का पूरा जबड़ा फट चुका था और गंभीर स्थिति में उसे गौशाला लाया गया था। जहां उपचार के बाद भी उसकी जान नहीं बचाई जा सकी और देर रात उसकी मौत हो गई।

कोतवाली टीआई आशीष कुमार ने जानकारी दी कि आरोपी ने आटे में सूअर बम मिलाकर सांड को खिलाया था। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया।

इनका कहना है

आटे में विस्फोटक मिलाकर जानबूझकर सांड को खिलाया गया। आरोपी मुकेश गोदरे को हिरासत में लिया गया है, उसके खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

आशीष कुमार, टीआई कोतवाली छिंदवाड़ा

सांड का जबड़ा पूरी तरह फट चुका था, उसे गंभीर हालत में गोशाला लाया गया था, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

डॉ. बेलवंशी, पशु चिकित्सक

जहां उम्मीद होती है कतार भी वहीं लगती है : संजय पटेल

छिंदवाड़ा। भाजपा किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष संजय पटेल ने कांग्रेस जिला अध्यक्ष के कतार वाले वक्तव्य पर पलटवार करते हुए कहा कि, ओक्टे जहां मिलने की उम्मीद होती है कतार वहीं लगती है। उन्होंने कहा कि 15 महीने की कांग्रेस सरकार के समय जब कुछ मिलता ही नहीं था तब कतार कैसे लग सकती थी। उन्होंने कहा कि छिंदवाड़ा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष बहुत अच्छे से जानते हैं कि भाजपा सरकार के दौरान मध्यप्रदेश लगातार कृषि कर्मण्य अवार्ड लेता रहा। लेकिन 15 महीने की कांग्रेस सरकार के दौरान प्रदेश 50 साल पीछे हो गया। संजय पटेल ने कहा कि ओक्टे जी कमलनाथ सरकार के 15 महीने के दौरान प्रदेश की कई जनकल्याणकारी योजनाएं बंद हुई थी तो कतार कैसे लगती। श्री पटेल ने कहा कि शायद छिंदवाड़ा कांग्रेस के जिलाध्यक्ष विश्वनाथ ओक्टे को ये नहीं पता कि आजकल कमलनाथ दुबई में निवासरत हैं। उन्होंने कहा कि छिंदवाड़ा कांग्रेस जिला अध्यक्ष को बता दूं कि कमलनाथ सरकार के दौरान फसल बीमा योजना, संबल योजना, भावांतर योजना जैसी कई किसान कल्याण और गरीब कल्याण की योजनाएं बंद कर दी गई थी। श्री पटेल ने कहा कि महिलाओं को 30 प्रतिशत का आरक्षण, लाडली बहना, वन स्टॉप सेंटर और महिला हेल्पलाइन, स्वाधार गृह योजना, उज्ज्वला योजना, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना जैसी अनेकों योजनाओं का लाभ भाजपा सरकार ने दिया, युवाओं के लिए स्किल डेवलपमेंट की योजना भाजपा सरकार ने बनाई। प्रधानमंत्री आवास योजना भाजपा सरकार ने बनाई। गरीबों और बुजुर्गों के स्वास्थ्य की चिंता करते हुए आयुष्मान योजना भाजपा सरकार ने बनाई। उन्होंने कहा कांग्रेस सरकार ने केवल योजनाओं को बंद किया। किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष संजय पटेल ने कहा कि छिंदवाड़ा कांग्रेस जिला अध्यक्ष केवल अपनी कुर्सी की रक्षा ना करते हुए आम जनता से मिले और उनको समझें साथ ही अपने आकाओं को भी जनता से जुड़ने, उनके सुख दुःख में शामिल होने की सलाह दें।

नवागत एसडीओपी से मिले सौसर प्रेस क्लब के पदाधिकारियों ने क्षेत्रीय समस्याओं पर की विस्तार से चर्चा

सौसर। सौसर एसडीओपी डी वीएस नागर का स्थानांतरण होने पर नवागत अनुविभागीय अधिकारी पुलिस प्रियंका पांडे द्वारा सौसर एसडीओपी का पदभार ग्रहण करने के पश्चात सौसर प्रेस क्लब के पदाधिकारी द्वारा भेंट कर क्षेत्र में व्याप्त विभिन्न समस्याओं पर चर्चा की। सौसर प्रेस क्लब के अध्यक्ष ब्रजकिशोर चांडक के नेतृत्व में प्रेस क्लब के सभी पदाधिकारी कल इस अवसर पर उपस्थित थे। नवागत एस डी ओ पी पुलिस प्रियंका पांडे ने इस अवसर पर पत्रकारों को बताया कि चमत्कारी श्री हनुमान मंदिर जाम सावली मैं निर्मित हनुमान लोक को लेकर पुलिस प्रशासन विशेष सतर्क है। यातायात व्यवस्था एव असामाजिक तत्वों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। सौसर प्रेस क्लब के अध्यक्ष ब्रजकिशोर चांडक ने सौसर क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं पर नवागत एसडीओपी मैडम का ध्यान आकृष्ट किया। इस अवसर पर पुलिस विभाग से आर आई आशीष तिवारी, सौसर प्रेस क्लब के अध्यक्ष बृज किशोर चांडक, राष्ट्रपाल ढोक,सलीम खान, प्रवीण ठवरे,रमेश पातुरकर,हंसराज बारस्कर, गणेश हिवरकर, मंगल सिंह ठाकुर, भूषण लाकडे जैन के साथ-साथ पदाधिकारी गण उपस्थित थे।

गरीब परिवारों को दाह संस्कार हेतु पुनः मिले लकड़ी सहायता, पार्षद आशीष जायसवाल ने उठाई मांग

परासिया। नगर पालिका परिषद, डोंगर परासिया के वार्ड क्रमांक 9 के पार्षद आशीष जायसवाल ने गरीब परिवारों को बड़ी राहत दिलाने के लिए नगर पालिका परिषद से महत्वपूर्ण मांग की है। उन्होंने एक पत्र लिखकर निवेदन किया है कि आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को किसी सदस्य की मृत्यु के उपरांत दाह संस्कार के लिए दी जाने वाली लकड़ी सहायता को तत्काल प्रभाव से पुनः प्रारंभ किया जाए। यह उल्लेखनीय है कि लगभग छह माह पहले परिषद की बैठक में सर्वसम्मति से यह प्रस्ताव पारित किया गया था कि आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को मृत्यु के बाद लकड़ी सहायता प्रदान की जाएगी। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि ऐसे परिवार बिना किसी आर्थिक बोझ के अपने प्रियजनों का अंतिम संस्कार सम्मानपूर्वक कर सकें।दुर्भाग्यवश, विगत कुछ समय से यह महत्वपूर्ण सहायता योजना अचानक बंद कर दी गई है, जिसके कारण जरूरतमंद परिवारों को दुख की इस घड़ी में गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। पार्षद आशीष जायसवाल ने अपने पत्र में इस स्थिति को गरीब और असहाय वर्गों के साथ अन्याय बताया है। उन्होंने दृढ़ता से मांग की है कि इस मानवीय योजना को तत्काल पुनः सक्रिय किया जाए और जरूरतमंद परिवारों को दाह संस्कार के लिए लकड़ी सहायता प्रदान की जाए।

मुफ्त में काम कराने की नीति पर चल रही सरकार एकजुट संघर्ष से मिलेगा न्याय: वासुदेव शर्मा

छिंदवाड़ा। मनरेगा मेठ श्रमिक संघ ने जिला अध्यक्ष मधु कुमार यादव के नेतृत्व में अस्थाई, आउटसोर्स कर्मचारी श्रमिक मोर्चा के राज्यव्यापी आव्हान के तहत कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री के नाम ग्यापन सौंपकर महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी (मनरेगा) में काम करने वाले मेठों के लिए न्यूनतम मानदेय, नियमित काम की मांग की। मनरेगा में जाबकार्ड धारी परिवार के हर सदस्य को 200 दिन काम एवं कलेक्ट्रेट दर 450 रूपए मजदूरी दिए जाने की मांग की। मनरेगा मेठ श्रमिकों की बैठक को अस्थाई कर्मचारी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष वासुदेव शर्मा ने संबोधित करते हुए प्रदेश भर में चल रहे कामगारों के संघर्ष की जानकारी दी और 27 जुलाई को भोपाल में होने वाले महाआंदोलन में पहुंचने का आव्हान किया। इस अवसर पर ब्लॉक अध्यक्ष बिछुआ ओमप्रकाश वर्मा, चौरई ब्लाक अध्यक्ष राजेश वर्मा, तामिया ब्लाक अध्यक्ष इंगलेश उईके, परासिया ब्लाक अध्यक्ष राजेश कहार, जुन्नारदेव ब्लाक अध्यक्ष प्रमुख कुशराम, मोहखेड़ ब्लाक अध्यक्ष अमीन खान, छिंदवाड़ा ब्लाक अध्यक्ष गजेंद्र मालवी, अमरवाड़ा ब्लाक अध्यक्ष अजय विश्वकर्मा, हर्रई ब्लाक अध्यक्ष राजेश बट्टी सहित सैकडों की संख्या में मेठ श्रमिक शामिल रहे। जिला अध्यक्ष मधु कुमार यादव ने मेठों के साथ होते आ रहे आर्थिक अन्याय के खिलाफ संयुक्त संघर्ष को जरूरी बताया वहीं 27 को भोपाल पहुंचने की अपील की। मेठ पदाधिकारियों से संवाद करते हुए वासुदेव शर्मा ने कहा कि मनरेगा का श्रमिकों के जरिए संचालन कराने वाले मेठों की पंचायत में कोई पहचान नहीं है, इसलिए मेठों को पहचान दिलाने के लिए नियुक्ति पत्र हासिल करना होगा, इसके साथ ही मनरेगा में जॉबकार्ड वाले परिवार के लिए हर सदस्य को 200 दिन काम एवं कलेक्टर दर पर मजदूरी दिलाने के लिए मेठ एवं श्रमिकों को मिलकर आंदोलन करना होगा, तभी मेठों को पहचान मिलेगी और मानदेय तय होगा।

नेमा दर्पण फाउंडेशन की बैठक में सावन हरियली उत्सव, पौधरोपण एवं सामूहिक रुद्राभिषेक का लिया निर्णय

छिंदवाड़ा। नेमा समाज के सेवा प्रकल्प नेमा दर्पण फाउंडेशन छिंदवाड़ा इकाई के पदाधिकारी एवं आजीवन सदस्यों की महत्वपूर्ण बैठक आज श्री निलेश श्रद्धा नेमा के निवास पर आयोजित की गई।बैठक में महिला इकाई के द्वारा दिनांक 26 जुलाई 25 दिन शनिवार को सावन हरियाली उत्सव,30 जुलाई 25 को पौधा रोपण एव 7 जुलाई को सामूहिक रुद्र अभिषेक करने का निर्णय लिया गया।बैठक में नेमा दर्पण फाउंडेशन के हो रहे विस्तार और सेवा प्रकल्प के लक्ष्य में सामाजिक बंधुओ की सहभगिता पर चर्चा में प्रदेश अध्यक्ष प्रभुनारायण नेमा ने बताया कि नेमा दर्पण फाउंडेशन जिसकी स्थापना छिंदवाड़ा से हुई है नेमा समाज के सेवा प्रकल्प के रूप में प्रदेश ही नही अब देश मे इसका विस्तार हो रहा है।

दो सूने घरों टूटे ताले, डॉग स्क्वायड और फिंगरप्रिंट लेने आई टीम

सिरोंज। सिरोंज में खाली मकान छोड़ना चोरों के लिए मुफीद होते हैं इसलिए इस तरह की गलती ना करें दूसरी और अवैध कॉलोनी में तो विशेष रूप से ध्यान रखें इस तरह की गलती करना दो लोगों को महंगा पड़ गया अबैध रूप से विकसित की गई खेतों के पास की गोकुलधाम कॉलोनी में रहने वाले शिवचरण शर्मा तथा सोनू शर्मा के घरों को अज्ञात चोरों ने निशाना बनाते हुए मंगलवार- बुधवार की रात्रि में चोरी की वारदात को अंजाम दिया है जिसमें शिवचरण शर्मा परिवार सहित वंदावन गए हुए हैं दूसरी ओर सोनू शर्मा शमशाबाद में थे। पास में रहने वाले ऋतिक इनको घरों के मुख्य दरवाजे के ताले खुला हुए दिखे तो उन्होंने फोन लगा कर बताया कि घर में कोई आया है तो इन्होंने बताया कि हम तो बाहर गए हैं इसके बाद चोरी होने की सूचना पुलिस को दी थाना प्रभारी पंकज गीते घटनास्थल पहुंचे एसडीओपी सोनू डाबर ने भी घटनास्थल का मौका महीना करने पहुंची और डॉग स्क्वायड तथा फिंगरप्रिंट की टीम को भी जिनके घरों में चोरी हुई उनके परिजनों को बुलाया इसके बाद शर्मा के घर में से टीवी चोरी होना सामने आया बाकी सामान इनको मिल गया पुलिस ने उसका पांचनम भी तैयार इसी तरह सोनू शर्मा के घर में भी 20000 इनको मिल गए पर उनकी माताजी के पास 20000 रखे थे उनकी तबीयत ठीक नहीं है इस कारण से बाकी चोरी की जानकारी नहीं मिल पाए यह कितनी चोरी हुई है थाना प्रभारी ने बताया कि दो मकानों में चोरी हुई है अज्ञात पर चोरी का प्रखंड दर्ज के मामले की छानबीन कर रहे हैं कॉलोनी में कहीं भी कैमरे नहीं लगे ना ही लाइट की व्यवस्था है पास में ही खेत लगे हुए हैं फिर भी हम चोरों को पकड़ने के लिए प्रयास कर रहे हैं टी में लगा दी है।

इनका कहना है

दो सूने मकान में चोरी की घटना हुई है अज्ञात में चोरी का मामला दर्ज करके छानबीन करना है।

पंकज गीते थाना प्रभारी

हनुमान कुटी गंज में पूर्व विधायक जेपी निगम की बेटियों ने लगवाया नेत्र एवं स्वास्थ्य शिविर

300 मरीजों की हुई जांच, 200 को चश्मे एवं दवाइयां वितरित

डॉ.श्वेता गर्ग ने कैंसर के प्रति लोगों को किया जागरुक

छतरपुर। पूर्व विधायक जेपी निगम राजनीति के माध्यम से जीवन पर्यन्त शोषित-पीड़ित तबके की सेवा करते रहे हैं। अब उनकी बेटियां भले ही राजनीति के क्षेत्र में न हो लेकिन वे भी अपने पिता के पदचिन्हों पर चलते हुये समाजिक क्षेत्र में रहकर शोषित-पीड़ित तबके की सेवा कर रही हैं। उनके द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य शिविर लगाये जा रहे हैं। हनुमान टोरिया ,धमना, टिकरी के बाद आज बुधवार को हनुमान कुटी गंज में उनके द्वारा शिविर लगाया गया जिसमें बरसात के मौसम के बावजूद करीब 300 लोग शामिल हुये जिनमें 200 लोगों को चश्मे वितरित किये गये जबकि सभी 300 मरीजों की डॉ श्वेता गर्ग द्वारा ब्लड प्रेशर एवं शुगर की जांच कर मरीजों को दवायें निःशुल्क मुहैया कराई गई।

मिली जानकारी के अनुसार हनुमान कुटी गंज में आयोजित स्वास्थ्य शिविर में डॉ.जीएल अहिरवार नेत्र रोग विशेषज्ञ नेत्र छतरपुर, डॉ.शुभांग श्रीवास्तव, डॉ.अतुल गुप्ता, डॉ.अनुकृति पटेल एवं जिला अस्पताल की वरिष्ठ पैथालॉजिस्तक कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ.श्वेता गर्ग एवं मानसी देवी तथा दिया कुमारी तथा स्वास्थ्य विभाग के स्टाफ में भानु राणा, सुश्री नीलम गुप्ता, श्रीमती निधि राव, पुष्पेन्द्र पटेल, कमलेश रैकवार आदि शामिल हुये। डॉ.जीएल अहिरवार द्वारा नेत्र रोगियों की जांच की गयी जिसमें 200 नेत्र रोगियों को निःशुल्क चश्मे वितरित किये गये तथा इस शिविर में मोतियाबिंद के मरीजों को आपरेशन हेतु जिला चिकित्सालय छतरपुर आकर आपरेशन करने की सलाह दी गई वहीं पैथालॉजिस्ट डॉ.श्वेता गर्ग ने सभी मरीजों की सुगर, ब्लड प्रेशर के साथ-साथ कैंसर की जांच की। साथ ही उन्होंने लोगों को कैंसर के प्रति आगाह करते हुये कहा कि कैंसर लाइलाज नहीं है अगर समय रहते इस बीमारी का इलाज शुरू हो जाये तो कैंसर से जंग जीती जा सकती है। उन्होंने लोगों को खासतौर पर महिलाओं को कैंसर के प्रारंभिक लक्षणों के प्रति जागरूक किया।

इस शिविर की व्यवस्था पुष्पेन्द्र सिंह चंदेल सदस्य जिला पंचायत, गोविन्द सिंह टुरया, बहादुर सिंह कुटिया, दंगल सिंह गंज, बृजगोपाल अवस्थी टिकरी, शिवदयाल पटेल टुरया, रनजोर सिंह, सुखलाल पटेल, विश्वनाथ सिंह, पवन विश्वकर्मा, पुष्पेन्द्र सिंह, उदयभान सिंह, सूर्य प्रताप सिंह, बद्री प्रसाद अग्रवाल, रघुवीर सिंह तिलौहां, गोविन्द सिंह लखरावन वहीं छतरपुर से इस शिविर की आयोजिका पूर्व विधायक जेपी निगम की पुत्रियां संयोजिका श्रीमती मृदुला निगम, सुश्री रेणुका निगम, श्रीमती स्मिता श्रीवास्तव के अलावा कुं.जाहन्वी, शाद्वल श्रीवास्तव, अर्चना अग्रवाल, हरि अग्रवाल, केके खरे, अनूप सिंह, अशोक मिश्रा, बृजभूषण रूपोलहा, अनिल कुमार गुप्ता बड़ामलहरा आदि शामिल हुये। कार्यक्रम के अंत में मृदुला निगम, सुश्री रेणुका निगम एवं स्मिता श्रीवास्तव ने सभी का हृदय से आभार व्यक्त किया है।

प्रदेश के 20 जिलों में आज भारी बारिश का अलर्ट

24 घंटे में साढ़े 4 इंच तक गिर सकता है पानी

भोपाल। मध्य प्रदेश में एक बार फिर स्ट्रांग सिस्टम एक्टिव होने की वजह से तेज बारिश का दौर शुरू हो गया है। गुरुवार को जबलपुर समेत 20 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट है।मौसम विभाग के अनुसार, गुरुवार को विदिशा, सीहोर, सागर, रायसेन, नर्मदापुरम, बैतूल, छतरपुर, दमोह, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, पन्ना, कटनी, जबलपुर, सिवनी, बालाघाट, मंडला, डिंडौरी, अनूपपुर और उमरिया में भारी बारिश का दौर बना रहेगा। अगले 24 घंटे में इन जिलों में साढ़े 4 इंच तक पानी गिर सकता है। इससे पहले बुधवार को नर्मदापुरम के इटारसी में बाढ़ जैसे हालात रहे। भोपाल, इंदौर समेत 20 से ज्यादा जिलों में बारिश हुई।

चार दिन तक भारी बारिश का अलर्ट

मौसम विभाग कि सीनियर वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया कि मध्यप्रदेश में फिलहाल मानसून ट्रफ और दो साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम एक्टिव हैं। इस वजह से प्रदेश में बारिश का दौर शुरू हुआ है। अगले चार दिन तक कहीं भारी तो कहीं अति भारी बारिश का अलर्ट है।

छिंदवाड़ा में 9 घंटे में 2.1 इंच बारिश

बुधवार को छिंदवाड़ा में 9 घंटे में 2.1 इंच पानी गिर गया। वहीं, गुना में 1.8 इंच, नर्मदापुरम-ग्वालियर में 1.5 इंच, शाजापुर में 1.2 इंच और शिवपुरी में पौन इंच बारिश दर्ज की गई। भोपाल, दतिया, इंदौर, शिवपुरी, उज्जैन, जबलपुर, छतरपुर के नौगांव, टीकमगढ़, बालाघाट के मलाजखंड, श्योपुर, भिंड, राजगढ़, आगर-मालवा समेत कई जिलों में बारिश का दौर चला।

सीजन में अब तक औसतन 21.1 इंच बारिश हुई

मध्यप्रदेश में इस सीजन में औसत 21.1 इंच बारिश हो चुकी है जबकि अब तक 14.1 इंच बारिश होनी थी। इस हिसाब से 7.3 इंच बारिश ज्यादा हो चुकी है, जो 53त्न अधिक है। 3 जिले- निवाड़ी, टीकमगढ़ और श्योपुर में तो कोटा पूरा हो चुका है। इन जिलों में सामान्य से 25त्न तक ज्यादा पानी गिर चुका है। ग्वालियर समेत 5 जिले भी बेहतर स्थिति में हैं। यहां 80 से 95त्न तक बारिश हो चुकी है। दूसरी ओर, इंदौर और उज्जैन संभाग सबसे पीछे है। इंदौर, उज्जैन, शाजापुर, बुरहानपुर और आगर-मालवा में 10 इंच से भी कम पानी गिरा है।

डेंगू, चिकनगुनिया के मरीज बढ़े, ज्यादा खतरनाक हो रहा चिकनगुनिया, 44 टीमें काबू करने में जुटी

भोपाल। बारिश के साथ ही राजधानी भोपाल में डेंगू और चिकनगुनिया के केस बढ़ने लगे हैं। शहर में अब तक 52 लोग डेंगू और 55 लोग चिकनगुनिया की चपेट में आ चुके हैं। जबकि मलेरिया विभाग का दावा है कि उनकी 44 टीमें फील्ड पर लार्वा सर्वे का काम कर रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि चिकनगुनिया के मरीजों को ज्यादा परेशानी हो रही है। कई मरीजों को बुखार लंबे समय तक नहीं उतरने और प्लेटलेट काउंट कम होने के कारण अस्पतालों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। सीएमएचओ डॉ. मनीष शर्मा ने बताया कि जनवरी से अब तक लगभग 2 लाख घरों का सर्वे किया जा चुका है, जिनमें से 6 हजार से अधिक घरों में लार्वा मिला है। वर्तमान में 44 से ज्यादा टीमें लार्वा खोजने और नष्ट करने के कार्य में लगी हुई हैं। उन्होने कहा कि आगे अगर जरूरक पड़ी तो समीक्षा कर टीमों की संख्या भी बढ़ाई जाएगी। उन्होंने बताया कि जिले की मलेरिया टीम के काम की समीक्षा की जा रही है। नगर निगम के साथ मिलकर डेंगू और चिकनगुनिया की रोकथाम के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा।

डेंगू वार्ड तैयार- जेपी हॉस्पिटल के अधीक्षक डॉ. राकेश श्रीवास्व ने बताया कि बारिश का महीना शुरू होने के साथ डेंगू चिकनगुनिया के मरीज भी बढ़ने लगते हैं। इस बार चिकनगुनिया का खतरा ज्यादा दिख रहा है। चिकनगुनिया के मरीजों को ठीक होने में ज्यादा समय लग रहा है। उन्होने बताया कि जेपी अस्पताल में पहले से डेंगू वार्ड तैयार किए गए हैं।

एक स्थान पर पानी जमा होने से पनपते हैं मच्छर- जिला मलेरिया अधिकारी अमृता नामदेव ने बताया कि हमारी 44 टीमें फील्ड पर काम कर रही है जरूरत पड़ी तो और बढ़ाया जाएगा। उन्होंने बताया कि लोगों की लापरवाही की वजह से पानी स्टोर होता है और लार्वा पनपने लगता है। ऐसे लोगों को जागरूक करने के लिए टीमें घर-घर जा रहीं है। उन्होंने बताया कि बारिश के बाद पानी लंबे समय तक एक स्थान पर जमा होने से लार्वा पनप जाता है। इसलिए लोगों से बार-बार अपील की जा रही है कि पानी को जमा न होने दें। हमारी टीमें भी लार्वा सर्वे कर रही हैं।

सजे राखी के बाजार: शहर में सजी रंग-बिरंगी राखियों की दुकानें, दिल्ली-मुंबई-सूरत से आ रहे खास कलेक्शन

भोपाल। शहर में रक्षाबंधन को लेकर बाजारों में रौनक नजर आने लगी है। 9 अगस्त को पड़ने वाले रक्षाबंधन के लिए लिए इस बार शहर में भगवान श्रीराम, राम दरबार, महाकाल और स्वास्तिक चिह्न वाली राखियों की सबसे अधिक मांग है। ट्रेडिशनल राखियों के लिए चौक बाजार, मारवाड़ी रोड, इतवारा, मंगलवारा, लखेरापुरा, सराफा, 10 नंबर मार्केट, न्यू मार्केट और बिट्ठन मार्केट में राखियों की दुकानें सज गई हैं।

रेशमी राखियां मुंबई से, जूट की राखियां कोलकाता से और कस्टमाइज्ड डिजाइन राखियां दिल्ली, सूरत, चेन्नई व आगरा से आ रही हैं। खाटू श्याम की राखियां वजन के हिसाब से तैयार करके ज्वैलर्स बहनों के लिए खास तौर पर तैयार कर रहे हैं। सोने-चांदी की राखियों की भी पूछपरख हो रही है।

मध्य प्रदेश पेसा एक्ट में बना देश का अग्रणी राज्य, थानों के बिना निपटे 8 हजार केस

भोपाल। देश में पंचायत (अनुसूचित क्षेत्रों का विस्तार) अधिनियम यानी पेसा अधिनियम का प्रभावी क्रियान्वयन कुल 10 राज्यों में हो रहा है, जिनमें मध्य प्रदेश इस दिशा में सबसे आगे है। मप्र के 20 जिलों के 88 विकासखंडों की 5,133 ग्राम पंचायतों के अंतर्गत आने वाले 11,596 गांवों में यह अधिनियम लागू है। सबसे बड़ी बात यह है कि इसके माध्यम से लगभग 8 हजार से अधिक विवादों का निपटारा बिना थाने गए, चौपालों में किया गया है। पेसा अधिनियम का उद्देश्य ग्राम सभाओं को सशक्त बनाकर आदिवासी क्षेत्रों में स्थानीय विवादों, संसाधनों और परंपरागत व्यवस्थाओं को लोकतांत्रिक तरीके से संचालित करना है। मध्यप्रदेश सरकार ने इसे ज़मीनी स्तर तक पहुंचाने के लिए व्यापक रणनीति अपनाई है। ग्राम सभाएं अब निर्णय ले रही हैं, विवाद सुलझा रही हैं और प्राकृतिक संसाधनों का प्रबंधन भी खुद कर रही हैं। 11,639 शांति एवं विवाद निवारण समितियां, 11,331 वन संसाधन योजना एवं नियंत्रण समितियां और 21,887 सहयोगिनी मातृ निवारण समितियां पेसा क्षेत्रों में सक्रिय हैं। इन समितियों के सहयोग से जनजातीय समुदाय न केवल अपने पारंपरिक अधिकारों को संरक्षित कर पा रहा है, बल्कि महिलाओं की भागीदारी भी लगातार बढ़ रही है। पेसा अधिनियम के तहत 4,850 पेसा मोबिलाइजर भी नियुक्त किए गए हैं, जो लोगों को जागरूक करने, कानून की जानकारी देने और ग्रामसभाओं को सक्रिय बनाए रखने में सहयोग कर रहे हैं। यह एक ऐसी व्यवस्था बन चुकी है जो न केवल प्रशासनिक बोझ को कम कर रही है, बल्कि स्थानीय नेतृत्व को भी सशक्त बना रही है।

अधिनियम के तहत ग्रामसभा को भूमि, जल, जंगल, खनिज, सामाजिक न्याय, ग्राम स्तरीय संस्थानों, शांति एवं विवाद निवारण जैसे मुद्दों पर अधिकार प्राप्त हैं। इसकी सफलता का एक प्रमाण यह भी है कि हजारों विवाद पुलिस थानों में शिकायत दर्ज कराए बिना ही सुलझाए जा चुके हैं, जिससे ग्रामीणों का समय और धन दोनों बचा है।